- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बार काउंसिल चुनाव में 30 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए करें आरक्षित -07

- मुनाफा वसूली से सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का, निफ्टी भी 26000 के नीचे -10

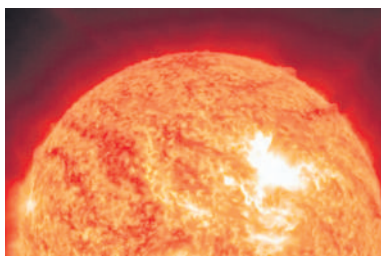

- सौर विकिरण ने इस वर्ष दो दशकों का रिकॉर्ड तोड़ा, सौर ज्वालाओं ने भी रचा इतिहास -11

- टी-20 सीरीज आज से शुरू होगी, जीत के साथ आगाज करने उतरेगी भारतीय टीम -12

आज का मौसम 26.5° अधिकतम तापमान 09.2° न्यूनतम तापमान सूर्योदय 06.44 सूर्यास्त 05.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ, बरेली, कानपुर, मुरादाबाद, अयोध्या, हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष पंचमी 02:29 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 9 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 310, पृष्ठ 12+4 मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

हिमालयी क्षेत्र से आ रही सर्द हवा ने बढ़ाई ठिठुरन

लखनऊ। हिमालयी क्षेत्र से आ रही बर्फीली हवा के कारण उत्तर प्रदेश में पारा और गिर गया है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान तो सामान्य से नीचे चला गया है। मौसम विभाग के अनुसार अब हवा की रफ्तार भी धीमी रहेगा। सोमवार को लखनऊ, कानपुर और आसपास के क्षेत्रों में सोमवार से सर्दी का असर बढ़ गया। पहाड़ों पर बर्फबारी कराने वाले पश्चिमी विक्षोभ के आने का प्रभाव दिखने लगा है। इस बीच अनुमान है कि यूपी के कई जिलों, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, मुज्जफरनगर, सहारनपुर में घना कोहरा पड़ सकता है। बरेली, मुरादाबाद और तराई में कोहरे के साथ ठंडी हवाएं चलने से दिन में गलाने वाली सर्दी का अहसास होने का अनुमान है। लखनऊ, कानपुर व पूर्वांचल के मौसम पर चर्चा करें तो सुबह ठंडी हवाएं चलेंगी और दिन में गुनगुनी धूप निकलेगी। आने वाले दिनों में रात के तापमान में और गिरावट संभव हैं।

सत्येंद्र जैन और डीजेबी के पूर्व अफसरों पर आरोपपत्र दाखिल

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड के एसटीपी के लिए निविदाएं देने में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में दिल्ली के पूर्व मंत्री और आप नेता सत्येंद्र जैन तथा 13 अन्य के खिलाफ ईडी ने धन शोधन विरोधी कानून के तहत आरोप पत्र दाखिल किया है। प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत 14 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की है। ईडी ने एक बयान में कहा कि जांच से यह निष्कर्ष निकला है कि जैन, उदित प्रकाश राय, अजय गुप्ता, सतीश चंद्र वशिष्ठ और कुछ अन्य लोग 17.70 करोड़ रुपये मूल्य की आपराधिक आय के सृजन, अधिग्रहण, छुपाने, कब्जे और उपयोग में शामिल थे।

एसआईटी करेगी कफ सिरप तस्करी मामले की जांच

लखनऊ। फेंसेडिल कफ सिरप व कोडीन युक्त सिरप तस्करी गिरोह के नेटवर्क व फर्जी दस्तावेजों पर बने मेडिकल फर्म की जांच एसआईटी करेगी। इसका प्रभारी आईजी स्तर का अधिकारी होगा। एसआईटी वर्तमान में चल रही जांचों की नियमित समीक्षा व वित्तीय लेनदेन की जांच भी करेगी। इसमें दोषी पाए गये लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी राजीव कृष्ण व एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंसमें दी। विस्तृत खबर-2

वाहनों से की बाघ की घेराबंदी, नोटिस

पीलीभीत। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के पर्यटन सत्र के दौरान नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। दरअसल बीते रविवार को बराही रेंज के साइफन पुल पर चहलकदमी कर रहे एक बाघ को दिखाने के चक्कर में चालक व नेचर गाइडों ने नियमों को तांक पर रख दोनों ओर सफारी वाहन खड़े कर दिए। इतना ही नहीं, सैलानियों के साथ चालकों और गाइडों ने सफारी वाहन से उतरकर जमकर फोटोग्राफी की।

जिन्ना के सामने झुकी कांग्रेस, किए वंदेमातरम् के टुकड़े

राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लोकसभा में चर्चा, मोदी ने कहा- इसी गीत ने देश को खड़ा किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए मुस्लिम लीग के दबाव में वंदेमातरम् के टुकड़े कर दिए गए और एक दिन पार्टी को भारत के बंटवारे के लिए भी झुकना पड़ा। सदन में राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए मोदी ने 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल का हवाला दिया और कहा कि जब राष्ट्रीय गीत के 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और संविधान का गला घोंट दिया गया था।

उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जब आजादी को कुचलने की कोशिश हुई, संविधान की पीठ पर छुरा घोंप दिया गया और देश पर आपातकाल थोप दिया गया, तब इसी वंदेमातरम् ने देश को खड़ा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा 1875 में लिखित वंदेमातरम् जब देश की ऊर्जा और प्रेरणा का मंत्र बन रहा था और स्वतंत्रता संग्राम का नारा बन गया था, तब मुस्लिम लीग की विरोध की राजनीति और मोहम्मद अली जिन्ना के दबाव में कांग्रेस झुक गई। तब कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा। तब नेहरू ने मुस्लिम लीग के आधारहीन बयानों पर करारा जवाब देने के बजाय वंदेमातरम् की ही पड़ताल शुरू कर दी।

मोदी ने कहा कि अंग्रेज समझ चुके थे कि 1857 के बाद भारत में लंबे समय तक टिक पाना उनके लिए मुश्किल होता जा रहा है। वे सपने लेकर तो आए थे, लेकिन उन्हें यह साफ दिखने लगा कि जब तक भारत को बांटा नहीं जाएगा, लोगों को आपस में लड़ाया नहीं जाएगा, तब तक यहां राज करना कठिन है। तब अंग्रेज़ों ने बांटो और राज करो का रास्ता चुना, और उन्होंने बंगाल को इसकी प्रयोगशाला बनाया। मोदी ने कहा कि जिस मंत्र ने, जिस जयघोष ने देश की आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम् का पुण्य स्मरण करना इस सदन में हम सबका बहुत बड़ा सौभाग्य है।

> वंदेमातरम्, सिर्फ राजनीतिक लड़ाई का मंत्र नहीं था। अंग्रेज जाएं और हम अपनी राह पर खड़े हो जाएं, वंदेमातरम् सिर्फ यहां तक सीमित नहीं था। यह आजादी की लड़ाई थी, इस मातृभूमि को मुक्त कराने की जंग थी। मां भारती को उन बेड़ियों से मुक्त कराने की एक पवित्र जंग थी।
> – **नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

जब वंदेमातरम् का उत्तम पर्व होना था, तब संविधान का गला घोंटा गया

मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् की 150 वर्ष की यात्रा अनेक पड़ावों से गुजरी है, लेकिन जब वंदेमातरम् के 50 वर्ष हुए थे, तब देश गुलामी में जीने के लिए मजबूर था। जब वंदेमातरम् के 100 वर्ष हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और जब वंदेमातरम् का अत्यंत उत्तम पर्व होना चाहिए था, तब भारत के संविधान का गला घोंट दिया गया था। मोदी ने सदन में उपस्थित सदस्यों से कहा कि हम लोगों पर तो कर्ज है वंदे मातरम का। उसी ने संसद में पहुंचाने का रास्ता बनाया। अब हम आत्मनिर्भर भारत का सपना लेकर चल रहे हैं और वंदेमातरम् हमारी प्रेरणा है। स्वदेशी आंदोलन की भावना आज भी मौजूद है और वंदेमातरम हमें जोड़ता है। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले महापुरुषों का सपना स्वतंत्र भारत का था और आज की पीढ़ी का सपना समृद्ध भारत का है। मोदी ने कहा कि वंदेमातरम् गीत ऐसे समय लिखा गया था, जब 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के बाद अंग्रेज सल्तनत बौखलाई हुई थी। उन्होंने कहा, हमारा सपना है कि 2047 में देश विकसित भारत बनकर रहे। अगर आजादी के 50 साल पहले कोई देश की आजादी का सपना देख सकता था तो 25 साल पहले हम भी समृद्ध, विकसित भारत का सपना देख सकते हैं।

नेहरू ने लिखा था - मुस्लिम भड़केंगे

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन्ना के विरोध के पांच दिन बाद ही तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष नेहरू ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पत्र लिखा और उसमें जिन्ना की भावना से सहमति जताते हुए कहा वंदेमातरम् की आनंद मठ की पृष्ठभूमि मुसलमानों को क्षुब्ध कर सकती है। इसके बाद कांग्रेस ने वंदेमातरम् के उपयोग की समीक्षा की घोषणा की जिससे पूरा देश हैरान था। मोदी ने कहा कि देशभक्तों ने इस प्रस्ताव के विरोध में देश के कोने कोने में प्रभात फेरियां निकालीं, वंदेमातरम् गीत गाया। लेकिन देश का दुर्भाग्य कि 26 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस ने वंदेमातरम् पर समझौता कर लिया। इतिहास इस बात का गवाह है कि कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए और मुस्लिम लीग के दबाव में यह किया। प्रधानमंत्री के मुताबिक, नेहरू ने पत्र में लिखा कि मैंने वंदेमातरम् गीत की पृष्ठभूमि पढ़ी है। मुझे लगता है कि जो पृष्ठभूमि है, इससे मुस्लिम भड़केंगे।

एक ही बार में हो जाएं सारी बातें : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने दावा किया कि ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने एवं कुछ महीने बाद होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के चलते राष्ट्रीय गीत पर सदन में चर्चा कराई गई है। उन्होंने सदन में वंदेमातरम् पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि राष्ट्रीय गीत पर चर्चा की जरूरत नहीं होनी चाहिए क्योंकि यह देश के कण-कण में बसा है तथा देश की भावना से जुड़ा है। प्रियंका ने कहा कि सत्तापक्ष को पंडित जवाहरलाल नेहरू पर बार-बार आरोप लगाने के बजाय इस पर संसद में चर्चा करा लेनी चाहिए ताकि एक ही बार सारी बातें हो जाएं और यह पूरा अध्याय हमेशा के लिए खत्म हो तथा बेरोजगारी, महंगाई और दूसरी चुनौतियों पर चर्चा हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के हर अधिवेशन में सामूहिक रूप से वंदेमातरम् गाया जाता है, लेकिन भाजपा को बताना चाहिए कि उसके अधिवेशन में यह होता है या नहीं।

लिव-इन में रहने वाले इंजीनियर की गला रेतकर हत्या

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- आरोपी महिला गिरफ्तार, करीब 10 घंटे तक शव के साथ घर में बैठी रही
- बीबीडी के सालारगंज क्षेत्र की घटना, पुलिस कर रही पूछताछ

अमृत विचार: बीबीडी के सालारगंज इलाके में महिला ने अपनी नाबालिग बेटियों के साथ मिलकर इंजीनियर की गला रेतकर हत्या कर दी। आरोपी महिला शव के साथ करीब 10 घंटे तक घर में ही बैठी रही। पुलिस पुछताछ कर रही है।

सोमवार सुबह खुद पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुला लिया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से हत्या में प्रयोग किया गया चाकू व अन्य साक्ष्य एकत्र किए। इंजीनियर आरोपी महिला के साथ लिव-इन में रहता था। महिला व उसकी दो नाबालिग बेटियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। देवरिया जिले का मूल निवासी सूर्य प्रताप सिंह (35) एवरेडी कंपनी में इंजीनियर था। कुछ दिन पहले तक वह जानकीपुरम में परिजनों के साथ रहता था। जानकीपुरम इलाके में ही महिला रत्ना सिंह अपनी दो बेटियों के साथ भी रहती थी। रत्ना के पति की मौत करीब छह वर्ष पहले हो गई थी। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया कि सूर्य प्रताप ट्यूशन पढ़ाने के लिए रत्ना (46) के घर जाता था। इसी बीच सूर्य प्रताप ने बीबीडी स्थित सालारगंज इलाके में घर बनवा लिया। वह रत्ना के साथ सालारगंज वाले घर में लिव-इन में रहने लगा, साथ में रत्ना की दो नाबालिग बेटियां भी रहती थीं।

दुपट्टे से मुंह ढकी आरोपी महिला से पूछताछ करते लोग। अमृत विचार

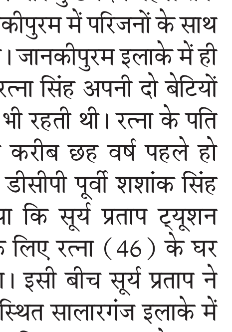

मृतक सूर्य प्रताप की फाइल फोटो

फर्जी मुकदमा लिखवाने के दोषी को कैद

विधि संवाददाता, लखनऊ

एससी/एसटी एक्ट मामला

जमीनी विवाद के चलते एससी/एसटी एक्ट का फर्जी मुकदमा लिखवाने के मामले में दोषी करार दिए गए विकास कुमार को एससी/एसटी एक्ट के विशेष न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने पांच वर्ष की कैद की सजा सुनाई है। साथ ही दोषी पर दस हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

सरकारी वकील अरविंद मिश्रा ने बताया कि दोषी विकास कुमार ने 29 जून 2019 को थाना पीजीआई में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि उसकी जमीन पर कब्जा करने की नियत से आरोपी ओम शंकर यादव, अरुण कुमार, नीतू यादव व अखिलेश पाल आए व वादी को धमकाया, जाति सूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। विवेचना के दौरान मामला फर्जी पाया गया। यह भी बताया की दोषी विकास के परिवार की जमीन पर बैंक से कर्ज लिया गया था। जब बैंक का कर्जा अदा नहीं किया गया तो बैंक वालों ने उसकी जमीन की नीलामी कर दी थी। जमीन के विवाद मे उसके भांजे की हत्या तक कर दी गई थी। जिसके संबंध में कोर्ट में मुकदमा विचाराधीन है। आरोपी ओमशंकर कोर्ट में उस मुकदमे की पैरवी कर रहा था। कोर्ट में चल रहे मुकदमों में आरोपी ओम शंकर पैरवी न कर सके, इसलिए दोषी ने झूठा मुकदमा दर्ज कराया था। घटना फर्जी पाए जाने के बाद विवेचना अधिकारी ने 26 दिसम्बर 2019 को कोर्ट में अंतिम रिपोर्ट दाखिल की थी। कोर्ट ने सबूत के आधार पर आरोपी विकास को एससी-एसटी एक्ट के प्रावधानों का दुरुपयोग करने का दोषी पाया और आरोपी के विरुद्ध प्रकीर्णवाद दर्जकर सजा सुनाई।

नीट पीजी की दूसरी काउंसिलिंग 10 से

लखनऊ, अमृत विचार : यूपी नीट पीजी की दूसरी काउंसिलिंग 10 दिसंबर से शुरू होगी। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक डॉ. अपर्णा यू ने बताया कि दस्तावेजों के सत्यापन के बाद 15 दिसंबर को मेरिट सूची जारी की जाएगी। 15 दिसंबर से ही अभ्यर्थियों को मेरिट क्रम के अनुसार 19 दिसंबर तक रिक्त सीटों को ध्यान में रखकर प्राथमिकताएं भरनी होंगी। इसके बाद 20 दिसंबर को सीट आवंटन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। आवंटित सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया 22 दिसंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर तक चलेगी।

वोटर लिस्ट में नहीं चाहिए घुसपैठिया लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/मुरादाबाद

- मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद, मेरठ और आगरा मंडल में एसआईआर को लेकर कसे पेंच
- भाजपा नेताओं को फर्जी नाम हटवाने और सही जुड़वाने का सौंपा मिशन

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मुरादाबाद, मेरठ और आगरा मंडल में एसआईआर को लेकर संगठन के पेंच कसे। उन्होंने जिलों से आए जनप्रतिनिधियों से लेकर पदाधिकारियों को एक सूत्री टास्क सौंपा कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हर हाल में बाहर होना चाहिए। एसआईआर में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फर्जी वोटरों के नाम हटवाने और सही वोटरों को जोड़ने का काम में पूरी शिद्दत से जुटें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सबसे पहले मुरादाबाद के सर्किट हाउस में मंडल के सभी जिलों से आए भाजपा मंत्रियों, जनप्रतिधियों और पदाधिकारियों के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की सुस्त रफ्तार को लेकर समीक्षा की। बैठक में अफसरों को शामिल होने की इजाजत नहीं थी। इस दौरान मंडल के जिला प्रभारियों और जिलाध्यक्षों ने विकास की योजनाओं और एसआईआर की प्रगति के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि एसआईआर में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। घुसपैठिया फर्जी वोटरों पर विशेष फोकस रखें। फर्जी वोटरों के नाम हटवाने और सही वोटरों को जोड़ने का काम समय पर करें। बांग्लादेशी घुसपैठिये किसी कीमत पर वोटर नहीं बनने चाहिए। पार्टी के जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी लापरवाही न बरतें। मतदाता सूची 2003 के अनुसार मृत और फर्जी वोटरों के नाम कटवाएं। इसके लिए पार्टी के पदाधिकारियों को कार्यकर्ताओं के साथ टोली बनाकर घर-घर जनसंपर्क करना होगा। इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी लें।

शादी में कम, जनता में ज्यादा जाएं : मुख्यमंत्री

गाजियाबाद में नेहरू नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में मुख्यमंत्री ने मेरठ मंडल के जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जहां कार्य अटका हो, उसे तत्काल शासन को बताएं। जनप्रतिनिधि शादी-ब्याह में कम जाएं और जनता के बीच अधिक समय दें। गाजियाबाद की कुछ विधानसभाओं में एसआईआर की धीमी प्रगति देखकर मुख्यमंत्री ने असंतोष भी जताया और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। आगरा के आयुक्त सभागार में आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों के साथ करीब दो घंटे हुई बैठक में मुख्य फोकस एसआईआर ही रहा।

वार मेमोरियल में बिछा रह गया रेड कार्पेट

मुरादाबाद नगर निगम ने मुख्यमंत्री को निर्माणाधीन वार मेमोरियल दिखाने की व्यापक तैयारी की थी। पूरा क्षेत्र सजाया गया, रेड कार्पेट तक बिछाया गया, लेकिन तय कार्यक्रम में बदलाव के कारण सीएम वहां नहीं पहुंचे। सारे इंतजाम धरे के धरे रह गए।

संविदा चालकों-परिचालकों का जनवरी 2026 से बढ़ेगा मानदेय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने संविदा चालकों और परिचालकों के लिए मानदेय बढ़ोतरी और कई नई प्रोत्साहन योजनाओं का बड़ा ऐलान किया है। नोएडा, एनसीआर व बॉर्डर क्षेत्रों में 10 पैसे प्रति किमी की बढ़ोत्तरी की गयी है। उन्होंने बताया कि 1 जनवरी 2026 से परिवहन निगम संविदा कर्मचारियों को पुनरीक्षित दरों पर मानदेय का भुगतान शुरू करेगा।

उप्र.राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबन्ध निदेशक प्रभु नारायण सिंह ने बताया कि नोएडा क्षेत्र की नगरीय-ग्रामीण सेवाओं, एनसीआर (कौशांबी, साहिबाबाद, लोनी) और गोरखपुर क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े सोनौली, सिद्धार्थनगर व महाराजगंज डिपो में तैनात संविदा चालक-परिचालक को अब 2.18 रुपये से बढ़ाकर 2.28 रुपये प्रति किमी मानदेय मिलेगा। इसके अलावा अन्य सभी क्षेत्रों में कार्यरत संविदा चालक-परिचालकों को 14 पैसे प्रति किमी मानदेय वृद्धि दी जाएगी। एक वित्तीय वर्ष में 288 दिनों की ड्यूटी और 66000 व 78000 किमी की यात्रा पूरी करनी होगी।

उत्कृष्ट प्रोत्साहन योजना भी लागू

प्रबन्ध निदेशक प्रभु एन सिंह ने बताया कि उत्कृष्ट प्रोत्साहन योजना में चालकों को 14,687 और 7,000 कुल 21,687 रुपये मिलेंगे, परिचालकों को 14,418 और प्रोत्साहन 7,000 रुपये कुल 21,418 रुपये दिए जाएंगे। योजना में चयन के बाद 24 दिन ड्यूटी और 6,000 किमी प्रति माह अतिरिक्त मिलेगा।

प्रोत्साहन राशि बढ़ी

प्रबन्ध निदेशक ने बताया कि 20 वर्ष पुराने संविदा चालकों 1500 रुपये मासिक प्रोत्साहन और 10 वर्ष पुराने संविदा चालक को 750 रुपये मासिक प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसके अलावा 24 दिन या अधिक ड्यूटी करने पर कम से कम 6,000 किमी संचालन करना होगा, 50 प्रतिशत लोड फैक्टर की अनिवार्यता होगी। उन्होंने बताया कि चयनिक कर्मियों को 4,000 रुपये का अतिरिक्त भुगतान किया जाएगा।

इंडिगो संकट 562 उड़ानें फिर रद्द, इंडिगो ने परिचालन सामान्य बनाने के लिए और उड़ानों को जोड़ने की घोषणा की

इंडिगो के खिलाफ सख्त कदम उठाएगी सरकार

नई दिल्ली/ मुंबई, एजेंसी

देशभर में उड़ानों के संचालन पर पैदा हुए गतिरोध के बीच इंडिगो ने सोमवार को भी छह प्रमुख हवाई अड्डों पर 562 उड़ानें रद्द कर दीं, जिनमें से 150 उड़ानें अकेले बेंगलुरु हवाई अड्डे पर रद्द की गईं।

यह संख्या नागर विमानन मंत्रालय द्वारा दिए गए अनुमानों से अधिक है, जिसने सोमवार को 500 उड़ानें रद्द करने के अलावा 1,802 उड़ानों के संचालन की योजना की जानकारी दी थी। इंडिगो ने सोमवार को रद्द की गई उड़ानों की संख्या अपनी तरफ से सार्वजनिक नहीं की। डीजीसीए के कारण बताओ नोटिस का जवाब देते हुए इंडिगो ने यात्रियों को हुई असुविधा एवं परेशानी पर क्षमा याचना की है। एयरलाइन ने अपनी उड़ानों के रद्द होने के बाद अपने परिचालन को सामान्य बनाने के लिए और उड़ानों को जोड़ने की घोषणा की।

राज्यसभा में सोमवार को नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि सरकार ने इंडिगो की बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द किए जाने के संबंध में जांच शुरू कर दी है और एयरलाइन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि अन्य एयरलाइनों के लिए मिसाल पेश की जा सके। उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान नायडू ने इंडिगो एयरलाइन को उसके रोजमर्रा के संचालन के दौरान चालक दल एवं ड्यूटी रोस्टर को प्रबंधित करने में विफल करार दिया। उन्होंने कहा कि हम इस स्थिति को हल्के में नहीं ले रहे हैं। हम एक जांच कर रहे हैं। नायडू ने एक टीवी चैनल से बातचीत में यह भी कहा कि सरकार इंडिगो के शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में कटौती करेगी और उन्हें अन्य संचालकों को आवंटित करेगी।

- सरकार ने कहा कि जांच शुरू कर दी है सख्त कार्रवाई होगी ताकि अन्य के लिए मिसाल पेश की जा सके

सुप्रीम कोर्ट ने कहा -इंडिगो संकट गंभीर मुद्दा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उड़ानों के रद्द होने के कारण उत्पन्न अव्यवस्था को गंभीर मामला बताया, लेकिन हस्तक्षेप करने से इनकार किया। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि लाखों लोग हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं, हालांकि शीर्ष अदालत ने इस मामले में न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया और कहा कि केंद्र ने इस मामले को सुलझाने के लिए कदम उठाए हैं। वहीं, दिल्ली उच्च न्यायालय में एक अलग याचिका का उल्लेख किया गया, जिसमें प्रभावित यात्रियों को सहायता और धन वापसी प्रदान करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने मामले की सुनवाई 10 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध कर दी।

17 जिलों में इंटीग्रेटेड ई-चालान प्रणाली शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश में मार्ग दुर्घटनाएं कम करने की कवायद तेज, एआई आधारित होंगे प्लेटफॉर्म

अमृत विचार: योगी सरकार सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ई-चालान प्रणाली को पूरी तरह एकीकृत और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बड़े कदम उठा रही है। ट्रैफिक पुलिस, परिवहन विभाग और एनआईसी के संयुक्त प्रयासों से ई-चालान पोर्टल का विस्तार, दुर्घटना डेटा विश्लेषण और वाहन बीमा एकीकरण जैसी योजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। मुख्य सचिव की बैठक में मंजूरी मिलने के बाद ई-चालान इंटीग्रेशन प्रक्रिया पहले चरण में 17 जिलों में लागू कर दी गई है। इसमें ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग के सभी चालान एक ही पोर्टल पर उपलब्ध होंगे। इससे डिफॉल्टर वाहन चालकों की पहचान आसान होगी और त्वरित कार्रवाई संभव होगी। शेष जिलों में भी यह प्रणाली जल्द लागू की जाएगी।

परिवहन विभाग वाहन और सारथी एप, ई-डार, आई-रैड और ई-चालान पोर्टलों को एकीकृत करते हुए एआई आधारित प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है। इसके साथ ही दुर्घटना डेटा संग्रह और विश्लेषण के लिए ऑनलाइन डैशबोर्ड भी विकसित किया जा रहा है। ई-डार और आई-रैड ऐप के माध्यम से सभी जिलों में दुर्घटनाओं और चालानों की रियल टाइम डेटा फीडिंग शुरू हो गई है, जिसके आधार पर सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।

ई-चालान को बीमा से जोड़ने की तैयारी : सरकार ई-चालान को वाहन बीमा से जोड़ने की दिशा में भी काम कर रही है। प्रस्ताव है कि पांच से अधिक चालानों पर बीमा प्रीमियम बढ़ाया जाए, ताकि अनुशासनहीन ड्राइविंग पर अंकुश लगे और दुर्घटना के बाद मुआवजा प्रक्रिया तेज हो सके। बीमा कंपनियों ने इस दिशा में सहमति दी है, हालांकि अंतिम निर्णय आईआरडीएआई लेगा।

मखाना की खेती में बिहार के मुकाबले उतरेगा यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश सरकार ने लखनऊ में की मखाना विकास योजना की शुरुआत की घोषणा
- कार्ययोजना के लिए केंद्र सरकार ने 158 लाख रुपये जारी किए
- कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, गाजीपुर, बलिया, महाराजगंज, वाराणसी, बस्ती मखाना की खेती के लिए सर्वोत्तम बताए गए

जानकारी देते उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश मखाना की खेती में बिहार के मुकाबले उतरने को कमर कसने जा रहा है। राज्य सरकार ने मखाना विकास योजना की शुरुआत दी है। हालांकि वर्तमान में भारत में सर्वाधिक मखाना बिहार राज्य में पैदा होता है, जो देश के कुल उत्पादन का 80-90 प्रतिशत हिस्सा है।

दरअसल, भारत सरकार ने वर्ष 2025 में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का गठन किया और प्रथम चरण में 10 राज्यों में योजना लागू की, जिसमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है। इसी कड़ी में वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना को केंद्र सरकार ने स्वीकृति दी है और 158 लाख रुपये भी जारी किए हैं।

चूंकि मखाना एक सुपरफूड है, जिसकी बाजार में उच्च मांग है। यह ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों ने उत्तर प्रदेश की जलवायु को मखाना उत्पाद के लिए उपयुक्त पाया है। पूर्वांचल के कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, गाजीपुर, बलिया, महाराजगंज, वाराणसी, बस्ती जिले मखाना की खेती के लिए सर्वोत्तम बताए गए हैं। इन जिलों को मखाना उत्पादन के लिए अत्यंत अनुकूल इसलिए भी माना गया, क्योंकि जहां सिंघाड़े की खेती संभव है, वहां मखाना उत्पादन भी अत्यंत सफल रहेगा। अगले वित्तीय वर्ष से विभाग मखाना की खेती के क्षेत्र का विस्तार, गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री का उत्पादन और प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन गतिविधियों को और व्यापक स्तर पर शुरू करने जा रहा है।

राज्य सरकार की मंशा है कि मखाना विकास योजना उत्तर प्रदेश के किसानों को उच्च मूल्य वाली फसलों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करने का महत्वपूर्ण माध्यम बने।

बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मखाना

उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि केन्द्र से मिली धनराशि से मखाना खेती के लिए तालाबों का चयन व निर्माण, किसानों की ट्रेनिंग प्रोग्राम, बायर-सेलर मीट, प्रचार-प्रसार, एक्सपोटर्स की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में भागीदारी और सेमिनार जैसे कार्यक्रम कराए जाने हैं। साथ ही सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मखाना की स्थापना की दिशा में भी कदम बढ़ा दिए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

बिपिन रावत ऑडिटोरियम का उद्घाटन आज

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को गोरखपुर के सैनिक स्कूल में देश के पहले सीडीएस स्व. जनरल बिपिन रावत की स्मृति में बने आधुनिक ऑडिटोरियम का उद्घाटन करेंगे। 1000 से अधिक सीटों वाले इस ऑडिटोरियम का निर्माण राज्य सरकार ने सैनिक स्कूल प्रोजेक्ट के तहत कराया है। कार्यक्रम में जनरल रावत की प्रतिमा का अनावरण तथा उनके जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी होगा। इस आयोजन में असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लाखेड़ा, पूर्व एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया और रावत परिवार के सदस्य भी मौजूद रहेंगे। दोपहर बाद मुख्यमंत्री नरकटहा, पिपरौली में पावरग्रिड के सीएसआर फंड से 16 करोड़ रुपये से बने राजकीय आईटीआई का लोकार्पण करेंगे।

एमपी शिक्षा परिषद का मुख्य महोत्सव कल

अमृत विचार, लखनऊ : महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह का मुख्य महोत्सव बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे और मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर शिक्षा परिषद की संस्थाओं, शिक्षकों, कर्मचारियों और मेधावी विद्यार्थियों को ट्रॉफी, पदक व नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इंटर, स्नातक और परास्नातक के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में स्वर्गीय प्रो. यूपी सिंह पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी होगा। परिषद की स्थापना 1932 में महंत दिग्विजयनाथ ने की थी। 4 दिसंबर को शुरू हुए संस्थापक सप्ताह का समापन 10 दिसंबर को उत्कृष्ट प्रतिभाओं के सम्मान के साथ होगा।

दक्षिण भारतीय प्रतिनिधियों ने की यूपी की प्रशंसा

अमृत विचार, लखनऊ : काशी तमिल संगमम-4 में पहुंचे दक्षिण भारत के प्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश की गुड गवर्नेंस, सुरक्षा व्यवस्था और तीव्र विकास कार्यों की खुलकर सराहना की। चेन्नई की मोनालीसा ने कहा कि योगी जैसा मुख्यमंत्री हमारे राज्य में होता तो हमारा शहर और अधिक विकसित होता। प्रतिनिधियों ने महिला सुरक्षा के इंतजाम को उत्कृष्ट बताया। पुडुचेरी के पृथ्वीराज ने कहा कि काशी का हेरिटेज संरक्षण और सौंदर्यीकरण अद्भुत है। तिलकवदी ने सड़क, यातायात और स्वच्छता में आए बड़े बदलावों को स्पष्ट और प्रभावशाली बताया। प्रतिभागियों ने योगी सरकार के कार्यों को 10 में 10 नंबर दिए।

एसआईटी करेगी कफ सिरप तस्करी की जांच

आईजी स्तर का अधिकारी होगा एसआईटी का प्रभारी, वित्तीय लेन-देन व गिरोह के नेटवर्क की जांच का जिम्मा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ : लोक भवन में कार्रवाई को लेकर जानकारी देते प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी राजीव कृष्ण व एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब। अमृत विचार

अमृत विचार : फेंसेडिल कफ सिरप व कोडीन युक्त सिरप तस्करी गिरोह के नेटवर्क व फर्जी दस्तावेजों पर बने मेडिकल फर्म की जांच एसआईटी करेगी। प्रदेश स्तरीय एसआईटी के गठन की तैयारी की जा रही है। जल्द ही एसआईटी के सदस्यों व प्रभारी की घोषणा कर दी जाएगी। इसका प्रभारी आईजी स्तर का अधिकारी होगा। एसआईटी वर्तमान में चल रही जांचों की नियमित समीक्षा भी करेगी। साथ ही वित्तीय लेनदेन की जांच करेगी। इसमें दोषी पाए गये लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी राजीव कृष्ण व एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में दी।

प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने बताया कि एसआईटी सारे तथ्यों को जुटाएगी। हर बिन्दु पर जांच कर अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी। डीजीपी ने कहा कि सिरप को मेडिकल इस्तेमाल की जगह नशे में प्रयोग के लिए तस्करी करने में जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देश है कि इसमें जीरो टालरेंस नीति अपनाई जाए।

सिरप प्रतिबन्धित नहीं, नशे के लिए किया गया प्रयोग : एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब ने कहा कि प्रदेश में 279 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इसके बाद 28 जिलों में 128 एफआईआर की जा चुकी है। ये सारी एफआईआर कोडीन युक्त सिरप का नशे के तौर पर इस्तेमाल कराने के लिए की गई है। इसके अलावा फर्जी फर्म और मेडिकल फर्म का लाइसेंस निरस्त होने के बाद भी दवा कंपनियों द्वारा इन्हें सप्लाई करने के मामले में भी कार्रवाई की गई है। फेंसेडिल, न्यू फेंसेडिल अथवा अन्य सिरप पर किसी तरह का प्रतिबन्ध नहीं लगाया गया है। छोटे दुकानदारों को परेशान न करने के निर्देश टीम को दिए जा चुके हैं।

अब तक 31 गिरफ्तार, तीन लाख से अधिक का माल बरामद

डीजीपी राजीव कृष्ण के मुताबिक इस मामले में पूरे प्रदेश में कुल 31 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। इसमें मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल के पिता भी शामिल है। अब तक इस मामले में हेमंत पाल, ब्रजमोहन शिवहरे, रामगोपाल धाकड़, सौरभ त्यागी, शादाब, शिवकान्त उर्फ शिव, सन्तोष भडाना, अम्बुज कुमार, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, दीपू यादव, सुशील यादव, धर्मेन्द्र कुमार विश्वकर्मा, पवन गुप्ता, शैलेन्द्र आर्या, विभोर राणा, विशाल सिंह, बिट्टू कुमार, सचिन कुमार, अमित कुमार सिंह उर्फ अमित टाटा, आलोक प्रताप सिंह, रूपम राय, दिवाकर सिंह, अब्दुल कादिर, रहमान नूरी, नीरज कुमार दीक्षित, अली सरीम मेकरानी, मोहम्मद आफताब, भोला प्रसाद जायसवाल, विशाल जायसवाल, बादल आर्या एवं आजाद सिंह शामिल है। आरोपियों के पास से तीन लाख रुपये का माल बरामद किया गया है।

सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाह

डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि सोशल मीडिया पर इस प्रकरण को लेकर कई तरह की अफवाहें फैलाई जा रही हैं। भ्रामक खबरें दिखाई जा रही हैं। किसी भी मेडिकल स्टोर के मालिक को सिर्फ इस सिरप की बिक्री को लेकर परेशान नहीं किया जा रहा है। अगर इसका इस्तेमाल नशे के तौर पर कराने के लिए इस सिरप की तस्करी की जा रही है तो वह अपराध की श्रेणी में आएगा। ऐसे ही लोगों पर कार्रवाई की जा रही है।

कफ सिरप मामले में जेल वार्डन निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बर्खास्त सिपाही व तस्कर का है करीबी

अमृत विचार: फेंसेडिल कफ सिरप मामले में डीजी जेल पीसी मीणा ने वार्डन महेंद्र प्रताप सिंह को निलंबित कर दिया है। उसके खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने के आदेश दिए हैं। महेंद्र के बर्खास्त सिपाही आलोक प्रताप सिंह और तस्कर अमित सिंह टाटा से करीबी रिश्ते थे। दोनों के साथ सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें भी वायरल हुई। वहीं जांच में सामने आया कि जेल वार्डन के खाते में आलोक व अमित ने कई बार कफ सिरप तस्करी के रुपये भी मंगाए थे। पुलिस के मुताबिक, जांच एजेंसियों ने जब कड़ियां जोड़नी शुरू की तो महेंद्र शुभम जायसवाल, अमित सिंह टाटा और आलोक प्रताप सिंह का काफी करीबी निकला। आलोक और अमित लखनऊ जिला जेल में बंद है। वहीं पर महेंद्र प्रताप सिंह भी तैनात है। जेल में इन दोनों को सुविधा भी मुहैया कराने में महेंद्र ने पूरे प्रयास किये। जेल प्रशासन ने उसकी भूमिका और संभावित साठगांठ की जांच शुरू कर दी है। महेंद्र के निलंबन के बाद अब जेल में आलोक पर निगरानी और बढ़ा दी गई है।

मास्टरमाइंड के प्रत्यर्पण की कार्यवाही शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डीजीपी बोले- शुभम को भारत लाने की औपचारिकताएं की जा रही पूरीं

अमृत विचार: फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी कर करोड़ों रुपये डकारने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल दुबई भाग गया है। उसके प्रत्यर्पण की तैयारी पुलिस व एसटीएफ की टीम कर रही है। इसके लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। दुबई इस तरह के मामलों में पूरा सहयोग करता है। दुबई में छिपे शुभम के साथ उसके साथियों को भी कार्रवाई की जद में लाया जाएगा। यह जानकारी डीजीपी राजीव कृष्ण ने दी।

डीजीपी के मुताबिक, पिछले साल फरवरी में फेंसेडिल सिरप की बड़े पैमाने पर तस्करी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में पकड़ी गई थी। इसके बाद जांच हुई तो विभोर राणा और विशाल को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया। इन लोगों ने पूरे नेटवर्क का खुलासा किया, तब पहली बार वाराणसी निवासी शुभम जायसवाल का नाम सामने आया। जांच के दौरान ही अमित टाटा, फिर बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह की गिरफ्तारी से पूरा खेल ही सामने आ गया।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि शुभम को भारत लाने की प्रक्रिया की जा रही है। कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। नेपाल और बांग्लादेश में सिरप की तस्करी की गई डीजीपी ने साफ किया कि कुछ फर्मों ने फर्जी ई-बिल के जरिए कई प्रदेशों में ही नहीं बल्कि नेपाल और बांग्लादेश तक इस सिरप की तस्करी की। इसके साक्ष्य भी मिल चुके हैं। इस तस्करी में लिप्त हर आरोपी को कार्रवाई के दायरे में लाया जाएगा। शैली ट्रेडर्स के जरिए सबसे ज्यादा सप्लाई की गई एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब ने बताया कि शैली ट्रेडर्स ने सबसे ज्यादा इस सिरप की सप्लाई की। उन्होंने कहा कि औषधि निरीक्षकों ने हिमाचल प्रदेश की दो, उत्तराखंड की तीन कोडीनयुक्त कफ सिरप के निर्माता, पानीपत की एक और रांची की एक फर्म के क्रय-विक्रय का ब्योरा जुटाया। इसमें कई फर्मों ने फर्जी दस्तावेज और फर्जी ई-बिल से कोडीन युक्त सिरप की सप्लाई की। इन सभी को कार्रवाई के दायरे में लाया जा रहा है।

बीज प्रमाणीकरण न कराने वाले एफपीओ से होगी वसूली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कृषि मंत्री ने लापरवाह अधिकारियों को लगाई फटकार

अमृत विचार: राज्य सरकार की जानकारी में आया है कि 24 कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) ने अब तक 80,960 क्विंटल बीज का उत्पादन और उसका विक्रय उप्र. बीज विकास निगम को कर दिया है। लेकिन तमाम ऐसे भी हैं, जो आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन नहीं कर रहे हैं, और साथ ही उन्हें सख्त निर्देश भी दिए गए।

इसी कड़ी में 27 एफपीओ ऐसे भी सामने आए, जिनके द्वारा अभी तक बीज प्रमाणीकरण संस्था में अपना पंजीकरण नहीं कराया गया है। कृषि मंत्री ने इसका संज्ञान लेते हुए इन एफपीओ को चेतावनी दी कि पंजीकरण न कराने की स्थिति में सरकार द्वारा दिए गए अनुदान की वसूली की जाएगी। इसके अतिरिक्त, यह भी पाया गया कि 32 एफपीओ के उत्पादित बीज अब तक उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम द्वारा क्रय नहीं किए गए हैं, जिस पर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने संबंधित योजना अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि कृषि उत्पादक संगठनों को अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने किए जाने वाले आवश्यक कार्यों के प्रति किसी भी प्रकार की उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

20 उम्मीदवारों को मिला यूपी कैडर

सिविल सेवा परीक्षा 2024 : कैडर आवंटन सूची में बढ़ा वजन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 की कैडर आवंटन सूची में उत्तर प्रदेश की नौकरशाही का वजन बढ़ा नजर आ रहा है। इस वर्ष कुल 20 सफल उम्मीदवारों को यूपी कैडर मिला है। इनमें कई ऐसे नाम शामिल हैं, जो राज्य के बाहर से आते हैं। ऐसे में संदेश यह जाता कि यूपी प्रशासन में नए और प्रतिभाशाली अधिकारियों का बड़ा समूह शामिल होने जा रहा है। रोचक तथ्य यह है कि यूपी कैडर पाने वालों में हरियाणा, बिहार, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, राजस्थान और तमिलनाडु सहित कई राज्यों के उम्मीदवार शामिल हैं।

टॉपर शक्ति दुबे को मिला होम कैडर यूपी

यूपीएससी 2024 के ऑल इंडिया टॉपर शक्ति दुबे को उनका होम कैडर उत्तर प्रदेश मिला है। इस क्रम में अलग-अलग राज्यों से यूपी कैडर पाने वाले सभी नाम इस तरह हैं- शक्ति दुबे (टॉपर), कोमल पुनिया, मयंक त्रिपाठी, आदित्य विक्रम अग्रवाल (हरियाणा), हेमंत (बिहार), संस्कृति त्रिवेदी (बिहार), रिया सैनी (महाराष्ट्र), शिवांश सुभाष जागड़े (महाराष्ट्र), शिवम सिंह (यूपी), सनोली गौतम (उत्तराखंड), सिद्धार्थ सिंह (यूपी), श्वेता (यूपी), रेखा सियक (राजस्थान), आयुष जायसवाल, अपूर्वा सिंह, आयुष सैनी, मुकुल खंडेलवाल, थंगैयारासन टी (तमिलनाडु), संदीप कुमार और राम भरोसे सरन भी शामिल हैं।

आईएएस अफसर अनामिका सिंह ने मांगा वीआरएस

उत्तर प्रदेश में कार्यरत आईएएस अनामिका सिंह ने निजी कारणों से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया है। फतेहपुर की रहने वाली अनामिका वर्तमान में खाद्य आयुक्त के पद पर हैं। वह 2004 बैच की अधिकारी हैं और उनकी सेवाएं 2038 तक हैं। कुछ समय पूर्व उन्होंने केंद्र में जाने के लिए भी राज्य सरकार से एनओसी मांगी थी। सितंबर के महीने में ही उन्हें बरेली मंडल का मंडलायुक्त नियुक्त किया गया था। इससे पहले वह बरेली में सीडीओ के पद पर भी रह चुकी हैं।

मतदाता सूची बदलने का सपा ने लगाया आरोप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मऊ जिले के घोसी विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने मांग की है कि बीएलओ को अलग-अलग मतदाता सूचियां उपलब्ध कराए जाने की लापरवाही की जांच कर दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके।

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने सोमवार को आरोप लगाया है कि घोसी विधानसभा में वर्ष 2003 की मतदाता सूची के आधार पर मतदेय स्थल संख्या 75 पर शुरू में 488 मतदाता दर्ज थे, जबकि 7 दिसंबर 2025 को बीएलओ को दी गई सूची में इसी केंद्र पर 1318 मतदाता दर्ज पाए गए। बीएलओ पर दो दिन में सभी मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवाने और उन्हें बीएलओ ऐप में अपलोड करने का दबाव बनाया जा रहा है, जिससे 830 अतिरिक्त मतदाताओं के सत्यापन में मुश्किलें आ रही हैं। इसी प्रकार घोसी विधानसभा के अन्य मतदेय स्थलों पर भी इसी तरह 2003 की मतदाता सूची बदलकर बीएलओ को दूसरी सूची उपलब्ध कराई गई है।

तैयारी तेज | मेला 3 जनवरी से 15 फरवरी तक चलेगा, 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान

प्रयागराज माघ मेले का होगा विस्तार, बढ़ेंगी सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव ने की मेले की तैयारियों की समीक्षा

प्रयागराज में आयोजित होने वाले माघ मेला-2026 की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

अमृत विचार: प्रयागराज में लगने जा रहे माघ मेला में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। मेला 3 जनवरी से 15 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान बड़ी संख्या में आने वाले संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए इस बार मेले को और अधिक सुविधाजनक बनाने को व्यापक विस्तार किया जा रहा है।

स्नान घाट की लंबाई वर्ष 2024 के दो किलोमीटर से बढ़ाकर 2.8 किलोमीटर की जा रही है। सेक्टरों की संख्या 5 से बढ़ाकर 7, मेला क्षेत्रफल 750 हेक्टेयर से बढ़ाकर 800 हेक्टेयर, पार्किंग स्थल 30 से बढ़ाकर 42, पॉन्टून पुल 6 से बढ़ाकर 7 तथा संस्थाओं की संख्या 4599 से बढ़ाकर 4900 की जा रही है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सोमवार को प्रयागराज में आयोजित होने वाले माघ मेला-2026 की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। बैठक में मेला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई, विद्युत, स्वास्थ्य, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। मुख्य सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि माघ मेला से जुड़े सभी काम पूरे कर लिए जाएं। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्वच्छता और चिकित्सा के लिए खास व्यवस्थाएं : स्वच्छता के विशेष प्रबंध करते हुए मेला क्षेत्र में 23700 सामुदायिक शौचालय, 2000 यूरिनल, 6 सामुदायिक कंटेनर शौचालय, कूड़ा उठान के लिए 25 हॉपर-टिपर, 12 कॉम्पैक्टर तथा 8000 कूड़ेदान स्थापित किए जाएंगे। मेला क्षेत्र की साफ-सफाई और सैनिटेशन के कार्यों के लिए 3300 लोगों को 24 घंटे तैनात किया जाएगा। चिकित्सा व्यवस्था के अंतर्गत 20-20 शैय्या वाले दो अस्पताल, 12 प्राथमिक उपचार केंद्र, 50 एम्बुलेंस, 5 आयुर्वेदिक तथा 5 होम्योपैथिक चिकित्सालय 25 दिसंबर से क्रियाशील रहेंगे।

प्रवासी का गणना प्रपत्र यहां से न करें जमा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रवासी मतदाता फॉर्म-6ए भरकर बन सकते हैं मतदाता : रिणवा

अमृत विचार: चुनाव आयोग की हिदायत है कि किसी भी प्रवासी नागरिक का गणना प्रपत्र भरकर यहां से जमा न करें। गलती से भी यदि किसी ने ऐसे प्रवासी व्यक्ति का गणना प्रपत्र भरकर जमा कर दिया हो तो तत्काल अपने बीएलओ को इसकी जानकारी दें, नहीं तो बाद में शिकायत होने पर जांच में दोषी पाए जाने पर ऐसे व्यक्ति के खिलाफ कारवाई हो सकती है।

मुख्य निर्वाचन नवदीप रिणवा ने सोमवार को कहा कि प्रवासी मतदाता गणना प्रपत्र के स्थान पर फॉर्म-6ए भरकर मतदाता बन सकते हैं। ऐसे नागरिक फॉर्म-6A आयोग की वेबसाइट voters.eci.gov.in पर जाकर ऑनलाइन भी भर सकते हैं। नवदीप रिणवा ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ तीसरी बार बैठक कर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के सम्बंध में जानकारी दी और फीडबैक लिया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 97.3 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा कर लिया गया है।

4 आईएएस अधिकारी विशेष रोल प्रेक्षक नियुक्त

अमृत विचार, लखनऊ : भारत निर्वाचन आयोग ने प्रदेश में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की निगरानी के लिए केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में तैनात संयुक्त सचिव स्तर के 4 आईएएस अधिकारियों को विशेष रोल प्रेक्षक नियुक्त किया है। इसमें निखिल गजराज, जावड़ी वी. नागा सुब्रमण्यम, कुणाल और सिद्दार्थ जैन शामिल हैं। आयोग ने निखिल गजराज को सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद एवं अलीगढ़ मंडल, जावड़ी वी. नागा सुब्रमण्यम को लखनऊ, कानपुर, आगरा, बरेली, झांसी, चित्रकूट धाम तथा प्रयागराज मंडल, कुणाल को देवीपाटन, बस्ती, अयोध्या व वाराणसी मंडल और सिद्दार्थ जैन को आजमगढ़, गोरखपुर तथा मिर्जापुर मंडल का विशेष रोल प्रेक्षक बनाया है। ये सभी अधिकारी अपने मंडल के अन्तर्गत सभी जिलों में एसआईआर के कार्यों की निगरानी करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

देवी-देवताओं व धार्मिक पुस्तकों के अपमान के विरुद्ध याचिका निस्तारित

अमृत विचार, लखनऊ (विधि संवाददाता) : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने हिन्दू देवी–देवताओं व धार्मिक पुस्तकों के अपमान की घटनाओं को लेकर दाखिल याचिका को निस्तारित कर दिया है। कोर्ट ने याची संगठन को केंद्र व राज्य सरकार के समक्ष अपनी बात रखने को कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने हिन्दू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से दाखिल याचिका पर पारित किया। कोर्ट ने पाया कि याचिका में किसी एक घटना का जिक्र नहीं किया गया है। बल्कि तमाम घटनाओं को उदाहरण के तौर पर प्रस्तुत करते हुए प्रार्थना की गई है कि सरकारें ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाएं। कोर्ट ने कहा कि इस संबंध में कानून हैं जो ऐसी घटनाओं से निपटने में सक्षम हैं लेकिन यदि याची को लगता है कि वे प्रभावी नहीं हैं तो वह केंद्र व राज्य सरकार के समक्ष अपनी बात रख सकता है।

नाबालिग लातपा, युवक पर आरोप

अमृत विचार, काकोरी : काकोरी की रहने वाली एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराया है। आरोप है कि 13 वर्षीय नाबालिग बेटी 6 दिसंबर से लापता है। उसे एक युवक बहलाकर साथ ले गया है। पीड़िता के अनुसार नाबालिग पुत्री बिना बताए घर से 10 हजार रुपये नकद, जेवरों का एक सेट, झुमकी और पायल लेकर निकल गई। परिजनों की तलाश के दौरान पता चला कि वह नानामऊ बंथरा निवासी करन के साथ गई है। परिजन का आरोप है कि करन बहला–फुसलाकर भगा ले गया है। इंस्पेक्टर काकोरी सतीश चंद्र राठौर के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी लापता, रिपोर्ट

अमृत विचार, सरोजनीनगर : कृष्णा नगर में रहने वाली एक किशोरी सरोजनी नगर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। मूल रूप से बहराइच जिले और वर्तमान समय कृष्ण नगर थाना क्षेत्र में रहने वाली पीड़िता के मुताबिक उसकी 16 वर्षीय बहन सरोजनी नगर के नादरगंज स्थित एक कंपनी में काम करती थी। 2 नवंबर को वह कंपनी में काम करने गई थी, लेकिन शाम को घर वापस नहीं लौटी। पता चला कि उसे बाराबंकी का रहने वाला शिवम अपने साथ कहीं बहला फुसला कर भगा ले गया है । पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी और आरोपी की तलाश में जुट गई है।

ताला तोड़कर लाखों की चोरी

अमृत विचार, सरोजनीनगर : चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपए के जेवर और हजारों रुपए चोरी कर ली। मूल रूप से गोंडा निवासी कमालुद्दीन सरोजनी नगर के गौरी स्थित सिद्धार्थनगर में मकान बनाकर परिवार सहित रहते हैं। कमालुद्दीन के मुताबिक 3 दिसंबर को सुबह करीब 5 बजे वह परिवार सहित अपने पैतृक गांव गोंडा के बभनान गए थे। 6 दिसंबर को लौटे तो घर, अलमारी व संदूकों के ताले टूटे मिले। कमालुद्दीन के मुताबिक संदूक और अलमारी में रखे करीब 3 लाख रुपए कीमत के गहने और 35 हजार रुपये व टूटे पैसों से भरे दो गुल्लक गायब मिले। बाद में पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद पहुंची सरोजनी नगर पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली और सीसीटीवी कैमरों के सहारे चोरों का सुराग लगाने में जुट गई है।

फंदे से लटका मिला युवती का शव

अमृत विचार, गोसाईगंज : इलाके के जलौंदी नगर गांव में युवती ने कमरे में छत में लगे कुंडे से फंदा लगा लिया। इंस्पेक्टर गोसाईगंज दिलेश कुमार सिंह के अनुसार मृतका के पिता पप्पू यादव ने बताया कि उनकी बेटी आरती (21) मानसिक रोगी थी। जिसका नूर मंजिल से चल रहा था। बीमारी के चलते ही उसकी पढ़ाई बंद भी हो गई थी। सोमवार की सुबह आरती अपने परिजनों के साथ धूप में बैठी थी। मां मालती देवी मंदिर गई हुई थी। इसी बीच आरती उठी और कमरे में चली गई। कुछ देर बाद उसकी मां जब मंदिर से लौटकर आई तो देखा बेटी वहां नही थी। जिसके बाद वह कमरे में गई तो देखा आरती का शव छत में लगे कुंडे से फंदे के सहारे लटक रहा था। चीख पुकार सुनकर अन्य परिजन भी वहां पहुंच गए और घटना की सूचना पुलिस को दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका तीन भाइयों में अकेली थी। वहीं पुलिस का कहना है कि मृतका इससे पहले भी आत्महत्या करने की कोशिश कर चुकी है।

अपहरण कर किसान की हत्या, उन्नाव में जलाया शव

करोड़ों की जमीन हड़पने की साजिश, पांच गिरफ्तार एक आरोपी फरार

संवाददाता, निगोहां।

अमृत विचारः तीन सप्ताह पहले से लापता निगोहां के दखिना निवासी किसान शिव प्रकाश उर्फ कबीर का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। उसका शव उन्नाव के बीघापुर इलाके में जला दिया गया था। निगोहां पुलिस ने सोमवार को इस घटना खुलासा करते हुए प्रॉपर्टी डीलर समेत पांच को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, एक फरार आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है।

डीसीपी दक्षिणी आर वसंत कुमार ने बताया कि 19 नवंबर को दखिना गांव निवासी सुरेंद्र कुमार ने मित्र शिव प्रकाश उर्फ कबीर की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मोबाइल सर्विलांस में 15 नवंबर को शिव प्रकाश की लोकेशन पहले त्रिवेदीपुर (रायबरेली) फिर उन्नाव के पाटन गांव में मिली। पूछताछ के दौरान हाइवे किनारे एक पुरुष का अधजला शव मिलने की जानकारी मिली। परिजनों ने शव की शिनाख्त शिव प्रकाश के रूप में की। मामला हत्या में परिवर्तित कर जांच शुरू की गई। इसमें सामने आया कि शिव प्रकाश की मां सत्यवती के नाम करीब 44 बिसवा जमीन हाइवे के किनारे थी। करोड़ों की ये जमीन पावर आफ अटार्नी के जरिए सत्यवती के बड़े बेटे भाई शिव सहाय ने वर्ष 2019 में सुजीत श्रीवास्तव और आशीष यादव को बेच दी थी। शिव प्रकाश ने सौदे पर आपत्ति जताते हुए कोर्ट में मुकदमा दायर कर दिया। सुजीत व आशीष ने जमीन एक प्लाटिंग कंपनी को भारी रकम में बेच दी थी।

मृतक शिव प्रकाश।

उन्हें आशंका थी कि शिव प्रकाश मुकदमा जीत गया तो जमीन और पैसा दोनों लौटाने पड़ेंगे। इसी डर में हत्या की साजिश रची गई। एसीपी मोहनलालगंज विकास पांडेय ने बताया कि दोनों स्विफ्ट डिजायर कारों में पहुंचे शिव प्रकाश को जबरन कार में बैठा ले गए। सीसी कैमरों से बचने के लिए सुनसान रूट चुना। भवरेश्वर मंदिर मार्ग की तरफ बढ़ते हुए कार के अंदर ही हाथ-पैर पकड़कर गला घोंट दिया। इसके बाद शव को उन्नाव जिले के बीघापुर क्षेत्र में हाइवे किनारे एक खाई में फेंक कर पेट्रोल डालकर जला दिया। मोबाइल फोन और सिम तोड़कर रास्ते में फेंक दिए गए।

निगोहां पुलिस की गिरफ्त में हत्या के आरोपी।

फर्जी आईडी पर खरीदा मोबाइल व सिम

- मुख्य आरोपी सुजीत ने मृतक से जुड़े परिचितों की आइडी का इस्तेमाल कर सतीश के नाम से मोबाइल नंबर व सिम खरीदे। उन्हीं नंबरों से आरोपित दिलीप ने लगातार बातचीत कर शिव प्रकाश से नजदीकियां बढ़ाईं। 15 नवंबर को लालपुर टावर के पास मिलने का झांसा देकर उसे बुलाया गया।

स्कूटी सवार युवक को बेहोश कर लूटा, नाली किनारे फेंका

संवाददाता, पीजीआई

- लूटकर भागते बदमाश सीसीटीवी कैमरे में हो गए कैद

अमृत विचारः पीजीआई के तेलीबाग में कपड़े खरीदने निकला एक युवक कुछ ही देर बाद नाली किनारे बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। बदमाश उसे मारकर गिराते और लूटकर भागते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। घटना ने इलाके में दहशत फैला दी है। आरोपी की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

तेलीबाग, द्वारकापुरी निवासी सौरभ रविवार शाम करीब आठ बजे छुट्टी के दिन स्कूटी से कपड़े खरीदने निकले थे। परिवार वालों के अनुसार, थोड़ी ही देर बाद वह घर से कुछ दूर एक गली के पास नाली किनारे बेसुध हालत में पड़े मिले। उनके पास मौजूद 13 हजार रुपये नकद, मोबाइल और चांदी का ब्रेसलेट गायब थे।

परिवार ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में दो–तीन युवक स्कूटी से सौरभ को मारकर गिराते, फिर घसीटकर नाली किनारे फेंकते हुए दिखाई दे रहे हैं। होश में आने पर सौरभ ने बताया कि सपोर्ट गंज के पास कुछ युवकों ने उन पर हमला किया। उन्हें याद नहीं कि कैसे बेहोश हुए, लेकिन सिर में चोट है। घटना के बाद पीजीआई पुलिस सक्रिय हो गई। सीसीटीवी में कैद एक युवक की पहचान कर ली गई है और उसकी तलाश में दबिशें दी जा रही हैं। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों की तलाश जारी है।

चमगादड़ों का शिकार करने वाले दो गिरफ्तार

अमृत विचार, मलिहाबाद : रहीमाबाद पुलिस ने चमगादड़ों का शिकार करने वाले दो युवकों को रविवार रात दरोगा चक्की चौराहे के पास से गिरफ्तार किया है। उनके पास से बोरी में भरे मृत 22 चमगादड़, एक शिकारी जाल, बाइक और रस्सी बरामद की गई।

इंस्पेक्टर रहीमाबाद अरुण त्रिगुणायत के मुताबिक ससपन के राहुल और भिखारीखेड़ा के विशाल कुमार को गिरफ्तार कर वन विभाग को सूचना दी गई। डिप्टी रेंजर देवेश परांजपे मौके पर पहुंचे।

उन्होंने बताया कि बरामद चमगादड़ "फ्लाइंग फॉक्स" प्रजाति के हैं। ये वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत संरक्षित हैं। इनका शिकार करना कानूनन अपराध है। एसआई धरणीधर राय की तहरीर पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज किया गया। दोनों को कोर्ट में पेश किया गया । जहां से जेल भेजा गया।

ससुराल की प्रताड़ना से तंग पेंट कारोबारी ने फंदे से लटक दी जान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ।

- नाका के रानीगंज की घटना, ससुरालवालों पर एफआईआर दर्ज
- शादी के बाद से पत्नी से चल रहा था विवाद, पत्नी को भेजा अंतिम मैसेज

अमृत विचारः नाका के रानीगंज में ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग आकर सोमवार को पेंट कारोबारी प्रखर गुप्ता ने फंदे से लटक कर जान दे दी। परिजन ने शव लटका देख पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। इंस्पेक्टर नाका श्रीकांत राय ने बताया कि मां सुनीता गुप्ता की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है।

इंस्पेक्टर ने बताया कि मृतक प्रखर गुप्ता पेंट का काम करते थे। घर के पास में ही उनकी दुकान थी। मां सुनीता ने बताया कि करीब चार वर्ष पूर्व प्रखर ने शादी घर के पास रहने वाले प्रिया से प्रेम विवाह किया था। शादी के कुछ महीनों बाद से दोनों में विवाद हुआ था अलग-अलग रहने लगे थे। दोनों में मीडिएशन चल रहा था। मां ने बताया कि प्रखर सुलह करना चाहता था, लेकिन ससुराल वाले लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। रविवार रात को वह रोते हुए घर पहुंचा तो मां ने पूछा। इसपर उसने कहा कि पत्नी प्रिया व उसके पिता ओम प्रकाश गुप्ता मिले थे। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द स्टे खत्म हो जाएगा। इसके बाद सब जेल जाओगे। इसपर प्रखर ने पत्नी प्रिया से सब खत्म करते हुए सुलह करने के लिए कहा, तो उसने कहा नाटक मत करो। उसे साथ में नहीं रहना है। उसे छोड़ दे, तो कहा वह अकेला लड़का है। जेल चला जाएगा तो परिवार बिखर जाएगा। आरोप है कि इसपर प्रिया ने कहा कि मर जाओ। मां ने बताया कि बेटे को काफी समझाया और फिर खाना खाने को दिया। इसके बाद प्रखर अपने कमरे में चला गया। सोमवार सुबह 11 बजे तक वह नीचे आ जाता था, लेकिन नहीं आया तो ऊफर जाकर दरवाजा खटखटाया, तो खुला नहीं। परिवार के अन्य सदस्यों की मदद से दरवाजा तोड़ा तो प्रखर को फंदे से लटकता पाया। यह देख मां बेसुध होकर गिर पड़ी। इंस्पेक्टर ने बताया कि मां की तहरीर पर पत्नी प्रिया, ससुर ओम प्रकाश गुप्ता समेत अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है।

घर आकर की थी पिटाई

- मां सुनीता ने बताया कि बीती 23 अक्टूबर को घर पर सभी लोग मौजूद थे। तभी प्रखर के ससुराल वाले दस से 12 से साथियों के साथ घर पहुंचे थे। उन्होंने विवाद के दौरान प्रखर की पिटाई की थी, जिसके बाद डायल 112 पर सूचना दी। सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को दिखाई, लेकिन उनका मुकदमा नहीं दर्ज किया गया। जबकि दूसरे दिन प्रखर समेत अन्य परिजन पर प्रिया की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया।

युवक का अपहरण पीटकर रुपये छीने

अमृत विचार, लखनऊ : पारा क्षेत्र में शुक्रवार को एक युवक का अपहरण कर उसे पीजीआई इलाके में ले जाकर बंधक बनाकर पीटा गया और उससे 10 हजार रुपये लूट लिए गए। पीड़ित को अधमरी हालत में छोड़ दिया गया। घटना की जानकारी पर पारा पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। हरदोई के सुरसा निवासी विवेक राज अपनी स्कूटी की सर्विस कराने पारा आए थे। सर्विस कराने के बाद जब वह बाहर निकले तो एक डाला चालक से साइड देने को लेकर उनका विवाद हो गया। डाला में सवार तीनों युवक नीचे उतर आए और विवेक की पिटाई शुरू कर दी। इसके बाद उसे जबरन डाला में बैठाकर अगवा कर लिया गया।

युवक का शव लावारिस छोड़कर फरार हुए एम्बुलेंस कर्मी

अमृत विचार, लखनऊ : कृष्णा नगर स्थित लोकबंधु अस्पताल में सोमवार सुबह एक निजी अस्पताल की एम्बुलेंस द्वारा युवक का शव लावारिस छोड़कर फरार होने का मामला सामने आया है। अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों में एम्बुलेंस कर्मियों की यह हरकत कैद हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को सूचित किया। मृतक की पहचान उसके मोबाइल फोन के आधार पर कर्मवीर सिंह (37) निवासी दरोगाखेड़ा, थाना सरोजनीनगर के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बरीगंवा बारावीरवा स्थित एक निजी एसकेडी अस्पताल में सुबह इलाज कराने पहुंचे युवक की अचानक तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल स्टाफ ने उसे अपनी एम्बुलेंस से पास के लोकबंधु अस्पताल रेफर किया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इसके बावजूद एम्बुलेंस कर्मियों ने मृत युवक को इमरजेंसी में छोड़कर मौके से भाग निकले। जामा तलाशी के दौरान मिले मोबाइल फोन से परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के परिवार में पत्नी अंजू, बेटा युवराज (13) और बेटी प्रज्ञा (10) हैं। वह हजरतगंज स्थित एक फाइनेंस कंपनी में कार्यरत था।

किसान पथ पर प्रधानाध्यापिका के विरुद्ध प्रदर्शन करते छात्र व छात्राएं।

प्रधानाध्यापिका के किया प्रदर्शन

संवाददाता, बख्शी का तालाब

- डीआईओएस को संबोधित ज्ञापन बीडीओ को सौंपा

अमृत विचार : रैथा रोड़ पर स्थित राजकीय इंटर कॉलेज के छात्र - छात्राओं ने सोमवार को शिवखड़ गांव के सामने किसान पथ के पास प्रदर्शन किया। सैरपुर व बीकेटी पुलिस के समझाने पर शाम करीब 3 बजे जिला विद्यालय निरीक्षक को संबोधित ज्ञापन बीडीओ को देकर प्रधानाध्यापिका को कॉलेज से हटाने की मांग की।

प्रधानाध्यापिका शीला चौहान की कार्यशैली से नाराज छात्र छात्राओं ने सोमवार सुबह 10 बजे कॉलेज के गेट पर नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेताओं के साथ तहसील जा रहे थे। रास्ते में किसान पथ स्थित शिवखड़ गांव के सामने प्रदर्शन शुरू कर दिया।

प्रदर्शनकारी छात्र-छात्राओं का आरोप है कि प्रधानाध्यापिका ने सोमवार सुबह बेवजह कक्षा छह के छात्र आदर्श को पीट दिया गया। उसके चेहरे पर उंगलियों के निशान छप गए। कॉलेज में साइकिल पार्किंग के लिए स्थान सुनिश्चित नहीं है। छात्र कहीं साइकिल खड़ी करते हैं तो तो प्रधानाध्यापिका पीट देती हैं। छात्र - छात्राओं से घास छिलवाने के साथ झाड़ू लगवाई जाती है। लड़कियों के वॉशरूम में ताला डाल दिया जाता है। लड़कियों को लड़कों के वॉशरूम में जाना पड़ता है। इस संबंध में प्रधानाध्यापिका ने कहा कि बाहरी तत्व आकर विद्यालय के बच्चों को बहकाते हैं, उन्हें रोका गया तो उन्होंने ही यह उत्पात किया है। किसी बच्चे को मारपीटा नहीं गया, यह झूठ है। बल्कि उस बच्चे के गाल पर पहले से ही कुछ दिक्कत थी। जहां तक बच्चों से झाड़ू लगवाने या घास कटवाने का आरोप है यह आज के समय में कौन करेगा। वॉशरूम भी हमेशा खुला रहता है।

महिला से 2.93 लाख की ऑनलाइन ट्रेडिंग ठगी

अमृत विचार, लखनऊ : पीजीआई के तेलीबाग स्थित अंबेडकरपुरम में रहने वाली गायत्री यादव एक संगठित ऑनलाइन ठगी गिरोह का शिकार हो गईं। जानकारी के अनुसार, अगस्त से उनके पास लगातार प्रवीन कुमार शर्मा नाम का व्यक्ति फोन कर रहा था, जो खुद को 'फाल्कन ट्रेडर्स' का एक्ज़िक्यूटिव बताकर ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का लालच दे रहा था।

गायत्री के मुताबिक सितंबर में आरोपी ने 'फाल्कन ट्रेडर्स' नाम का एक ऐप डाउनलोड करवाकर 25,000 रुपये से ट्रेडिंग शुरू करने के लिए कहा। विश्वास में लेकर उसने अलग-अलग ट्रांजैक्शन में 25,000, 17,000, 4,000, 1,00,000 और 1,100 रुपये समेत कुल 2,93,000 रुपये इनवेस्ट करा लिए थे।

मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी बदमाश और साथी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एएनटीएफ और मोहनलालगंज पुलिस की संयुक्त टीम से रविवार रात हुई मुठभेड़
- नशीले पदार्थों की तस्करी गिरोह का प्रमुख सदस्य घायल बदमाश

अमृत विचारः एएनटीएफ और मोहनलालगंज पुलिस ने रविवार देर रात मुठभेड़ में नशीले पदार्थ तस्कर गिरोह का प्रमुख सदस्य घायल हो गया। पुलिस ने उसे और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया गया। घायल बदमाश पर 50 हजार रुपये का इनाम था। आरोपियों के पास से बाइक, तमंचा, दो खोखे, एक कारतूस और नकदी बरामद हुई है।

एएनटीएफ ने मोहनलालगंज पुलिस को रविवार देर रात सूचना दी कि कंकाहा चौकी के पास से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के दो सदस्य निकलने वाले हैं। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर ली। पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान एक बाइक से निकले दो संदिग्ध लोगों को रुकने का इशारा किया। बाइक सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी बदमाशों पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में एक बदमाश के दाहिने पैर पर गोली लगी। वह मौके पर ही गिर गया। पुलिस टीम और एएनटीएफ ने दूसरे बदमाश को भी पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक घायल बदमाश कौशांबी निवासी पंकज त्रिपाठी है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दूसरा बदमाश नरेंद्र रायबरेली का निवासी है। पुलिस के मुताबिक आरोपित पंकज पर कौशांबी के थाना सैनी में एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज है। भारी मात्रा में मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क से जुड़े होने के कारण उस पर 50,000 रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस और एएनटीएफ गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

युवक को दबंगों ने पीटा एफआईआर दर्ज

अमृत विचार, सरोजनीनगरः मानक नगर के अमरुदही बाग, पूरन नगर निवासी अनुराग पाल ने सरोजनी नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अनुराग पाल के मुताबिक रविवार 7 दिसम्बर की शाम करीब पांच बजे वह अपने साथी सत्यम पाल के साथ ट्रैक्टर से पाल खेड़ा से गड़रियन खेड़ा की ओर जा रहा था। तभी रास्ते में लोनहा निवासी अयोध्या प्रजापति का ठेला उनके ट्रैक्टर के पीछे लगे रोटावेटर से हल्का छू गया, जिससे ठेला पलट गया। वह ट्रैक्टर रोककर ठेला उठवाने के लिए नीचे उतरा था कि तभी रूपखेड़ा निवासी नीरज, दो साथियों के साथ ऑटो से उतरकर गाली-गलौज करते हुए मारपीट पर उतर आए। तीनों ने बांस की बल्ली से हमला कर दिया, जिसमें अनुराग का हाथ दो जगह से टूट गया और उसके शरीर पर गंभीर चोटें आईं।

हिजनपुर गांव में बंथरा पुलिस ने लगाई चौपाल

संवाददाता सरोजनीनगर

अमृत विचारः बंथरा के सहिजनपुर गांव में सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) कृष्णानगर रजनीश वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को एक जनसम्पर्क चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, साइबर जागरूकता और स्थानीय समस्याओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। एसीपी ने कहा कि इमरजेंसी में तत्काल पुलिस से संपर्क करे। हर संभव मदद मिलेगी।

एसीपी रजनीश वर्मा ने महिलाओं और बच्चों के अधिकारों, घरेलू हिंसा अधिनियम, पॉक्सो कानून और त्वरित सहायता हेल्पलाइन 1090 व 112 के उपयोग पर ग्रामीणों को जानकारी दी। उन्होंने बच्चों और अभिभावकों के प्रोफाइल को प्राइवेट रखने, व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने, अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट न स्वीकारने और संदिग्ध लिंक से बचने की सलाह दी। उन्होंने डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कस्टमर केयर, बैंकिंग धोखाधड़ी, केवाईसी अपडेट के नाम पर ठगी और ओटीपी फ्रॉड जैसे मामलों से बचने के उपाय बताए। एसीपी ने किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में 1930 हेल्पलाइन पर तुरंत शिकायत दर्ज कराने की अपील की।

अपराध | मकान मालिक की जगह खड़ा किया था दूसरा आदमी, पुलिस कर रही जांच

फर्जी कागज बनवा बेच दिया मकान, रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः हैदरगंज इलाके में एक मकान को फर्जी कागजात के आधार पर बेच देने और असली मालिक की जगह दूसरे व्यक्ति को खड़ा करके धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित अमन सिंह प्रजापति ने थाने में शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नही हुई। इस पर उन्होंने ने कोर्ट में अर्जी डाली। कोर्ट के आदेश पर वजीरगंज पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया है।

अमन के मुताबिक मां राम लक्ष्मी और पिता रतन सिंह की कोरोना काल में मौत के बाद परिवार आर्थिक संकट में था। वर्ष 2022 में उन्होंने मकान बेचने के लिए प्रशांत पांडेय उर्फ भोला और शितांशु निगम से संपर्क किया। आरोप है कि अमन के खाते में 1.50 लाख रुपये भेजकर 100 रुपये के स्टाम्प पर हस्ताक्षर कराए। बाद में सौदा रद्द कर रकम वापस ले ली, लेकिन आधार, पैन और पुराने बैनामे की कॉपी वापस नहीं की। 12 सितंबर 2022 को शितांशु ने खुद को अमन सिंह प्रजापति बताकर 4 लाख रुपये के बयाने वाला अनुबंध तैयार कराया। 3 नवंबर को अमन के नाम दर्ज मकान 542/016/1599A को इरफान और रेहान को फर्जी फोटो और मनगढ़ंत हस्ताक्षरों के आधार पर बेच दिया। अमन का कहना है कि उन्हें कोई रकम नहीं दी गई और न ही उन्होंने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। गवाह के रूप में बहन श्रद्धा सिंह का नाम दर्शाकर किसी दूसरी महिला को खड़ा किया गया। मोहम्मद इजहार ने फर्जी अमन की पहचान कराई। अमन ने अदालत से हस्ताक्षर व फिंगरप्रिंट की जांच कराने की मांग की है।

अमन ने बताया कि प्रारंभिक शिकायत पर पुलिस ने विपक्षियों को बुलाकर बैनामा निरस्तीकरण की बात कही थी, लेकिन इसके बावजूद इरफान और रेहान ने 23 दिसंबर 2022 को वही मकान सईद सिद्दीकी और नासरा बानो को पुनः बेच दिया। पीड़ित का आरोप है कि अपनी करतूत छिपाने के लिए विपक्षियों ने 12 मई 2024 को उन पर और उनकी बहन पर उल्टा रिपोर्ट दर्ज करा दिया।अमन का कहना है कि लगातार धमकियों के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। कई बार सीएम, पुलिस आयुक्त और थाना वजीरगंज को पत्र भेजने पर भी एफआईआर न होने से मजबूर होकर उन्होंने अदालत का सहारा लिया है।

इधर पिता के शव का अंतिम संस्कार, उधर बेटे का जन्म

माल, संवाददाता

अमृत विचारः क्षेत्र के राजगढ़ गांव मृत मिले महेंद्र के शव को परिजन अंतिम संस्कार के लिए ले गए उसी दौरान उसकी पत्नी को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। इधर अंतिम संस्कार हुआ और उधर अस्पताल में महेंद्र की विधवा ने बेटे को जन्म दिया। ये घटना जिसने भी सुनी उसकी आंखें नम हो गईं।

राजगढ़ गांव निवासी महेंद्र उर्फ छोटू 5 दिसंबर को घर से निकला था, अगले दिन उनका शव बाग में पड़ा मिला था। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शाम को शव लेकर घर पहुंचे तो कोहराम मच गया। महेंद्र की गर्भवती पत्नी रो-रोकर बेहाल थी। 7 दिसंबर को शव को परिजन, रिश्तेदार, ग्रामीण शव को अंतिम संस्कार के लिए लेकर चले गए। उधर, घर में काजल के प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माल ले गए। वहां से चिकित्सक ने राम सागर मिश्र 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय भेज दिया। अस्पताल में काजल ने एक बच्चे को जन्म दे दिया। मृतक की बूढी मां लक्ष्मी ने कहा कि पोते के आने से पहले बेटे को खो चुकी हैं। पूरे गांव में मातम पसरा है, परिवार के सामने बड़ा संकट खड़ा हो चुका है। ग्रामीणों के अनुसार महेंद्र के शव का अंतिम संस्कार होने के बाद मासूम ने दुनिया में आंख खोलीं।

नवजात बच्चा।

कार्यालय नगर निगम, अयोध्या

पत्रांकः 497/न0नि0अयो0/कर0अनु0/2025 दिनांकः 08/12/2025

अयोध्या नगर निगम (निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन) उपविधि, 2024 का प्रारूप

उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 (अधिनियम सं0 2 सन् 1959) की धारा– 213 और धारा– 541 के खण्ड (42) एवं (49) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके अयोध्या नगर निगम जिस उपविधि के बनाने का प्रस्ताव करता है, उसका निम्नलिखित प्रारूप अधिनियम, 1959 की धारा– 543 की अपेक्षानुसार समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों की सूचना के लिए और उसके संबंध में आपत्तियाँ एंव सुझाव आमंत्रित करने की दृष्टि से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

आपत्तियाँ और सुझाव, यदि कोई हो, नगर आयुक्त, नगर निगम अयोध्या को सम्बोधित करके लिखित रूप में प्रेषित किये जायेगे। केवल उन्हीं आपत्तियों पर विचार किया जाएगा जो इस उपविधि के प्रकाशित होने के दिनांक से तीस दिनों के भीतर प्राप्त होंगे।

अयोध्या नगर निगम (निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन), उपविधि, 2024

संक्षिप्त नाम विस्तार और प्रारम्भ — 1

(1) यह उपविधि **अयोध्या नगर निगम** (निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन), उपविधि 2024 कही जायेगी।
(2) यह **नगर निगम अयोध्या** में लागू होगी।
(3) यह गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से प्रवृत्त होगी।

परिभाषाए — 2

(1) जब तक विषय या सन्दर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो, इस उपविधि में–
(क) 'अधिनियम' का तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959 से है।
(ख) 'आवादी' का तात्पर्य ऐसे क्षेत्र से है जो राजस्व अभिलेखों में आवादी के रूप में अभिलिखित हो जिसका उपयोग अयोध्या नगर निगम सीमा में उस क्षेत्र के सम्मिलित होने के दिनांक को उसके निवासियों के आवास और तत्सम्बन्धी प्रयोजनों के लिए किया जा रहा हो।
(ग) 'निर्धारण सूची' का तात्पर्य अधिनियम, 1959 की धारा–207 के अधीन तैयार की गई कर निर्धारण सूची से है।
(घ) 'संशोधन और परिवर्तन' का तात्पर्य अधिनियम, 1959 की धारा–213 के अधीन कर निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन से है।
(ड़) 'सम्पत्ति' का तात्पर्य यथास्थिति किसी भवन या भूमि या दोनों से है।
(च) 'सम्पत्ति कर' का तात्पर्य नगर निगम सीमा में आने वाले सामान्य कर/भवन या भूमियों या दोनों के वार्षिक मूल्य पर लगाए जाने वाले सामान्य कर/भवन कर, जल कर, जल निस्तारण कर और स्वच्छता कर से है।
(2) इस उपविधि में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके लिए क्रमशः समनुदेशित हों।

निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन का कारण — 3

(1) अधिनियम 1959 की धारा–210 के अधीन नगर निगम कार्यालय में जमा प्रमाणीकृत कर निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन उक्त अधिनियम, 1959 की धारा–213 के अधीन उल्लिखित कारकों के प्रोद्भूत होने की स्थिति में किया जा सकेगा।
(2) ऐसा व्यक्ति जो निर्धारण सूची के प्रमाणीकृत होने के पश्चात किसी कारणवश कराधान के लिए दायी हो गया है, उसका नाम सूची में सम्मिलित करके निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन किया जायेगा।
(3) (क) किसी सम्पत्ति के स्वामित्व के हस्तान्तरण या स्वामित्व सामान्यतया निम्न के आधार पर प्राप्त होगा–
(एक) पंजीकृत विक्रय पत्र द्वारा,
(दो) पंजीकृत वसीयत द्वारा,.
(तीन) पंजीकृत विभाजन विलेख द्वारा,
(चार) पंजीकृत दान–पत्र द्वारा,
(पाँच) विधिक उत्तराधिकार द्वारा।
(ख) किसी सम्पत्ति के अध्यासी के स्थान पर किसी व्यक्ति के नाम की प्रविष्टि की स्थिति सामान्यतया इस प्रकार हो सकेगी–
(एक) नगर निगम सीमा में नव सम्मिलित आवादी क्षेत्र में स्थित सम्पत्ति,
(दो) गैर जमींदारी उन्मूलन (नान जेड0ए0) क्षेत्र की सम्पत्ति,
(तीन) किसी सम्पत्ति जिसका किराया दिया जाता हो या देय हो,
(चार) सम्पत्ति का किराया मुक्त किरायेदार और अनुज्ञापी।
(4) (क) सम्पत्ति के त्रुटिपूर्ण मूल्यांकन, वार्षिक मूल्य और कर की दर में वृद्धि/परिवर्तन होने से कर निर्धारण सूची में संशोधन और परिवर्तन किया जा सकेगा।
(ख) किसी भी समय जब यह स्पष्ट हो जाये कि किसी सम्पत्ति का मूल्यांकन और कर निर्धारण सम्पत्ति के स्वामी / अध्यासी द्वारा गलत विवरण देने के आधार पर या तथ्यों के छिपाने या भ्रान्त कथन या किसी भूल के कारण किया गया है तो उसमें किए गये सुधार की प्रविष्टि कर तदनुसार कर निर्धारण सूची संशोधित की जा सकेगी।
(5) भवन में किए गए परिवर्तन और परिवर्धन के फलस्वरूप उसके वार्षिक मूल्यांकन और कर की धनराशि में वृद्धि करके निर्धारण सूची में संशोधन किया जा सकेगा।

सूची में संशोधन और परिवर्तन की प्रक्रिया — 4

(1) (क) नियम 3 के अधीन निर्धारण सूची में व्यक्ति या सम्पत्ति का विवरण छूट जाने नव निर्माण या पुननिर्माण होने पर स्वामी या अध्यासी निर्धारित प्रपत्र के साथ सम्पत्ति का स्वकर निर्धारण कर के सम्पत्ति कर की धनराशि नगर निगम द्वारा यथा निर्दिष्ट बैंक या कार्यालय में जमा कर सकेगा। नगर आयुक्त या उनके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा स्वकर निर्धारण प्रपत्र के आधार पर अपेक्षित प्रविष्टियाँ निर्धारण सूची में की जाएँगी।
(ख) अन्यथा स्थिति में सम्पत्ति का स्वामी या अध्यासी विहित प्रपत्र–1 में अपेक्षित सूचना निर्माण या पुननिर्माण के समापन अथवा अध्यासन के दिनांक जो भी पहले हो के 60 दिवसों के भीतर नगर आयुक्त को अनिवार्य रूप से देगा। नगर आयुक्त या उनके द्वारा इस निमित प्राधिकृत अधिकारी तदुपरान्त नियमानुसार सम्पत्ति का मूलयांकन और कर निर्धारण कर उसे तदनुसार कर निर्धारण सूची में प्रविष्ट करेगा।
(2) (क) सम्पत्ति के स्वामित्व या अध्यासन के हस्तान्तरण के फलस्वरूप कर निर्धारण सूची के संशोधन और परिवर्तन के निमित्त आवेदक नगर निगम को प्रपत्र–2 में अपना प्रोफाइल बनाकर आवेदन करेगा।
(ख) आवेदक नगर निगम द्वारा निर्धारित आवेदन शुल्क, जो रू0 100.00 प्रति आवेदन से अधिक न होगा को ऑनलाइन भुगतान करेगा और यथास्थिति निम्नलिखित अभिलेखों को अपलोड करेगा।

क्र0 सं0	अभिलेखों का प्रकार	मृत्यु के आधार पर	विक्रय पत्र विमाजन विलेख दानपत्र व अन्य के आधार पर	पंजीकृत वसीयत के आधार पर
1	आवेदक की फोटो (जे0पी0जी0 प्रारूप में)	V	V	V
2	आवेदक की पहचान का प्रमाण (जे0पी0जी0 प्रारूप मे)	V	V	V
3	आवेदक का शपथ–पत्र (पी0डी0एफ0 प्रारूप में)	V	V	V
4	पंजीकृत विक्रय विलेख या दानपत्र/विभाजन विलेख (पी0डी0एफ0 प्रारूप में)		V	
5	उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र (पी0डी0एफ0 प्रारूप में)	V		
6	मृत्यु प्रमाण पत्र (जी0आई0एफ0, पी0एन0जी0, जे0पी0जी0, जे0पी0ई0जी0, पी0डी0एफ0 प्रारूप में)	V		V
7	रजिस्ट्रीकृत वसीयत (जी0आई0एफ0, पी0एन0जी0, जे0पी0जी0, जे0पी0ई0जी0, पी0डी0एफ0 प्रारूप में)			V
8	मूल पट्टा विलेख की प्रतिलिपि	V	V	
9	पूर्व में जारी नामान्तरण–पत्र की प्रतिलिपि यदि कोई हो	V	V	V

(ग) आवेदन कारण प्रोद्भूत होने के अधिकतम तीन माह के भीतर प्रस्तुत किया जा सकेगा। इस अवधि के पश्चात नगर निगम द्वारा नियत बिलम्ब शुल्क के साथ आवेदन प्रस्तुत किए जा सकेंगे।
(घ) नगर आयुक्त या उसके द्वारा एतदर्थ प्राधिकृत अधिकारी नियम–6 के अनुसार प्रभार की धनराशि की गणना करेगा और आवेदन करने की तिथि से पाँच कार्य दिवसों के अन्दर आवेदक को तत्सम्बन्ध में ऑनलाइन भुगतान हेतु संसूचित करेगा। इसके साथ ही उस सम्पत्ति पर अवशेष सभी देयों के भुगतान हेतु भी सूचित किया जायेगा। आवेदक द्वारा तदनुसार पूर्ण धनराशि आगामी अधिकतम सात दिवसों में भुगतान की जायेगी निर्धारित अवधि में भुगतान प्राप्त हो जाने पर प्रस्तावित परिवर्तन या संशोधन के सम्बन्ध में प्रारूप–3 पर इस आशय की कम से कम एक महीने की नोटिस सभी सम्बन्धित हितबद्ध व्यक्तियों को जारी की जाएगी और उसकी एक प्रति आवेदक को भी दी जाएगी।
(ङ) खण्ड (घ) के अधीन जारी नोटिसों की सभी पक्षों को सम्यक् और सन्तोषजनक तामीली न होने की स्थिति में उक्त नोटिस उस नगर निगम क्षेत्र में परिचालन वाले कम से कम दो दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित कराई जाएगी। समाचार पत्र में नोटिस के प्रकाशन का शुल्क उसके वास्तविक व्यय के अनुसार आवेदक द्वारा भुगतान किया जाएगा। वैकल्पिक रूप में आवेदक उसे नगर निगम द्वारा इस निमित निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपने निजी व्यय पर नगर निगम क्षेत्र में परिचालन वाले दो दैनिक समाचार पत्रों में उक्त नोटिस सीधे प्रकाशित करा सकता है।
(च) खण्ड (घ) के अधीन संसूचित धनराशि का भुगतान नियत अवधि में न किए जाने पर एक अन्य अवसर प्रदान करते हुए पुनः एक सप्ताह का समय दिया जाएगा। इस अवधि में भी प्रभार की धनराशि न जमा करने पर आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा।
(छ) खण्ड (घ) और खण्ड (ड़) के अन्तर्गत जारी नोटिस में अंकित अवधि व्यतीत होने के पश्चात कोई उत्तर या आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में अधिशासी अधिकारी द्वारा अभिलेखों के नियमसम्मत पाए जाने पर तदनुसार आदेश पारित करते हुए निर्धारण सूची में यथास्थिति संशोधन या परिवर्तन कर दिया जाएगा और सूची प्रमाणीकरण के लिए प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षरों से उसे प्रमाणीकृत किया जाएगा।
(ज) खण्ड (घ) और खण्ड (ड़) के अधीन जारी नोटिस में नियत अवधि के भीतर उत्तर या आपत्ति प्राप्त होने की दशा में नगर आयुक्त या उनके द्वारा निमित्त प्राधिकृत अधिकारी संक्षिप्त जाँच और सम्बन्धित पक्षों आपत्तिकर्ताओं या हितबद्ध व्यक्तियों को सम्यक सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात उपलब्ध अभिलेखीय सामग्री और गुण–दोष के आधार पर उनका निस्तारण करने और समुचित आदेश पारित करने हेतु अपेक्षित कार्यवाही सुनिश्चित करेगा। किसी प्रकार के स्वत्वाधिकार से सम्बन्धित विवादित प्रकरण पर सक्षम न्यायालय का निर्णय अपेक्षित होगा।
(झ) निर्धारण सूची में संशोधन / परिवर्तन सम्बन्धी प्रभारों सहित अन्य समस्त देयों के भुगतान प्राप्त होने के दिनांक से अधिकतम 45 कार्य दिवसों की अवधि में अविवादित प्रकरणों सम्बन्धी आवेदन का आनलाइन निस्तारण किया जाएगा
(3) (क) कर निर्धारण सूची में सम्पत्ति के अध्यासन के आधार पर अंकित अध्यासियों के सम्बन्ध में संशोधन और परिवर्तन उक्त अधिनियम, 1959 की धारा–2 के खण्ड (47) के अधीन परिभाषित अध्यासी के पक्ष में किए जा सकेंगे।
(ख) कर निर्धारण सूची एवं तत्सम्बन्धी जारी आदेश में ऐसे संशोधन / परिवर्तन किए जाने पर 'अध्यासी' शब्द का स्पष्ट उल्लेख किया जाएगा जिसे प्रमाणीकृत करने हेतु प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अपने हस्ताक्षरों से प्रमाणीकृत किया जाएगा।
(ग) अध्यासन के आधार पर किए गए कर निर्धारण के विषय में वार्डवार कर निर्धारण सूची पृथक से तैयार की जाएगी और उसी में संशोधन / परिवर्तन सम्बन्धी अपेक्षित प्रविष्टियाँ की जाएगी।
(4) निर्धारण सूची के संशोधन अथवा परिवर्तन का प्रयोजन मात्र भवन, भूमि या दोनों के सम्पत्ति कर की वसूली के दृष्टिगत होगा।

हस्तान्तरण की नोटिस दिया जाना हस्तान्तरणकर्ता और हस्तान्तरिती की बाध्यता — 5

(1) जब किसी सम्पत्ति के सम्पत्ति कर के भुगतान के लिए प्रथमतःदायी किसी व्यक्ति का स्वत्वाधिकार हस्तान्तरित होता है तो वह व्यक्ति जिसका स्वत्वाधिकार हस्तान्तरित हुआ है और वह व्यक्ति जिसे वह हस्तान्तरित किया गया है, हस्तान्तरण विलेख के निष्पादित होने के तीन माह के भीतर ऐसे हस्तान्तरण की सूचना नगर आयुक्त को देंगे।
(2) पूर्वोक्तानुसार प्रथमतः दायी किसी व्यक्ति की मृत्यु की दशा में वह व्यक्ति जिसे उत्तराधिकारी के रूप में या अन्यथा मृतक का स्वत्वाधिकार हस्तान्तरित हुआ है, नगर आयुक्त कों मृतक की मृत्यु के छः माह के भीतर ऐसे हस्तान्तरण की सूचना देगा।
(3) नगर आयुक्त या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी को उक्त सूचना के माध्यम से ऐसा हस्तान्तरण संज्ञान में आते है, इस उपविधि के प्रावधानो के अनुसार अन्तरिती का नाम निर्धारण सूची मे प्रविष्ट कर दिया जाएगा।
(4) प्रत्येक व्यक्ति जो नगर आयुक्त को इस प्रकार की सूचना दिये बिना पूर्वोक्तवत् हस्तान्तरण करता है, ऐसी उपेक्षा से उद्भूत अन्य देयता के सहित हस्तान्तरित सम्पत्ति पर निर्धारित सम्पत्ति कर के भुगतान का दायित्व निरन्तर बना रहेगा जब तक कि वह इस संबंध में सूचना/आवेदन नहीं देता अथवा जब तक कि ऐसा हस्तान्तरण निर्धारण सूची में अभिलिखित नही किया जाता।
(5) जब ऐसी सूचना / आवेदन नियत अवधि में प्रस्तुत नही किया गया हो तो नगर निगम द्वारा नियत विलम्ब षुल्क के साथ इसे प्रस्तुत किया जा सकता है।
(6) यदि कोई भवन गिरा दिया गया हो या ध्वस्त हो गया हो तो जब तक नगर आयुक्त को इसकी नोटिस न दे दी गई हो, तब तक स्वामी / अध्यासी सम्पत्ति कर के भुगतान का दायी होगा जैसा कि वह भवन गिराए जाने या ध्वस्त न किये जाने की स्थिति में दायी था।

निर्धारण सूची के संशोधन / परिवर्तन हेतु प्रभारों का लगाया जाना — 6

(1) जहाँ कर निर्धारण सूची के संशोधन और परिवर्तन हेतु आवेदन नगर निगम को प्रस्तुत किया जाय वहाँ आवेदक से प्रभार इस उपविधि के अनुसार उद्गृहीत किया जाएगा। प्रभारों की दरें निम्नवत होंगी।
(क) किसी विधिक उत्तराधिकारी या रजिस्ट्रीकृत वसीयत के मामले में प्रभार की दरें निम्नवत होंगीः–

क्र0 सं0	सम्पत्ति का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	प्रभार की धनराशि (रूपये में)
1	1000 तक	1000/–
2	1001–2000 तक	2000/–
3	2001–3000 तक	3000/–
4	3000 से अधिक	5000/–

(ख) नियम –3 के उपनियम (3) के अधीन अन्य सभी मामलों में प्रभारों की दर जिलाधिकारी द्वारा नियत सर्किल रेट या पंजीकरण विलेख में अंकित धनराशि जो भी अधिक हो, के आधार पर निम्नवत् होगी–

क्र0 सं0	सम्पत्ति का मूल्य	प्रमार की धनराशि (रूपये में)
1	रू0 5 लाख तक	1000/–
2	रू0 5 लाख से रू0 10 लाख	2000/–
3	रू0 10 लाख से 15 लाख तक	3000/–
4	रू0 15 लाख से रू0 50 लाख तक	5000/–
5	रू0 50 लाख से ऊपर	10000/–

(2) उपर्युक्त दरों में परिवर्तन अधिनियम् 1959 की धारा 92 के प्राविधानों के अन्तर्गत नगर निगम बोर्ड की स्वीकृति/अनुमति से किया जा सकेगा।
(3) उपनियम (1) के खण्ड (क) के अधीन एक से अधिक मध्यवर्ती संशोधन और परिवर्तन की स्थिति में प्रत्येक संशोधन और परिवर्तन पर उसमें विनिर्दिष्ट धनराशि के 10 प्रतिशत की दर से अतिरिक्त प्रभार देय होगा।
(4) यदि उपनियम (1) के खण्ड (ख) के मामलो में एक या एक से अधिक मध्यवर्ती विक्रय या अन्य अन्तरण हो और सम्बन्धित सम्पत्ति मध्यवर्ती क्रेताओ या अन्तरिती के नाम से निर्धारण सूची में अन्तरित न की ही गई हो तो प्रत्येक मध्यवर्ती विक्रय विलेख/अन्तरण पर इस उपविधि के अनुसार उपनियम (1) के खण्ड (ख) में विनिर्दिष्ट धनराशि के 25 प्रतिशत की दर से अतिरिक्त प्रभार उद्गृहीत किया जाएगा।
(5) यदि उस सम्पत्ति के संबंध में नगर निगम से सम्बन्धित कोई धनराशि देय है तो उसका भुगतान निर्धारण सूची के संशोधन और परिवर्तन हेतु देय प्रभारों के साथ किया जसएगा।

आदेश का संशोधन या निरस्तीकरण — 7

जहाँ नगर आयुक्त स्वतः या अन्यथा, ऐसी जाँच जैसा वह उचित समझे से सन्तुष्ट है कि सूची में संशोधन या परिवर्तन छल, सारवान तथ्यों के दुर्व्यपदेशन करके अथवा तथ्यों को छिपाकर अथवा मिथ्या, अशुद्ध और अपूर्ण अभिलेखों के आधार पर किया गया है तो वह सम्बन्धित व्यक्ति को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर देते हुए पुनः सुनवाई कर सकता है और लिखित रूप में कारणों को अभिलिखित करते हुए संशोधन या परिवर्तन निरस्त कर सकता है उसे संशोधित कर सकता है अथवा परिवर्तित कर सकता है।

अपील — 8

नगर आयुक्त या उनके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी के किसी आदेश से क्षुब्ध कोई व्यक्ति उस दिनांक जिस दिनांक को उसे विनिश्चय संसूचित किया गया है, से तीस दिन के भीतर उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 472 के अधीन अपील कर सकता है।

नगर आयुक्त
नगर निगम अयोध्या

प्रपत्र–1
(नियम–4 (1 ख) देखें)
भवन निर्माण / पुनर्निर्माण / परिवर्तन/परिवर्धन सम्बन्धी सूचना–प्रपत्र

1. भवन स्वामी / अध्यासी का नाम–
2. भवन संख्या/आई0डी0 सहित भवन की अवस्थिति–
3. भवन का वर्तमान वार्षिक मूल्य–
4. सम्पत्ति कर भुगतान की अद्यतन रसीद सं0–
5. पूर्व से निर्मित भवन का आच्छादित क्षेत्रफल–
6. नव–निर्माण, पुनर्निर्माण या परिवर्धन अंश का क्षेत्रफल–
7. नव–निर्माण, पुनर्निर्माण या परिवर्धन के समापन की तिथि–
8. अध्यासन की तिथि–
9. अन्य विवरण यदि कोई हो।–

स्थान– **हस्ताक्षर भवन स्वामी/अध्यासी**

दिनांक– **पता–**

मोबाइल नं0–

नगर आयुक्त
नगर निगम अयोध्या

प्रपत्र–2
(नियम–4(2) देखें)
निर्धारण सूची में संशोध/परिवर्तन प्रपत्र

1.आवेदक का नाम, पितृ नाम और पता–
2. सम्पत्ति का विवरण–
(1) विक्रय और दान आदि के मामलों में–
(क) विक्रय संख्या/आई0डी0 और वर्तमान स्वामी का नाम
(ख) भूमि का क्षेत्रफल/भवन का आच्छादित क्षेत्रफल
(ग) वर्तमान वार्षिक मूल्य
(घ) अन्तरिती का नाम, पितृ नाम और पता
(ङ) हस्तान्तरण की प्रकृति–बिक्री/दान
(च)अन्तरण विलेख के निबन्धन की तिथि
(छ) कोई अन्य विवरण
(2) मृत्यु, वसीयत आधारित उत्तराधिकार के मामलों में–
(क) सम्पत्ति संख्या और वर्तमान स्वामी का नाम
(ख) भूमि का क्षेत्रफल / भवन का आच्छादित क्षेत्रफल
(ग) वर्तमान वार्षिक मूल्य
(घ) व्यक्ति का नाम (मृत्यु तिथि सहित), पितृ नाम तथा पता जिसके सापेक्ष उत्तराधिकारी द्वारा दावा किया गया है।
(ड) आवेदक का मृतक से संबंध
(च) उत्तराधिकारियों का विवरण और अंश
(छ) उत्तराधिकार का आधार (पैतृक, वसीयत आदि)
(ज) कोई अन्य विवरण
(3) भ्रान्त कथन, भूल या लोप के मामलों में–
(क) सम्पत्ति संख्या और वर्तमान स्वामी का नाम
(ख) भूमि का क्षेत्रफल / भवन का आच्छादित क्षेत्रफल
(ग) वर्तमान वार्षिक मूल्य
(घ) भ्रान्त कथन त्रुटि या लोप की प्रकृति का विवरण
(ङ) भ्रान्त कथन, त्रुटि या लोप की पुष्टि में साक्ष्य
(च) कोई अन्य विवरण
टिप्पणी–
उप क्रमांक (1) (2) (3) में से यथा लागू विवरण भरें।
3. आवेदन शुल्क भुगतान का विवरण–
4. अपलोड किये गये अभिलेखों का विवरण–
(1) (2) (3) (4)

नगर आयुक्त
नगर निगम अयोध्या

प्रपत्र–3
(नियम–4 (2घ) देखें)
नोटिस

श्री/श्रीमती ....पुत्र / पुत्री / पत्नी श्री / श्रीमती.. निवासी .... का नाम अयोध्या नगर निगम की कर निर्धारण सूची में अंकित है।

2. (1) श्री/श्रीमती.. पुत्र/ पुत्री / पत्नी श्री / श्रीमती .... निवासी.. .... द्वारा इस सम्बन्ध में आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि श्री / श्रीमती.. पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/ श्रीमती.. .... की मृत्यु दिनांक................................ को हो गई है .वह/वे उनके विधिक उत्तराधिकारी हैं और साक्ष्य रूप में ....प्रस्तुत किया गया हैं

(2) उनके द्वारा अपना नाम प्रविष्ट कर निर्धारण सूची को संशोधित/परिवर्तित करने का अनुरोध किया गया है।

3. यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उपरोक्त के विरूद्ध कोई आपत्ति हो तो वह / वे अपनी आपत्तियाँ लिखित रूप में साक्ष्यों सहित इस नोटिस के प्रकाशित / प्राप्त होने के दिनांक से 30 दिन के भीतर नगर निगम के जोन संख्या.............................. के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता/सकती है। उक्त तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक/आवेदकों का नाम सूची में प्रविष्ट कर दिया जाएगा और कोई पश्चातवर्ती दावा ग्रहण नहीं किया जाएगा।

सम्पत्ति का विवरण

सम्पत्ति आई0डी0 **सम्पत्ति संख्या** **अवस्थिति**

जारी करने की तिथि
मुहर

हस्ताक्षर
जारी करने वाले
अधिकारी का नाम
पदनाम सहित

नगर आयुक्त
नगर निगम अयोध्या

सिटी ब्रीफ

जलमार्ग प्राधिकरण की पहली बैठक आज

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार अंतर्देशीय जल परिवहन को उद्योग, व्यापार, पर्यटन और लॉजिस्टिक्स के नए विकल्प के रूप में विकसित करने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा गठित उत्तर प्रदेश अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण ने कयावद शुरू कर दी है। इसके लिए जलमार्ग प्राधिकरण की पहली बैठक मंगलवार को राजधानी स्थित निजी होटल, विपिन खंड, गोमती नगर में आयोजित की जा रही है। बैठक की अध्यक्षता परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए उप्र. की परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने बताया कि समिति की पहली बैठक में जल परिवहन को लेकर रोडमैप, भविष्य की रणनीतियां तथा विभिन्न विभागों के समन्वय पर विस्तृत चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि बैठक में प्रदेश और देश के विभिन्न जलमार्ग विशेषज्ञ, औद्योगिक प्रतिनिधि और संबंधित संस्थाओं के अधिकारी जलमार्ग विकास, उपयोगिता, सुरक्षा और निवेश संभावनाओं पर विचार-विमर्श करेंगे।

पांच लाख में दी वकील की हत्या की सुपारी

अमृत विचार, लखनऊ : कृष्णानगर के सिंधुनगर निवासी अधिवक्ता देवेंद्र गुप्ता ने आरोप लगाया है कि रणविजय प्रताप सिंह, कलुवा उर्फ अभिषांक यादव और भानू प्रताप सिंह ने उनकी हत्या के लिए पांच लाख रुपये की सुपारी दी है। अधिवक्ता के अनुसार, दबंग लोग उन्हें जान से मारने की साजिश रच रहे हैं। पुलिस से मदद न मिलने पर उन्होंने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सप्तम, लखनऊ के समक्ष प्रार्थना पत्र दाखिल किया, जिसके बाद कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज हुई। उन्होंने स्वयं और परिवार की सुरक्षा को लेकर गहरी आशंका जताई है। देवेंद्र गुप्ता के मुताबिक 17 फरवरी 2023 को कोर्ट जाते समय रणविजय प्रताप सिंह ने मोबाइल पर कॉल कर धमकी दी थी और कहा था कि "जमीन के मामले में ऊपर-नीचे हो जाएगा।" इसके बाद 29 मार्च 2024 को एक अज्ञात व्यक्ति ने फिर जान से मारने की धमकी दी। अधिवक्ता के अनुसार 2 मई 2025 को उनके भाई को सूचना मिली कि सोनू शुक्ला नामक व्यक्ति ने उनकी हत्या के लिए 5 लाख रुपये में सुपारी ली है। इस कॉल की रिकॉर्डिंग भी उनके पास मौजूद है। उन्होंने 4 मई 2025 को स्थानीय थाने और 4 जुलाई 2025 को पुलिस आयुक्त व पुलिस उपायुक्त दक्षिणी को स्पीड पोस्ट से शिकायत भेजी, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं हुई।

योगी ने एसआईआर को लेकर संभाली भाजपा की कमान

संगठन पहले से सक्रिय था, मुख्यमंत्री के मैदान में उतरने से मिली रफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं संगठन की कमान संभालते हुए मैदान में उतर आए हैं। उनके एजेंडे में सबसे ऊपर फर्जी मतदाता बने घुसपैठिया हैं। इनके लिए डिटेंशन सेंटर हर मंडल मुख्यालय पर बनाने के आदेश पहले ही जारी हो चुके हैं। हालांकि एसआईआर को लेकर संगठन नेतृत्व पहले से सक्रिय था, मगर योगी के स्वयं शामिल होते ही कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर है। उन्हें पूरा भरोसा हो गया है कि प्रशासन का साथ और मजबूती से मिलेगा। कहीं भी लापरवाही मिली तो कार्रवाई तय है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एसआईआर को केंद्र में रखकर अबतक पश्चिमी यूपी के पांच मंडलों अलीगढ़, सहारनपुर, मुरादाबाद, मेरठ और आगरा से जुड़े जिलों के भाजपा नेताओं, जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की है। यह सिलसिला आगे भी तेजी से बाकी मंडलों में भी जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया है कि फर्जी मतदाताओं, रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की पहचान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह और अब मुख्यमंत्री योगी तीनों के एकसाथ सक्रिय होने से भाजपा की रणनीति साफ दिख रही है। बूथ स्तर पर सत्यापन, जिले में अभियान की रोज समीक्षा और मंडल स्तर पर मुख्यमंत्री की बैठकें यह सब संकेत देते हैं कि वर्ष 2026 में पंचायत चुनाव से लेकर 2027 में विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा मतदाता सूची को त्रुटिरहित और सुरक्षित करने में कोई ढिलाई नहीं छोड़ने वाली। प्रदेशभर में जिलाध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और बूथ प्रमुखों को निर्देश भेजे जा चुके हैं कि प्रत्येक बूथ पर मतदाता सूची का गहन परीक्षण किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि बूथ मजबूत होगा तो लोकतंत्र मजबूत होगा और इसके लिए एसआईआर को सबसे संवेदनशील और प्राथमिक अभियान के रूप में लिया जाए।

- एजेंडे में सबसे ऊपर फर्जी मतदाता बने घुसपैठिया, प्रशासन भी चौकन्ना

"मतदाता सूची की पवित्रता हमारे लोकतंत्र की बुनियाद है। फर्जी वोटर, डुप्लिकेट एंट्री और अवैध तरीके से मौजूद घुसपैठियों पर कार्रवाई में किसी भी स्तर पर ढिलाई स्वीकार नहीं होगी। एसआईआर में कमी का अर्थ सीधी जिम्मेदारी तय होना है। हर जिले में पारदर्शिता और सख्ती दोनों अनिवार्य हैं।

–योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री की सक्रियता से प्रशासन अलर्ट मोड में

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्यमंत्री के सीधे हस्तक्षेप से अब पूरे प्रदेश का प्रशासनिक तंत्र चौकन्ना हो गया है। मुख्यमंत्री ने यह संकेत साफ दे दिया है कि एसआईआर में किसी भी स्तर की ढिलाई का मतलब सीधी कार्रवाई होगा। सरकारी सूत्र बताते हैं कि मुख्यमंत्री की समीक्षा का फोकस तीन प्रमुख बिंदुओं पर है। इसमें डुप्लिकेट और फर्जी मतदाताओं की सूची का शुद्धिकरण, रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान और सत्यापन तथा पंजीकरण प्रक्रिया की पारदर्शिता व समयबद्धता शामिल है।

डिटेंशन सेंटर भी आए एजेंडे में

मुख्यमंत्री योगी पहले ही घुसपैठियों के विरुद्ध कठोर रुख अपनाने के निर्देश दे चुके हैं। डिटेंशन सेंटरों की कार्यप्रणाली, क्षमता और निगरानी को लेकर जारी पूर्व निर्देशों को भी अब एसआईआर की समीक्षा से जोड़ दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि फर्जी वोटर पहचानने की प्रक्रिया के दौरान यदि कहीं घुसपैठ के संगठित प्रयास सामने आते हैं तो डिटेंशन सेंटरों में आवश्यक व्यवस्थाओं को और मजबूत करने की तैयारी की जाएगी।

घुसपैठियों के खिलाफ नागरिकों के नाम मुख्यमंत्री का खुला पत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- घुसपैठ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं जनता से मांगा सहयोग

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ प्रदेश में चल रही सख्त कार्रवाई को लेकर सोमवार को प्रदेशवासियों के नाम एक खुला पत्र जारी किया। योगी ने स्पष्ट कहा है कि घुसपैठ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रदेश की सुरक्षा, सामाजिक संतुलन तथा कानून-व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने जनता से इस संवेदनशील अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि अवैध घुसपैठियों के लिए लाल कारपेट नहीं बिछाया जा सकता। प्रदेश के संसाधनों पर पहला अधिकार उत्तर प्रदेश के नागरिकों का है, बाहरी घुसपैठियों का नहीं। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी का संदर्भ देते हुए कहा कि भारत की सुरक्षा और सामाजिक संरचना के लिए अवैध घुसपैठ एक गंभीर चुनौती है, जिसे किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। सीएम ने बताया कि प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान कर सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में भी ऐसे कई संदिग्ध लोगों की पहचान हुई है, जिसके बाद राज्य सरकार और अधिक सख्त कदम उठाने की तैयारी में है।

उन्होंने कहा कि अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों को डिटेंशन सेंटर भेजने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मेरठ में नए डिटेंशन सेंटर के निर्माण के आदेश भी जारी किए गए हैं। सीएम योगी ने बताया कि राज्य में छिपे ऐसे तत्वों की पहचान होने पर तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे संदिग्ध विदेशी नागरिकों की जानकारी प्रशासन को देकर इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें, ताकि उत्तर प्रदेश की सुरक्षा और सामाजिक व्यवस्था को किसी भी प्रकार के खतरे से मुक्त रखा जा सके।

फरियादियों से फीडबैक जरूर लें

जनता दर्शन में कब्जे की शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी ने दिए कार्रवाई के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अपने आवास पर आयोजित जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में पुलिस, आवास, अवैध कब्जे आदि शिकायतों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि शासन से लेकर जिले और तहसीलों के अधिकारी शिकायत करने वालों से फीडबैक जरूर लें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आवास पर सोमवार को 'जनता दर्शन' में पहुंचे 42 लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि सभी लोग निश्चिंत होकर घर जाइए, हर समस्या का उचित समाधान कराया जाएगा। अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। इसके बाद शिकायत करने वालों से फीडबैक भी लिया जाए। आवास की मांग को लेकर भी कुछ जरूरतमंदों ने योगी से निवेदन किया, जिस पर विचार करते हुए उन्होंने पीएम-सीएम आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया।

धन के अभाव में नहीं रुकेगा इलाज : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार पहले ही दिन से चिकित्सा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। धन के अभाव में किसी का भी इलाज नहीं प्रभावित होगा। प्रदेश में जिस भी जरूरतमंद को इलाज के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता होगी तो सरकार सदैव उसके साथ सदैव खड़ी रहेगी। 'जनता दर्शन' में पांच लोगों ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाते हुए मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने अस्पताल से एस्टिमेट बनवाने को कहा।

सूबे की ग्राम पंचायतों को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाएंगे दो हजार रोल मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जनवरी तक ये रोल मॉडल करेंगे एक्सपोजर विजिट, समझेंगे पंचायतों का सफल काम

अमृत विचारः नव वर्ष यानी 2026 में दो हजार रोल मॉडल उत्तर प्रदेश की ग्राम पंचायतों सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने में जुट जाएंगे। जनवरी तक राज्य तमाम जिलों से चुने गए इन रोल मॉडल्स को एक्सपोज़र विज़िट कराई जा रही है ताकि वे पंचायतों का सफल काम समझें।

राज्य सरकार का लक्ष्य आंतरिक एक्सपोज़र विज़िट से हर पंचायत को आत्मनिर्भर मॉडल बनाने का है। फिलहाल रामपुर, श्रावस्ती, ललितपुर और अमेठी समेत कई जिलों में यह बैचवार एक्सपोज़र विज़िट चल रही है।

इस पहल का खास उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे नवीन, उत्कृष्ट और व्यावहारिक विकास कार्यों को सामने से दिखाकर अन्य ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहित करना है, ताकि वे स्वयं को भी एक्सपर्ट्स के साथ रोल मॉडल के रूप में विकसित कर सकें। दरअसल, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत पंचायत प्रतिनिधियों और कर्मियों के लिए एक्सपोज़र विज़िट प्रोग्राम उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। रामपुर, श्रावस्ती, ललितपुर और अमेठी समेत कई जिलों में यह बैचवार विजिट चल रही है। इस दौरान लगभग दो हजार प्रतिभागी यानि भविष्य के एक्सपर्ट नवंबर से जनवरी की अवधि में एक्सपोजर विजिट में भाग ले रहे हैं।

"हमारा लक्ष्य है कि हर पंचायत सशक्त हो, संसाधन पैदा करे और आत्मनिर्भर मॉडल के रूप में विकसित हों, जो एक्सपर्ट लौट रहे हैं या उसमें शामिल हो रहे हैं। वे अपने क्षेत्रों में विकास की नई सोच और ऊर्जा लेकर जा रहे है। – **ओमप्रकाश राजभर**, पंचायती राज मंत्री

"क्रॉस-लर्निंग मॉडल से पंचायतें एक-दूसरे के अनुभवों से सीख कर तेज़ी से विकास कर सकती हैं। यह एक्सपोज़र विजिट ग्रामीण शासन और सेवा वितरण की गुणवत्ता को नई ऊंचाई देगा। – **अमित कुमार सिंह**, निदेशक पंचायती राज

कार्यालय नगर पालिका परिषद जलालपुर अम्बेडकर नगर

पत्रांक : 881 / न0पा0परि0 ज0/2025–26 दिनांक 08–12–2025

ई–निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद, जलालपुर जनपद अम्बेडकर नगर के द्वारा स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विभाग में A/B/C/D/E श्रेणी (जैसा लागू हो) में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदा दाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर राज्य वित्त आयोग मद से. 02 कार्य की ई–निविदा आंमत्रित की जाती है।

क्रमाक	विवरण	प्रारम्भ दिनांक एवं समय	अन्तिम दिनाक एवं समय
1	निविदा देखने / डाउनलोड / खरीदने की तिथि	09.12.2025 12:00 PM	19.12.2025 01:00 PM
2	प्री–बिड मीटिंग	16.12.2025 02:00 PM	–
3	बिड समाप्ति की तिथि	–	19.12.2025 01:00 PM
4	बिड खोलने की तिथि एवं समय	–	19.12.2025 02:00 PM

नियम एवं शर्ते–

1. सशर्त निविदाये मान्य नहीं होगी और स्वत: ही निरस्त समझी जायेगी।
2 बिना कारण बताये किसी भी निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जलालपुर को होगा।
3. निर्माण कार्यो की निविदा में वर्णित सामग्री आदि पर आयकर, जी.एस.टी.कर व अन्य करों की कटौती ठेकेदार के बिल से नियमानुसार की जायेगी।
4. निविदादाता को चरित्र प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र, श्रम विभाग का पंजीयन, आयकर व जी0एस0टी0 प्रमाण पत्र की प्रमाणित छायाप्रति साथ में संलग्न करनी अनिवार्य होगी जो वर्तमान समय तक वैध होनी चाहिये।
5. उक्त निविदा से संबंधित शेष नियम शर्ते बेवसाईट www.etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
जलालपुर अम्बेडकरनगर।

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
जलालपुर अम्बेडकरनगर।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में दुल्हन की साड़ी में फंसा 'फैंसी' का पेच

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कमेटी को नहीं पसंद आए लाल जोड़े, किए गए रिजेक्ट
- बजट और टेंडर के हिसाब से ही की जाएगी खरीद

अमृत विचार : जिले में 12 दिसंबर को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 400 गरीब जोड़ों का विवाह कराने की तैयारी है। समाज कल्याण विभाग ने कार्यक्रम से लेकर लड़की को विदाई के दौरान दिए जाने वाला सामान निर्धारित बजट और टेंडर के अनुसार तय कर लिया है लेकिन कमेटी को दुल्हन के लाल जोड़े की साड़ी पसंद नहीं आई है। तर्क है कि साड़ियां फैंसी खरीदी जाएं, जिनकी बजट के हिसाब से कीमत अधिक है। फिलहाल उच्च अधिकारियों को इससे अवगत कराते हुए बजट के अनुसार साड़ियों के और सैंपल मंगाकर देखे गए हैं। उन्हीं में पसंद कर खरीद की जाएगी।

दरअसल, एक लाख रुपये की योजना में लड़की को 60 हजार रुपये मिलते हैं, जबकि 25 हजार रुपये में पांच साड़ी, बिछिया, पायल समेत गृहस्थी का सामान दिया जाता है। शेष 15 हजार रुपये खाने-पीने में खर्च होते हैं। 400 जोड़े के लिए सामान खरीद का टेंडर स्वीकृत हो चुका है। बजट के अनुसार ज्यादातर सामान के सैंपल फाइनल हो गए हैं। लेकिन लाल जोड़े की साड़ी और अन्य दी जाने वाली चार साड़ियां कमेटी को पसंद नहीं आई हैं। बार-बार सैंपल रिजेक्ट किए जा रहे हैं। फैंसी साड़ियों का पेच अभी फंसा है। जिला समाज कल्याण अधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि तैयारी पूरी है। उच्च स्तर से तिथि स्वीकृत होने पर धूमधाम से विवाह कराएंगे।

इन वर्षों में इतने जोड़ों का हुआ विवाह

- 2020–21 – 441
- 2021–22 – 649
- 2022–23 – 1219
- 2023–24 – 605
- 2024–25 – 797

500 आवेदन निरस्त

वर्ष 2025–26 में 977 जोड़ों के विवाह का लक्ष्य है। 12 दिसंबर को स्वीकृति मिलने पर यह पहला आयोजन होगा। जहां एक साथ 400 जोड़े फेरे लेंगे। 4.98 करोड़ का बजट आवंटित हो चुका है। करीब एक हजार जोड़ों ने विवाह के लिए आवेदन किए थे। इनमें करीब 500 आवेदन अपात्र व अन्य कारणों से निरस्त किए गए। कुछ आवेदनों में पहले से विवाह होने की आशंका पर सत्यापन कराया जा रहा है।

अलीगंज सीएचसी में प्रसूताओं को मिलने लगा भोजन

अमृत विचार IMPACT

अमृत विचार, लखनऊ : अलीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में प्रसूताओं को नाश्ता-भोजन मिलना शुरू हो गया है। काम छोड़कर गई रसोइया को भी वापस बुला लिया गया। सीएमओं ने वेंडर को नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा है।

सीएमओ कार्यालय से जनवरी माह में सभी सीएचसी में खाना-नाश्ते के लिए टेंडर हुआ था। इसमें एक कंपनी को काम का ठेका मिला था। एनएचएम से वेंडर को हर दिन करीब 135 रुपये का खाना-नाश्ता दिया जाता है। पांच माह से वेंडर के जरिये रसोइया को भुगतान नहीं किया गया। ऐसे में रसोइया काम छोड़कर चली गई थी। जिसकी वजह से यहां पर करीब एक सप्ताह से खाना-नाश्ता प्रसूताओं को मिलना बंद हो गया था। अमृत विचार ने प्रसूताओं की इस समस्या को रविवार के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया था। सीएमओ की सख्ती के बाद दोबारा से नाश्ता-भोजन मिलना शुरू हो गया है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि सीएचसी में प्रसूताओं को नाश्ता-भोजन मिलना शुरू हो गया है। वेंडर को नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

आगमन | उप्र. ईको टूरिज्म विकास बोर्ड रामसर साइट्स पर विकसित कर रहा पर्यटक सुविधाएं

प्रदेश के रामसर साइट्स प्रवासी पक्षियों से गुलजार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सर्दियों का आगमन होते ही प्रदेश की सभी 10 रामसर साइट्स प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट से गूंज उठी हैं। हजारों किलोमीटर दूर से आने वाले इन दुर्लभ मेहमानों ने वेटलैंड्स को फिर से जीवन से भर दिया है। प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के लिए यह सुनहरा मौसम है, जहां हर स्थल पर रंग-बिरंगे पंखों और प्राकृतिक सौंदर्य का आकर्षक संगम देखने को मिल रहा है।

यह जानकारी देते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को बताया कि उप्र. ईको टूरिज्म विकास बोर्ड प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर उभारने के लिए तेजी से काम कर रहा है। आगरा और हैदरपुर की दो बड़ी ईको-टूरिज्म परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी की जा चुकी हैं, जबकि अन्य स्थलों पर सुविधाओं का विस्तार जारी है। पर्यावरण संरक्षण और सतत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चल रही ये पहल राज्य को एक प्रमुख ईको-टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित कर रही हैं।

सुरसरोवर और हैदरपुर में बड़े पैमाने पर विकास

पर्यटन मंत्री ने कहा कि आगरा स्थित सूर सरोवर बर्ड सेंक्चुरी में 167.85 लाख रुपये की लागत से पार्किंग, नेचर ट्रेल, वॉच टावर, सोविनियर शॉप, शौचालय और आरओ कूलर जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। मुजफ्फरनगर की हैदरपुर वेटलैंड में 165.71 लाख रुपये से प्रवेश द्वार, नेचर कैंप, वॉच टावर, कैंटीन और अन्य सुविधाओं का विस्तार कर इसे विश्व-स्तरीय आकर्षण प्रदान किया गया है। उन्नाव स्थित नवाबगंज बर्ड सेंक्चुरी में 280.44 लाख रुपये से तैयार हो रहा आधुनिक एआर-वीआर डोम आगंतुकों को प्रवासी पक्षियों और वेटलैंड इकोसिस्टम की दुनिया का जीवंत, इमर्सिव अनुभव देगा।

10 साइट्स बना रहीं वैश्विक पहचान

मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश की 10 रामसर साइट्स- नवाबगंज, पार्वती आर्गा, समान, समसपुर, सांडी, सरसई नावर, सूर सरोवर, ऊपरी गंगा नदी विस्तार, बखिरा व हैदरपुर- आज प्रवासी पक्षियों की दुर्लभ प्रजातियों से सराबोर हैं। सुरक्षित पर्यावरण, समृद्ध जैव-विविधता और प्रबंधन की नई पहलें इन स्थलों को अंतरराष्ट्रीय संरक्षण मानकों पर और प्रतिष्ठित बना रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

दुष्कर्म पीड़िता किशोरी ने बच्चे को दिया जन्म

जौनपुर, एजेंसी। जिले के शाहगंज कोतवाली क्षेत्र में स्थित के एक गांव की दुष्कर्म पीड़िता किशोरी ने सोमवार को एक बच्चे को जन्म दिया। इस मामले में आरोपित लगभग ढाई माह पूर्व जेल जा चुका है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जिले में शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में साढ़े नौ माह पूर्व एक किशोरी से गांव के ही युवक ने दुष्कर्म किया। लेकिन, पीड़िता के परिजनों ने लोकलाज के भय से मामले को किसी से नहीं बताया। तीन माह पूर्व किशोरी की तबीयत बिगड़ने पर जांच कराया गया तो गर्भधारण का पता चला। इसके बाद परिजनों ने उक्त युवक के विरुद्ध कोतवाली में तहरीर दे मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपित दुर्गा प्रसाद गौतम के विरुद्ध दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया। सोमवार को किशोरी ने सीएचसी में बच्चे को जन्म दिया।

नीमा की बैठक में बनी कार्ययोजना

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (नीमा) जिला इकाई की बैठक सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में प्राइवेट डॉक्टरों से जुड़े मुद्दों और चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान संगठन को अधिक सक्रिय और गतिशील बनाने के लिए जिलेभर के चिकित्सकों को जोड़ने तथा सदस्यता अभियान को गति देने का निर्णय लिया गया। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. विजय बहादुर, बिहार स्टेट के रिटायर्ड डीएयूओ डॉ. राजीव श्रीवास्तव की मौजूदगी में बैठक हुई।

सरकार की लापरवाही का दुष्परिणाम कर्मचारी पर डालना गलत

हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त सहायक अभियंता को प्रभावी सेवा अवधि के आधार पर पेंशन और ग्रेच्युटी का भुगतान करने का दिया निर्देश

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुरानी पेंशन योजना और ग्रेच्युटी से जुड़े एक मामले पर सुनवाई करते हुए नगर विकास विभाग को निर्देश दिया कि सेवानिवृत्त सहायक अभियंता को प्रभावी सेवा अवधि के आधार पर पेंशन और ग्रेच्युटी का भुगतान किया जाए। कोर्ट ने माना कि उत्तर प्रदेश पालिका (केंद्रीकृत) सेवा (संशोधन) नियमावली, 2003 के नियम 21-ए लागू होने के बाद भी नियमितीकरण में हुई देरी राज्य की लापरवाही थी और इसका दुष्परिणाम कर्मचारियों पर नहीं थोपा जा सकता है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर की एकलपीठ ने मनोज कुमार मिश्रा की याचिका को स्वीकार करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार याची को 07.03.1995 को नियमावली, 1966 के नियम 31 के अंतर्गत वैध आधार पर अंशकालिक नियुक्ति हुई थी, जो किसी भी प्रकार से नियम-विहीन नियुक्ति नहीं थी। बाद में 2003 के संशोधन द्वारा लागू नियम 21-ए ने याची के नियमितीकरण का वैधानिक अधिकार उत्पन्न कर दिया। कोर्ट ने इस बात पर विशेष ध्यान दिया कि नियम 21-ए के प्रभावी होने की तिथि (10.04.2003) से 11.10.2006 तक नियमितीकरण आदेश लागू न करने का कोई औचित्य नहीं दिखाया गया। राज्य की इस देरी से कर्मचारी को पुरानी पेंशन योजना से वंचित नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने माना कि नियम 21 ए के लागू होते ही याची का अधिकार सुरक्षित हो गया था और नियमितीकरण आदेश का प्रभाव उस तिथि से माना जाएगा, जब कर्मचारी पहली बार पत्र हुआ था, न की अधिकारियों द्वारा आदेश जारी करने की तिथि से। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि केवल नियमितीकरण आदेश की तिथि (11.10.2006) के आधार पर नई पेंशन योजना लागू मानी जाए, तो सरकार मनमाने ढंग से आदेश टालकर किसी भी कर्मचारी को पुरानी पेंशन से वंचित नहीं कर सकती है। अंत में कोर्ट ने प्रमुख सचिव नगर विकास, निदेशक स्थानीय निकाय तथा आगरा विकास प्राधिकरण को संयुक्त रूप से निर्देश दिया कि

याची की 10.04.2003 से गिनी जाने वाली सेवा के आधार पर पेंशन स्वीकृत की जाए। सेवानिवृत्ति माह के बाद से बकाया पेंशन दो माह के भीतर 6% सलाना की दर से ब्याज सहित दी जाए। ग्रेच्युटी का भुगतान भी दो माह में सुनिश्चित किया जाए तथा मासिक पेंशन अब नियमित रूप से चुकाई जाए।

बरेली में 27 मकानों के ध्वस्तीकरण पर हाईकोर्ट की रोक

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरेली के शाहाबाद (प्रेम नगर) क्षेत्र में 27 मकानों के खिलाफ प्रस्तावित ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर रोक लगा दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि बिना व्यक्तिगत सुनवाई के कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया जाएगा। यह आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति सत्य वीर सिंह की खंडपीठ ने 13 नवंबर को एक याचिका का निस्तारण करते हुए दिया। बता दें कि याचियों ने नौ अक्टूबर को जारी उन नोटिसों को चुनौती दी थी। जिनमें उनके घरों को अवैध निर्माण बताकर 15 दिनों में स्वयं हटाने का निर्देश दिया गया था। याचियों का दावा है कि नगर निगम वर्षों से उनसे कर वसूलता रहा है, फिर भी बिना सुनवाई के उन्हें अचानक नोटिस जारी कर दी गई। सुनवाई में निगम की ओर से बताया गया कि कुछ निवासियों ने पहले ही जवाब दाखिल कर दिया है और प्राधिकरण कानून के अनुसार निर्णय लेने को तैयार है। इस बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए कोर्ट ने सभी याचियों को चार सप्ताह के भीतर अपना व्यक्तिगत जवाब दाखिल करने का अवसर दिया, साथ ही सक्षम प्राधिकारी को निर्देश दिया कि वह व्यक्तिगत सुनवाई के बाद तर्कसंगत व स्पष्ट आदेश पारित करें और पूरी कार्यवाही दो माह में पूरी करें। कोर्ट ने यह भी कहा कि निर्णय होने तक या तीन माह की अवधि तक, याचियों द्वारा किए गए निर्माणों के विरुद्ध कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। कोर्ट ने अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता व नगर निगम के अधिवक्ता को निर्देश दिया कि वे जिला प्रशासन को तुरंत सूचित करें, जिससे आदेश का तत्काल अनुपालन सुनिश्चित हो सके।

गौरतलब है कि बरेली नगर निगम ने अक्टूबर में नोटिस जारी करते हुए कहा था कि 27 मकान नगर निगम की जमीन पर अवैध रूप से बनाए गए हैं और ध्वस्तीकरण व एफआईआर जैसी कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। यह कदम 26 सितंबर को इस्लामिया ग्राउंड के पास 'आई लव मुहम्मद' विवाद को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के बाद शुरू किए गए व्यापक अभियान का हिस्सा था।

हाटा में बिना पंजीकरण चल रहे निजी अस्पताल में मरीज की मौत

कुशीनगर, अमृत विचार। जिले के हाटा स्थित कृष्णा हॉस्पिटल में पाइल्स के ऑपरेशन के बाद 45 वर्षीय मरीज राज मोहम्मद की मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। इस घटना के बाद प्रशासन ने अस्पताल में ताला लगा दिया है। कप्तानगंज के मंगल बाजार निवासी राज मोहम्मद का पाइल्स का ऑपरेशन कृष्णा हॉस्पिटल में एक दिन पूर्व हुआ था। परिजनों के अनुसार, ऑपरेशन के बाद सामान्य थी, लेकिन सोमवार सुबह उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। सुबह करीब 8 बजे परिजन उन्हें गोरखपुर लेकर निकले, लेकिन रास्ते में ही उनकी हालत और बिगड़ गई। परिजन राज मोहम्मद को गोरखपुर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां से एम्स गोरखपुर रेफर कर दिया गया। एम्स पहुंचने पर डॉक्टरों ने राज मोहम्मद को मृत घोषित कर दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी हाटा अजय कुमार सिंह ने बताया कि कृष्णा हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन नहीं है। वहीं कुशीनगर सीएमओ अनुपम भास्कर ने बताया कि जांच कर हॉस्पिटल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में पूर्व डीजीसी व उनके पुत्र की मौत

संवाददाता, संतकबीरनगर।

पूर्व डीजीसी फौजदारी आनन्द कुमार राय की फाइल फोटो।

अमृत विचार। जिले के वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) और उनके छोटे बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। हादसे की खबर फैलते ही कचहरी परिसर में शोक की लहर दौड़ गई।

कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के बगहिया के रहने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद कुमार राय अपने छोटे बेटे प्रसून राय के साथ सोमवार की दोपहर बाइक से गोरखपुर हार्ट की दवा लेने जा रहे थे। नौसढ़ के करीब उनकी बाइक को अज्ञात वाहन से टक्कर मार दी। हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई। इस घटना की खबर मिलते ही अधिवक्ताओं में हलचल मच गई और कचहरी परिसर में शोक की लहर दौड़ गई। शोकाकुल अधिवक्ता तत्काल खलीलाबाद स्थित बगहिया मोहल्ले में उनके आवास पहुंचने लगे। घर पर उनकी बेटी अंशु राय मौजूद थीं, जबकि परिवार के अन्य सदस्य गोरखपुर में थे। बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया। गौरतलब है कि आनंद कुमार राय का 28 सितंबर को हृदय का ऑपरेशन हुआ था और वह रूटीन चेकअप व दवा लेने गोरखपुर जा रहे थे। हादसे ने परिवार को पूरी तरह तोड़ दिया है। पत्नी, बड़े बेटे आशीष, बहू और बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है। छोटे बेटे प्रसून की अभी शादी भी नहीं हुई थी।

समस्याओं का निस्तारण कराकर अधिक से अधिक कराएं निवेश

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिला स्तरीय उद्योग बन्धु, व्यापार बन्धु की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं सीडीओ बलराम सिंह की उपस्थिति में कलेक्टेट सभागार में सम्पन्न हुई।

जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिया कि जिनका एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये हैं उनसे सम्पर्क कर उनकी समस्याओं का समाधान करायें तथा ज्यादा से ज्यादा निवेश करने के लिए प्रेरित करें। जिलाधिकारी ने व्यापारियों की समस्याओं को सुना तथा सम्बन्धित अधिकारियों को उसके निस्तारण हेतु निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को रोजगार सृजन योजना, हेतु शासन से प्राप्त लक्ष्य को पूर्ण करने तथा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों के आवेदन को अधिक से अधिक कराने का निर्देश दिया गया।

दिल्ली एवं मुंबई के लिए विशेष गाड़ियों का संचालन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग पर दिल्ली एवं मुंबई के लिए विशेष गाड़ियों का संचलन किया जायेगा। 9 दिसंबर को 05581 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष गाड़ी गोरखपुर से 23.25 बजे प्रस्थान करेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 08, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

05903 डिब्रूगढ़-आनन्द विहार टर्मिनस विशेष गाड़ी 09 दिसम्बर को डिब्रूगढ़ से 14.00 प्रस्थान करेगी। इस गाड़ी में एल.एस. एल.आर.डी. का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी/साधारण द्वितीय श्रेणी कुर्सीयान (अनारक्षित) के 04, शयनयान श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी के 10 तथा जनररेटर सह लगेज यान के 01 कोच सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे। 05029 बनारस-आनन्द विहार टर्मिनस विशेष गाड़ी 09 दिसम्बर को बनारस से 20.15 बजे प्रस्थान करेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी के 20 तथा जनररेटर सह लगेज यान के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

73वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे (पुरुष) कबड्डी चैम्पियनशिप 24 दिसंबर से

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के तत्त्वावधान में 73वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे (पुरुष) कबड्डी चैम्पियनशिप-2025-26 का आयोजन सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में 24 से 28 दिसम्बर तक किया जायेगा। इस चैम्पियनशिप में क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन इकाइयों एवं रेलवे बोर्ड टीमों से लगभग 250 राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय तथा अर्जुन अवार्ड से सम्मानित खिलाड़ी, निर्णायक एवं अधिकारी भाग ले रहे है। चैम्पियनशिप-2025 के आयोजन से पूर्वी उत्तर प्रदेश के कबड्डी प्रेमियों को उत्कृष्ट कबड्डी प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर मिलेगा।

ट्रेनों को समय पर चलाने की होती है हर मुमकिन कोशिश : अश्विनी

नई दिल्ली, अमृत विचार। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया की भारतीय रेलवे ट्रेनों को समय पर चलाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करता है। कई वजहें ट्रेनों के समय पर चलने पर असर डालती हैं, जिनमें कोहरा, रास्ते में रुकावट, एसेट मेंटेनेंस, अलार्म चेन खींचना, आंदोलन, मवेशियों का कुचल जाना और दूसरी अचानक आने वाली परिस्थितियां शामिल हैं। 2024-25 के दौरान भारतीय रेलवे पर मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की कुल समय पर चलने की क्षमता 77 .12 फीसद थी और 2025-26 अप्रैल-अक्टूबर के दौरान लगभग 80 फीसद थी। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की कुल ऑक्यूपेंसी लगभग 100 फीसद रही है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव।

ट्रेनों का अस्थाई ठहराव समाप्त

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा प्री-नॉन इंटरलॉक एवं नॉन इंटरलॉक कार्य के कारण पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल पर अमदरा स्टेशन पर पूर्व में दिया गया अस्थाई रूप से ठहराव समाप्त किया गया है। छपरा से 9 एवं 10 दिसम्बर को चलने वाली 15159 छपरा-दुर्ग एक्सप्रेस तथा दुर्ग से 10, 11 एवं 12 दिसम्बर को चलने वाली 15160 दुर्ग-छपरा एक्सप्रेस का अमदरा स्टेशन पर दिया गया ठहराव अस्थाई रूप से समाप्त किया गया है।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/पी.एस., उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ.रे.-मण्डल-वाणिज्य/उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	Pnu-LKO-SLN-Toi-148-25-1 (Pay and Use-Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	19.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	19.12.2025 समय 11:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	Pnu-LKO-PRG-Toi-24-25-2 (Pay and Use-Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	19.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	19.12.2025 समय 11:40 बजे
नीलामी का प्रकार	Closed Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3801/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

लखनऊ विकास प्राधिकरण

(ISO 14001 : 2004, ISO 9001-2008 प्रमाणित संस्था)

प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.) टोल-फ्री 1800 1800 5000 वेबसाइट "www.ldalucknow.in"

-: सार्वजनिक सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आवासीय/व्यवसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेंट-ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तांतरण/नामान्तरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया है :-

क्र. सं.	मूल आवंटी का नाम	भूखण्ड/भवन/फ्लैट संख्या	योजना का नाम व सेक्टर/खण्ड	मृत्यु दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्तिकर्ताओं के नाम	मूल आवंटी से (मृतक) का संबंध
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	श्री विजय कुमार जैन व श्रीमती कमलेश जैन	भूखण्ड संख्या-डी-2/33, सेक्टर-एल	कानपुर रोड योजना	24.04.2021 व 01.07.2019	1. श्रीमती नैना जैन 2. श्री सचिन जैन	उन्नति जैन	मृतक की पुत्रबधू मृतक का पुत्र
2.	स्व0 सोभाग्यती शुक्ला	भवन सं0-एम0एम0-1/683	विशाल खण्ड गोमती नगर योजना	15.12.2012	श्री नीरज शुक्ला	श्री योगेन्द्र कुमार शुक्ला	पुत्र, पुत्र
3.	श्री धीरज गुप्ता	भवन सं0-एस0एस0-6/ई, सेक्टर-ई	कानपुर रोड योजना	17.11.2014	1. श्रीमती दिव्या गुप्ता	——	मृतक की पत्नी
4.	स्व0 राम कुमार चौधरी	भूखण्ड संख्या-1/185	विजयन्त खण्ड गोमती नगर	26.09.2024	श्री अमित कुमार	रजिस्टर्ड वसीयत	
5.	स्व0 दिग्विजय सिंह व श्रीमती ऊषा सिंह-सहआवंटी	भूखण्ड संख्या-4/220	विजयन्त खण्ड गोमती नगर	28.03.2025	श्रीमती ऊषा सिंह	श्री अजय विक्रम सिंह श्री अतुल विक्रम सिंह	पुत्र, पुत्र

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कॉलम-6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

बहराइच : दहशत का पर्याय बना तेंदुआ पिंजरे में कैद

- बहराइच के बल्दुपुरवा, बाजपुरवा व पिपरिया क्षेत्र के निवासियों को राहत

बहराइच, अमृत विचार : बहराइच जिले के नानपारा रेंज अंतर्गत ग्राम बल्दुपुरवा में वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में दहशत का पर्याय बना तेंदुआ फंस गया। यह वही तेंदुआ है, जो विगत कई दिनों से बल्दुपुरवा, बाजपुरवा और पिपरिया क्षेत्र में दिखाई दे रहा था। रविवार की देर रात बकरी के शिकार की लालच में पिंजरे में फंसे तेंदुए को वन विभाग की टीम रेंज कार्यालय लेकर आई है।

लगातार मिल रही सूचनाओं के बाद नानपारा रेंज की टीम द्वारा क्षेत्र में सघन गश्त व तेंदुए को आबादी से दूर रखने के लिए पटाखे छोड़े जा रहे थे। शिवपुर ब्लॉक स्थित बल्दुपुरवा, बाजपुरवा व पिपरिया आदि गांवों के पास कई दिनों से तेंदुए की मौजूदगी देखी जा रही थी। बीते पांच दिसंबर को तेंदुए ने अच्छेलाल पर हमले का प्रयास किया था। इसके बाद वन विभाग ने बल्दुपुरवा के निकट बबई नदी के पास गन्ने के खेत में उसे पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया था। रविवार की देर रात पिंजरे में बंधी बकरी के शिकार की लालच में तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। वन क्षेत्राधिकारी पीयूष गुप्ता ने बताया कि वन विभाग की ओर से लगाए गए पिंजरे में करीब चार साल का नर तेंदुआ कैद हुआ है, जिसे रेंज कार्यालय लाकर उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया है उच्चाधिकारियों के निर्देश पर उसे प्राकृतिक वास में सुरक्षितछोड़ाजाएगा।

अमृत विचार की 6वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अमेठी।

पत्रांक: यू-डायस/ई0एम0आई0एस0/2224/2025-26 दिनांक 05.12.2025

विज्ञप्ति

महानिदेशक स्कूल शिक्षा, उ0प्र0 द्वारा प्रदत्त निर्देश के अनुपालन में जनपद लखनऊ में कक्षा 01 से 12 तक संचालित बेसिक शिक्षा/माध्यमिक शिक्षा विभाग/मान्यता प्राप्त विद्यालय/आई0सी0एस0ई0, सी0बी0एस0 ई0 से मान्यता प्राप्त विद्यालय, समाज कल्याण विभाग एवं अल्पसंख्यक विभाग द्वारा संचालित विद्यालय में अध्ययरत छात्र/छात्राओं की यू-डायस पोर्टल पर फीडिंग की गयी है। नामांकित छात्र/छात्राओं का GP, EP, FP किये जाने के उपरान्त ही पोर्टल के माध्यम से PEN (Permanent Education Number) का आवंटित किया जाता है। तदोपरान्त APAAR (Automated Permanent Academic Account Registry) 12 अंकों का एक यूनिक नंबर जारी होता है तथा इसकी सहायता से भविष्य में इन सभी विद्यालयों के सभी छात्र/छात्राओं की शैक्षिक प्रगति एवं उपलब्धि की ट्रैकिंग की जा सकेगी।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यू-डायस, 2025-26 पोर्टल पर नामांकित छात्र/छात्राओं का GP, EP, FP किये जाने के उपरान्त ही PEN (Permanent Education Number) आवंटित छात्र/छात्राओं का डाटा विद्यालय के एस0आर0 पंजिका के अनुसार, यदि आधार में संशोधन कराने की आवश्यता है तो उसे तत्काल सही कराते हुए यू-डायस पोर्टल पर सही एव त्रुटिरहित संशोधिम डाटा दिनांक 31 दिसम्बर, 2025 तक फीड करायें, जिससे कि छात्रों का APAAR (Automated Permanent Academic Account Registry) 12 अंकों का एक यूनिक नंबर जारी किया जा सके।

(संजय तिवारी)
जिला- बेसिक शिक्षा अधिकारी
अमेठी

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

पहले मेरा नाम RAMENDRA BABU था अब मैने बदलकर अपना नाम RAMENDRA BABU VARSHNEY रख लिया है भविष्य में मुझे RAMENDRA BABU VARSHNEY के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: RAMESH PAL GUPTA R/O : 2/8/1A, THIRD LANE BALAK RAM COLONY NIYAWAN FAIZABAD (AYODHYA)

सूचना

मेरे आधार कार्ड, पासपोर्ट आदि में मेरा नाम हाफिज रहमत अली एवं मेरे बच्चों अतीकुर रहमान, मोहम्मद कमाल एवं ताहिरा खातून के शैक्षिक अभिलेखों एवं पासपोर्ट में रहमत अली अंकित है। हाफिज रहमत अली व रहमत अली दोनो नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे ही हैं। पुत्र करामत अली नि0- नदवा कालोनी, महिपत मऊ काकोरी, लखनऊ।

सूचना

मैने अपना नाम ASGAR ALI HAZRATDIN से बदलकर ASGAR ALI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O- HAZRAT DIN SHAKOOR AHEMAD ADD-H.No-592/008, BANGALI TOLA TELIBAGH, DIST -LUCKNOW-226025 (U.P).**

सूचना

सूचित करना है कि मेरा नाम राज पाण्डेय है जो हमारे सभी शैक्षिक अभिलेखों मे दर्ज है, त्रुटिवश आधार कार्ड में वैष्णो पाण्डेय दर्ज हो गया है। अभिलेखों में मुझे राज पाण्डेय पुत्र श्री प्रकाश पाण्डेय निवासी ग्राम पंडितपुर तहसील मनकापुर जनपद गोंडा के नाम से जाना जाता है, यही नाम सही है।

सूचना

मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम महेंद्र विजय पाल सिंह पुत्र विजय पाल दर्ज है जबकि मेरी SBI बीमा पॉलिसी में मेरा नाम महेंद्र कुमार पुत्र विजय पाल दर्ज है। यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है। **महेंद्र कुमार पुत्र विजय पाल निवासी ग्राम स्वासा बुजुर्ग विकास खंड सुमेरपुर जिला हमीरपुर उ.प्र.।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि निबरा पुत्री बच्चूलाल निवासी वैनी पोस्ट ऐलो व सुषमा उर्फ निबरा पत्नी पेशकार निवासी मद्दधूपुरवा जिला बहराइच एक ही महिला का नाम है।

Notice

This is to inform the public that my real name is Shivam Tiwari, son of Vinod Tiwari, village Rampur, post Kalwara Buzurg, tehsil Rajapur, district Chitrakoot. However, my name has been mistakenly written as Dayashankar on my Aadhaar card, which is incorrect Therefore, please know me by my real name, Shivam Tiwari.Shivam Tiwari, son of Vinod TiwariVillage Rampur, Post Kalwara BujurgTehsil Rajapur, District ChitrakootUttar Pradesh, mobile number 7888805117

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र कमलेश कुमार पुत्र ज्ञानेंद्र कुमार अवस्थी के गलत चाल- चलन व कुकृत्यों से तंग आकर उससे संबंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। उसके द्वारा किये गए किसी भी गलत कृत्य व लेन-देन का वह स्वयं जिम्मेदार होगा मेरा व मेरे परिवार से उसका कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **ज्ञानेंद्र कुमार अवस्थी पुत्र पुत्तूलाल अवस्थी निवासी- म. नं.-525 इमलियाबाग चौराहा कस्बा व थाना व तहसील संडीला जिला हरदोई।**

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरे पुत्र का नाम KANISHK RAMAN SHARMA था से बदलकर KANISHK R SHARMA रख लिया है। अब मेरे पुत्र को KANISHK R SHARMA के नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-RAMAN SHARMA ADD - C.I. 603 HAMPTON APT KANPUR ROAD PICADILY HOTEL LDA COLONY DIST-LUCKNOW-226012 (U.P)**

सूचना

पहले मेरा नाम FATAMA SOGARA था, जिसे बदलकर अब मैंने अपना नाम FATMA SUGRA W/O SAYEED AHAMAD रख लिया है। अब मुझे मेरे नये FATMA SUGRA नाम से जाना व पहचाना जाये। ADD- H. NO.- 166, Usmanpur Jalalpur Ambedkar Nagar, pin-224149

सूचना

मैं बलराज पुत्र मैकू लाल निवासी ग्राम धनौली मिश्रान तहसील रामसनेहीघाट थाना असंद्रा अपने पुत्र तिलक राज व पुत्रवधू रमा देवी को गलत संगत में पड़ने के कारण उनसे संबंध विच्छेद करता हूं,एवं अपनी सभी चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य में दोनों स्वयं जिम्मेदार होंगे।

सूचना

पहले मेरा नाम MOHAMMAD ABBAS था, जिसे बदलकर अब मैंने अपना नाम MOHAMMAD HAIDER S/O ATHAR HASAN रख लिया है। अब मुझे मेरे नये MOHAMMAD HAIDER नाम से जाना व पहचाना जाये। ADD- H. NO.-213A Jafrabad Jalalpur Ambedkar Nagar-224149

सूचना

मैंने अपने पुत्र सुमित कुमार के गलत आचरण एवं चाल चलन के चलते संबंध विच्छेद कर समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके किसी भी कृत्य या लेनदेन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता या सरोकार नहीं होगा वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **अरविंद सिंह सेंगर पुत्र हाकिम सिंह सेंगर व माधुरी पत्नी अरविंद सिंह सेंगर - निवासी -नवीन बस्ती वार्ड नंबर 9 बिधूना-थाना- बिधूना -तहसील- बिधूना- जिला -औरैया।**

सूचना

मैं दिलशाद पुत्र स्व0 रज्जाक नि0 ग्राम- मुजासा, मलिहाबाद, लखनऊ अपने पुत्र मो0 अदनान को उसके आचरण से दुखी होकर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर उससे अपने सभी सम्बन्ध समाप्त करता हूँ। भविष्य में उसके किसी भी कार्य या लेन-देन की जिम्मेदारी मेरी व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों की नहीं होगी।

वंदेमातरम् से अन्याय के साथ शुरू हुआ तुष्टीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि 'वंदेमातरम्' के साथ हुआ 'अन्याय' कोई अलग-थलग घटना नहीं, बल्कि 'तुष्टीकरण की राजनीति' की शुरुआत थी, जिसे कांग्रेस ने अपनाया था और इसी राजनीति ने देश का विभाजन कराया। लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा में भाग लेते हुए सिंह ने कहा कि यह सच स्वीकार करना पड़ेगा कि वंदे मातरम के साथ जो न्याय होना चाहिए था, वह नहीं हुआ।

रक्षामंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आजाद भारत में राष्ट्र गान और राष्ट्रीय गीत को एक समान दर्जा देने की बात थी, लेकिन (राष्ट्रीय गीत) वंदे मातरम् को 'खंडित' किया गया। सिंह ने कहा कि वह धरती, (बंगाल) जिस पर वंदे मातरम् की रचना हुई, उसी धरती पर कांग्रेस ने इसे खंडित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम के साथ हुआ अन्याय अलग-थलग घटना नहीं थी, यह तुष्टीकरण की राजनीति की शुरूआत थी, जिसे कांग्रेस ने अपनाया। इसी राजनीति ने देश का विभाजन कराया।

सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् स्वयं में पूर्ण है लेकिन इसे अपूर्ण बनाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि इसका गौरव लौटाना समय की मांग और नैतिकता का तकाजा है। हम सभी को मिलकर सोचना चाहिए कि क्या संविधान में नया दायित्व नहीं जोड़ा जा सकता कि राष्ट्रगान की तरह राष्ट्रगीत को सम्मान दिया जाए। सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् और बंकिमचंद्र चटर्जी की पुस्तक 'आनंद मठ' कभी भी इस्लाम के विरुद्ध नहीं था। उन्होंने दावा किया कि आज पश्चिम बंगाल से बहुत से परिवारों को पलायन करना पड़ रहा है और ऐसा तृणमूल कांग्रेस की विभाजनकारी राजनीति, घुसपैठियों को शरण देने की राजनीति के कारण हुआ है।

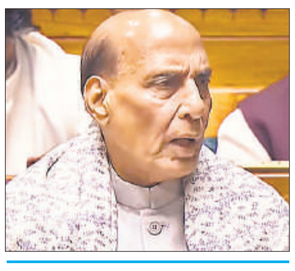

• राजनाथ बोले- राष्ट्रगान व राष्ट्रीय गीत को समान दर्जा देना था, पर वंदे मातरम् को किया गया खंडित

वंदे मातरम् से हमें एनर्जी, कांग्रेस को एलर्जी : ठाकुर

भाजपा के सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि वंदे मातरम से हमें एनर्जी मिलती है, वहीं विपक्षी दल को इससे एलर्जी होती है। लोकसभा में ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने वंदे मातरम् के शताब्दी वर्ष पर आपातकाल लगाकर देश को अंधेरे में पहुंचाया। आज स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे मातरम् के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को देश के सामने रखा। उन्होंने प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान, सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी के अनुपस्थित रहने का जिक्र करते हुए कहा कि वंदे मातरम् गीत नहीं राष्ट्रीय प्रीत है इसलिए कांग्रेस इससे भयभीत है। जब चर्चा शुरू हुई तो उस परिवार के दो सदस्य सदन में ही उपस्थित नहीं थे जिसे दशकों तक नेतृत्व का मौका मिला।

कोई कोशिश करें मोदी, नेहरू पर दाग नहीं लगा सकते

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर वंदे मातरम् पर चर्चा को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री और भाजपा के लोग जितनी भी कोशिश कर लें, पंडित जवाहरलाल नेहरू के योगदान पर दाग नहीं लगा सकते। उन्होंने सदन में चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा, भाजपा के राजनीतिक पूर्वजों का आजादी की लड़ाई में कोई योगदान नहीं रहा।

गोगोई ने कहा कि कांग्रेस ने सबसे पहले वंदे मातरम् का उद्घोष किया था। कांग्रेस सांसद ने कहा, मैंने प्रधानमंत्री के भाषण को गौर से सुना। उनके दो उद्देश्य थे। उनका पहला उद्देश्य यह बताने का प्रयास करने का था कि आपके (सत्तापक्ष) राजनीतिक पूर्वज अंग्रेजों के खिलाफ लड़ रहे थे। उनका दूसरा उद्देश्य इस चर्चा को राजनीतिक रंग देने का था। गोगोई ने कहा कि प्रधानमंत्री अपने हर वक्तव्य में कांग्रेस और नेहरू का बार-बार उल्लेख करते हैं। गोगोई का कहना था कि इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सदन में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के दौरान नेहरू का नाम 14 बार लिया और कांग्रेस का नाम 50 बार लिया।

उन्होंने कहा, आप जितनी कोशिश कर लें, आप उनके योगदान पर एक भी काला दाग लगाने में सफल नहीं होंगे। कांग्रेस नेता ने ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा, मुस्लिम लीग यह कहना चाहती थी कि पूरे वंदे मातरम् का बहिष्कार करना चाहिए और उस समय मौलाना अबुल कलाम आजाद ने स्वयं कहा था कि उन्हें वंदे मातरम् में कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने अपने एक अधिवेशन में यह फैसला किया कि जहां भी कोई आयोजन होगा हम वंदे मातरम् गाएंगे। गोगोई का कहना था, इसका विरोध मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा ने किया था तथा कांग्रेस की आलोचना की थी।

• लोकसभा में गोगोई ने कहा- मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा ने किया था वंदे मातरम् का विरोध

आडवाणी, जसवंत ने की थी जिन्ना की तारीफ

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पंडित नेहरू पर तुष्टिकरण के आरोप लगाए जा रहे हैं। लेकिन क्या प्रधानमंत्री, जो इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने में माहिर हैं, इन सवालों का जवाब देंगे। उन्होंने कहा, वह कौन-से भारतीय नेता थे जिन्होंने 1940 के दशक की शुरुआत में बंगाल में उस व्यक्ति के साथ गठबंधन सरकार बनाई थी, जिसने मार्च 1940 में लाहौर में पाकिस्तान प्रस्ताव पेश किया था, जवाब है श्यामा प्रसाद मुखर्जी। रमेश ने कहा, वह कौन से भारतीय नेता थे जिन्होंने जून 2005 में कराची में जिन्ना की खुलकर तारीफ़ की थी, जवाब- लाल कृष्ण आडवाणी। वह कौन-से भारतीय नेता थे जिन्होंने अपनी 2009 में प्रकाशित पुस्तक में जिन्ना की प्रशंसा की थी, जवाब- जसवंत सिंह।

नेशनल ब्रीफ

हार में लगे जीपीएस की मदद से लापता बुजुर्ग महिला मिली

मुंबई। दक्षिण मुंबई में शाम की सैर के दौरान 79 वर्षीय एक महिला अचानक लापता हो गयी थी। महिला के पोते ने उनके हार में जीपीएस ट्रैकर लगाया हुआ था, जिसकी बदौलत उन्हें एक अस्पताल में ढूंढ लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि तीन दिसंबर को सेवरी इलाके में एक दोपहिया वाहन ने सायरा बी ताजुद्दीन मुल्ला को टक्कर मार दी, जिसके बाद कुछ राहगीरों ने उन्हें नगर निगम द्वारा संचालित केईएम अस्पताल पहुंचाया। जब महिला घर नहीं पहुंची तो उनके परिवार वाले घबरा गये। उनके पोते मोहम्मद वसीम अयूब मुल्ला ने उनके हार में लगाए गए जीपीएस उपकरण को सक्रिय कर दिया, जिससे पता चला कि महिला सेवरी से पांच किमी दूर परेल के केईएम अस्पताल में है। वसीम और परिवार के अन्य सदस्य तुरंत अस्पताल पहुंचे।

कश्मीर: नाबालिग से बलात्कार के आरोप में शिक्षक गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक नाबालिग से कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में सोमवार को एक मदरसा शिक्षक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि आरोपी की पहचान चैल्लर गांव के नासिर मजीद के रूप में हुई है, जिसे गंदोह इलाके में मदरसा दार-उल-कुरान में कथित घटना के संबंध में शिकायत मिलने के तीन घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। अधिकारी ने कहा कि जांच शुरू करने के लिए एक विशेष दल का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि अपराध को अंजाम देने के बाद आरोपी छिप गया।

बार काउंसिल चुनावों में 30% सीटें महिलाओं के लिए की जाएं आरक्षित

सुप्रीम कोर्ट ने लैंगिक समानता कायम रखने के लिए राज्यों को दिया निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कानूनी पेशे में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़े कदम के तहत सोमवार को कहा कि जिन राज्यों की बार काउंसिलों में चुनाव अभी अधिसूचित नहीं हुये हैं, उनमें 30 प्रतिशत सीटें महिला वकीलों के लिए आरक्षित होनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि मौजूदा चुनाव प्रक्रिया के लिए 20% सीटें चुनी हुई महिला सदस्यों द्वारा भरी जाएंगी और 10% सह विकल्प से भरी जायेंगी।

न्यायालय ने कहा कि जिन मामलों में महिला उम्मीदवारों की संख्या कम है, वहां सह विकल्प का प्रस्ताव उसके सामने रखा जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने हालांकि स्पष्ट किया कि उन छह राज्य बार काउंसिल में कोई आरक्षण लागू नहीं होगा, जहां चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। ये राज्य आंध्र प्रदेश, पंजाब और हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, बिहार और छत्तीसगढ़ हैं। इसके बावजूद, पीठ ने इन राज्यों के अधिवक्ता मतदाताओं से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि महिलाओं को उनके वोटों के माध्यम से पर्याप्त और सार्थक प्रतिनिधित्व मिले। न्यायालय ने कानूनी पेशे में महिलाओं को ऊपर उठाने के लिए सक्रिय कदम उठाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया।

सोनम वांगचुक ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश होने की मांगी अनुमति, केंद्र का विरोध

केंद्र ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की ओर से दाखिल उस अर्जी का विरोध किया जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत उनकी हिरासत से संबंधित मामले में जोधपुर जेल से वीडियो कांफ्रेंस (वीसी) के जरिये पेश होने का अनुरोध किया है। शीर्ष अदालत वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अंगमो के अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एन वी अंजारिया की पीठ को बताया कि कार्यकर्ता जेल से वीसी से जुड़ना चाहते हैं और इसकी अनुमति मांगी है।

यौन उत्पीड़न के मामलों में असंवेदनशील न्यायिक टिप्पणियों पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि यौन उत्पीड़न के मामलों में असंवेदनशील न्यायिक टिप्पणियों का पीड़ितों, उनके परिवारों और समग्र समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। न्यायालय ने कहा कि वह उच्च न्यायालयों और अधीनस्थ अदालतों को ऐसे मामलों में टिप्पणियां करने और आदेश पारित करने को लेकर व्यापक दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर सकता है।

सीजेई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 17 मार्च के आदेश में की गई असंवेदनशील टिप्पणियों का संज्ञान लेने के बाद शुरू की गई स्वतः संज्ञान कार्यवाही की सुनवाई की। इस दौरान वकीलों ने बताया कि कई उच्च न्यायालयों ने हाल ही में यौन उत्पीड़न के मामलों में इसी तरह की मौखिक और लिखित टिप्पणियां की हैं।

• कहा- नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है ऐसी टिप्पणियों का

एक हस्तक्षेपकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने कहा कि हाल ही में एक अन्य मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने टिप्पणी की थी कि चूंकि रात हो चुकी थी, इसलिए यह अभियुक्तों के लिए आमंत्रण था। उन्होंने कलकत्ता और राजस्थान उच्च न्यायालयों के ऐसे ही अन्य मामलों का भी हवाला दिया। एक अन्य वकील ने सोमवार को एक निचली अदालत की एक ताजा घटना की ओर इशारा किया, जहां बंद कमरे में सुनाई के बावजूद कई लोग मौजूद थे और सुनवाई के दौरान पीड़िता को कथित तौर पर परेशान किया गया।

यूपी के डीआईजी संजीव त्यागी के ऑडियो क्लिप की जांच का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक ऑडियो क्लिप की फॉरेंसिक जांच का आदेश दिया, जिसमें उत्तर प्रदेश के एक पुलिस अधिकारी को मुसलमानों के खिलाफ सांप्रदायिक टिप्पणी करते हुए सुना जा सकता है। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने उस वरिष्ठ मुस्लिम नागरिक के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही भी रद्द कर दी, जिसने इस क्लिप को प्रसारित करके इसकी प्रामाणिकता की पुष्टि की मांग की थी। यह ऑडियो क्लिप कथित तौर पर संजीव त्यागी की है जो वर्तमान में डीआईजी के रूप में कार्यरत हैं। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता इस्लामुद्दीन अंसारी के खिलाफ मुकदमा चलाना पूरी तरह पुलिस प्राधिकार और न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। यूपी सरकार ने नोटिस जारी करने के बाद स्वयं ही मामले को वापस लेने की मांग की थी।

आसमान में भी दिखाई नौसेना ने जांबाजी

नौसेना के जवानों ने सोमवार को मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर नौसेना दिवस बीटिंग रिट्रीट और टैटू समारोह से पहले रिहर्सल में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने हैरतअंगेज करतब दिखाए।

अनंत अंबानी को ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड मिला

नई दिल्ली/वॉशिंगटन। वन्यजीवों की सुरक्षा और जानवरों की देखभाल में महत्वपूर्ण काम के लिए अनंत अंबानी को अमेरिका में 'ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड' दिया गया है। इस अवॉर्ड को पाने वाले वह सबसे युवा और पहले एशियाई व्यक्ति हैं।

इससे पहले यह सम्मान जॉन एफ कैनेडी और बिल क्लिंटन जैसे बड़े नेताओं को मिला है। यह सम्मान अनंत अंबानी को उनके प्रोजेक्ट 'वनतारा' के जरिए जानवरों के बचाव, इलाज और संरक्षण के काम के लिए दिया गया। वनतारा दुनिया के सबसे बड़े और अनोखे वन्यजीव संरक्षण केंद्रों में गिना जाता है। यहां घायल या संकट में पड़े जानवरों को नई जिंदगी देने का काम होता है। कार्यक्रम के आयोजकों ने कहा कि वनतारा ने पशु कल्याण का नया ग्लोबल बेंचमार्क बनाया है। उनके अनुसार, यह सिर्फ रेस्क्यू सेंटर नहीं, बल्कि जानवरों की पूरी देखभाल का मॉडल है, जिसे दुनिया मिसाल के तौर पर देख रही है। अनंत अंबानी ने कहा, यह सम्मान मुझे सभी जीवों के हित में और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।

नवजोत कौर की प्राथमिक सदस्यता की गई निलंबित

चंडीगढ़। 'मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए 500 करोड़ रुपये' वाली टिप्पणी करके राजनीतिक विवाद खड़ा करने वालीं नवजोत कौर सिद्धू की पंजाब कांग्रेस ने प्राथमिक सदस्यतासोमवार शाम निलंबित कर दी। नवजोत कौर पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिद्धू की पत्नी हैं।

पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने एक आदेश में कहा, नवजोत कौर सिद्धू को तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित किया जाता है। शनिवार शाम पत्रकारों से बात करते हुए नवजोत कौर सिद्धू ने कहा कि अगर कांग्रेस उनके पति को पंजाब में पार्टी का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करती है तो वह सक्रिय राजनीति में लौट आएंगे। उन्होंने आगे कहा कि उनके पास किसी पार्टी को देने के लिए पैसा नहीं है, लेकिन वे पंजाब को एक स्वर्णिम राज्य में बदल सकते हैं। राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों पर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात के बाद शनिवार को उन्होंने कहा, हम हमेशा पंजाब और पंजाबियत की बात करते हैं, लेकिन हमारे पास 500 करोड़ रुपये नहीं हैं, जो हम मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के लिए दे सकें।

उम्मीद पर 5.17 लाख वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण, 2.16 लाख को मंजूरी

नई दिल्ली। वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को तैयार किए गए 'उम्मीद' पोर्टल पर 5.17 लाख संपत्तियों का पंजीकरण हुआ, जिनमें से छह महीने की समय सीमा के दौरान 2,16,905 संपत्तियों को नामित अनुमोदकों द्वारा मंजूरी दे दी गई है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने छह जून 2025 को इस केंद्रीय पोर्टल की शुरुआत की थी और वक्फ अधिनियम, 1995 तथा उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, संपत्तियों का विवरण अपलोड करने की छह महीने की समय सीमा छह दिसंबर 2025 को आधिकारिक रूप से समाप्त हो गई। मंत्रालय ने बताया कि अंतिम समय सीमा नजदीक आते ही पंजीकरण की गति में काफी तेजी आई।

अमेरिका के वकील ने मांगा अहमदाबाद विमान हादसे का फ्लाइट रिकॉर्डर डेटा

अहमदाबाद, एजेंसी

अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे में अपने परिजनों को खोने वाले 130 परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले अमेरिकी विमानन वकील माइक एंड्रयूज ने केंद्र सरकार से फ्लाइट रिकॉर्डर डेटा जारी करने का आग्रह किया है।उन्होंने कहा है कि इससे पारदर्शिता आएगी और परिवारों को कानूनी विकल्पों पर विचार करने में मदद मिलेगी।

एंड्रयूज ने हाल में हादसे में एकमात्र जीवित बचे शख्स विश्वास कुमार रमेश के 'बीबीसी' को दिए एक साक्षात्कार का हवाला दिया।

• कहा- पारदर्शिता आएगी, प्रभावित परिवारों की कानूनी मदद होगी

उन्होंने कहा कि दुर्घटना से ठीक पहले हरी हुई विमान के अंदर टिमटिमाती लाइट बताती हैं कि मुख्य विद्युत प्रणाली अज्ञात कारणों से आपातकालीन या बैकअप सिस्टम पर स्विच हो गई थी। एअर इंडिया की लंदन गैटविक जा रही उड़ान संख्या एआई 171 सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। दुर्घटना में विमान में सवार 242 लोगों में से 241 लोग मारे गए। जमीन पर 19 लोग मारे गए। विश्वास एकमात्र यात्री थे, जो हादसे में बच गए।

माइक एंड्रयूज ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद गुजरात की अपनी दूसरी यात्रा के दौरान सोमवार को कहा, मैं भारत सरकार से फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर जारी करने की अपील करता हूं, ताकि हमारे विशेषज्ञ स्वतंत्र मूल्यांकन कर सकें। मुझे लगता है कि इन परिवारों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात पारदर्शिता है। उन्होंने अगस्त में अहमदाबाद, वडोदरा और सूरत शहरों का दौरा किया था और अपनी पहली यात्रा के दौरान कुछ दुर्घटना के पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात की थी।

सिवनी में प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त

सिवनी। मध्यप्रदेश की सुकतारा हवाई पट्टी से करीब दो किलोमीटर दूर एक प्रशिक्षण विमान सोमवार शाम दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पायलट और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया।

एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर आमगांव के खेतों के पास 33 केवी वाले बिजली के तार से टकराने के बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अकादमी के प्रतिनिधियों ने पुलिस को बताया कि विमान का इंजन उड़ान के लिए जरूरी ऊर्जा नहीं बना पा रहा था, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। घटना शाम छह बजकर 25 मिनट पर हुई जब जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर सिवनी-नागपुर मार्ग पर सुकतारा हवाई पट्टी से दो किमी दूर आमगांव के खेतों के पास हुई।

जासूसी के शक में पकड़े गए चीनी का फोन जांच को भेजा

श्रीनगर। वीजा नियमों का उल्लंघन कर लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में सामरिक महत्व के स्थानों का दौरा करने के आरोप में हिरासत में लिए गए एक चीनी नागरिक के मोबाइल फोन को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। हू कांगताई नाम के 29 वर्षीय इस शख्स को हिरासत में रखा गया है क्योंकि उसने अपनी यात्रा का कारण नहीं बताया।

कांगताई को तब हिरासत में लिया गया जब सेना की एक इकाई ने इंटरनेट पर एक असामान्य बातचीत देखी। अधिकारियों ने पाया कि उसकी 'ब्राउजिंग हिस्ट्री' से कश्मीर घाटी में अर्धसैनिक बलों की तैनाती में रुचि का संकेत है, जिससे उन्हें पिछले महीने के अंत में लद्दाख में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जांस्कर क्षेत्र की उसकी यात्रा के उद्देश्य का पता लगाने में मदद मिली। उन्होंने बताया कि जांच एजेंसियां यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि कांगताई ने श्रीनगर आने से पहले अपने फोन में दर्ज जानकारी तो नहीं हटाई है।

वह 19 नवंबर को पर्यटक वीजा पर भारत आया था। अधिकारियों के अनुसार, उसने खुले बाजार से एक भारतीय सिम कार्ड का इंतजाम किया था। वह श्रीनगर में भी एक अपंजीकृत गेस्ट हाउस में ठहरा था और हरवान में एक बौद्ध धार्मिक स्थल पर गया था जहां पिछले साल एक मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का एक आतंकवादी मारा गया था।

नाइट क्लब हादसे के बाद फुकेत भागे सौरभ-गौरव

पणजी, एजेंसी

गोवा के नाइट क्लब में आग लगने की घटना के कुछ घंटे बाद ही उसके मालिक और मुख्य आरोपी सौरभ और गौरव लूथरा फुकेत भाग गए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गोवा पुलिस ने सौरभ और गौरव लूथरा को पकड़ने के लिए सीबीआई के इंटरपोल प्रभाग से समन्वय स्थापित किया हैं।

गोवा पुलिस के अनुरोध पर खुफिया ब्यूरो (बीओआई) ने 7 दिसंबर तक उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था। अधिकारी ने कहा कि मुंबई स्थित आव्रजन ब्यूरो से संपर्क किया गया और पाया गया कि दोनों घटना के तुरंत 7 दिसंबर को सुबह 5.30 बजे फुकेत भाग गए थे। गोवा पुलिस गौरव और सौरभ के दिल्ली वाले घर पहुंची, चूंकि वे नहीं थे, इसलिए के गेट पर कानून की उचित धाराओं के तहत नोटिस चिपका दिया गया।

गोवा अग्निकांड

जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित

सरकार ने नाइट क्लब की घटना की जांच करने के लिए सोमवार को मजिस्ट्रेट जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की। अवर सचिव (गृह) मंथन मनोज नाइक ने उत्तरी गोवा के जिलाधिकारी अंकित यादव की अध्यक्षता में जांच समिति गठित करने का आदेश जारी किया। समिति के सदस्यों में दक्षिण गोवा के पुलिस अधीक्षक टीकम सिंह वर्मा, फोरेंसिक विज्ञान निदेशक आशुतोष आप्टे और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के उप निदेशक राजेंद्र हलर्नकर शामिल हैं।

घर सार्वजनिक स्थान नहीं, एससी एसटी का केस रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी)अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के तहत अपराध के आरोपियों के खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि शिकायतकर्ता के घर को सार्वजनिक स्थल नहीं माना जा सकता।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने आरोपियों द्वारा इलाहाबाद हाईकोर्ट के इस वर्ष जुलाई के आदेश को चुनौती देने के लिए दाखिल अपील पर फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान अधीनस्थ अदालत के आदेश को बरकरार रखा था।

राज्यसभा में उठाया गया गुमराह करने वाले विज्ञापनों का मुद्दा

स्वाति मालीवाल ने देश में खाद्य पदार्थों में जानलेवा होने तक की हद मिलावट का उठाया मामला

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) की सदस्य स्वाति मालीवाल ने खाद्य पदार्थों के गुमराह करने वाले विज्ञापनों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि ऐसे विज्ञापनों में जो दावे किए जाते हैं, उत्पादों की स्थिति अक्सर उनके उलट होती है। इससे लोग बीमारियों के शिकार होते हैं और कई बार उनकी जिंदगी तक दांव पर लग जाती है।

मालीवाल ने विशेष उल्लेख के जरिए यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, हम रोज टीवी पर गुमराह करने वाले विज्ञापन देखते हैं। विज्ञापन में कहा जाता है कि चॉकलेट हेल्थ ड्रिंक बच्चों को मजबूत बनाता है लेकिन सच्चाई यह है इसके 100 ग्राम पाउडर में 40 ग्राम चीनी होती है। मतलब करीब आधा डिब्बा शुगर होता है। उन्होंने कहा कि मां 'हेल्थ ड्रिंक' समझकर अपने बच्चों को चीनी का घोल पिला रही हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह आटा नूडल्स भी है जिसमें आटे के स्थान पर मैदा और पाम आयल होता है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार जूस में फल नहीं सिर्फ चीनी और रंग होता है। उन्होंने काजू बिस्कुट और बुजुर्गों के लिए बने प्रोटीन पाउडर का भी जिक्र किया और कहा कि इनके बारे में भ्रामक विज्ञापन होता है।

मेडिकल शिक्षा के लिए 13 लाख छात्र पात्र, देश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीटें सिर्फ एक लाख

विशेष उल्लेख के जरिए ही कांग्रेस सदस्य नीरज डांगी ने मेडिकल शिक्षा से जुड़ा मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि नीट-यूजी का आयोजन करने वाली संस्था एनटीए ने 2024 में कहा कि 13 लाख से अधिक छात्र मेडिकल शिक्षा के लिए पात्र पाए गए। कांग्रेस सदस्य ने कहा कि देश में 702 सरकारी मेडिकल कॉलेज हैं जिनमें कुल सीटों की संख्या करीब एक लाख है। उन्होंने कहा कि शेष 12 लाख छात्रों में से कई छात्र मेडिकल पढ़ाई के लिए निजी मेडिकल कॉलेजों का सहारा लेते हैं जहां पढ़ाई का खर्च प्रति सीट डेढ़ करोड़ रुपये तक होता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में बड़ी संख्या में छात्र रूस, यूक्रेन, जार्जिया सहित अन्य देशों का रुख करते हैं जहां मेडिकल पढ़ाई का खर्च निजी कॉलेजों की तुलना में काफी कम है।

मालीवाल ने कहा कि इन उत्पादों को लोग स्वास्थ्यवर्धक समझ कर खा रहे हैं लेकिन वही धीरे-धीरे उन्हें धीरे-धीरे डायबिटीज, हृदय रोग, मोटापा और उक्त रक्तचाप आदि का कारण बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि पान मसाला में भी यही तकनीक अपनाई जाती है और पैकेट में केसर एवं चांदी होने की बात की जाती है। उन्होंने कहा कि मशहूर हस्तियां करोड़ों रुपए लेकर इनका विज्ञापन करती है लेकिन शायद ही वे इनका उपयोग करती हों। उन्होंने कहा कि ऐसे धोखे के कारण ही देश में मुंह के कैंसर के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है।

सिर्फ वही समाधान सार्थक होते हैं, जो लोग स्वयं खोज लेते हैं।

-सत्यजीत रे, फिल्मकार

लापरवाही की आग

गोवा के एक नाइट क्लब में हुआ भीषण अग्निकांड, जिसने 25 निरपराध लोगों की जान ले ली, जिसमें प्रदेश के दो लोग भी शामिल हैं, केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि प्रशासनिक उदासीनता, नियमों की अवहेलना और लालच में अंधे व्यावसायिक मॉडल का भयावह परिणाम है। असली दोषी केवल इलेक्ट्रॉनिक पटाखे या क्लब प्रबंधन नहीं, बल्कि वह पूरा तंत्र है, जिसने अवैधता को वर्षों तक पनपने दिया और निरीक्षण की मूल जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा। हैरत की बात है कि यह हादसा पर्यटक सीजन के चरम पर हुआ, जब सरकार को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए थी।

गोवा की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा पर्यटन पर निर्भर है, अतः भीड़भाड़, नाइट लाइफ़ और मौसमी गतिविधियों के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का और अधिक कठोरता से पालन स्वाभाविक अपेक्षा है, लेकिन हुआ इसका उलटा। निरीक्षण शिथिल, निगरानी सतही और अवैध प्रतिष्ठानों की भरमार। यह तथ्य कि क्लब के पास न तो कंस्ट्रक्शन लाइसेंस था, न फायर एनओसी और पंचायत ने अवैध निर्माण का नोटिस भी थमा रखा था, फिर भी क्लब निर्बाध रूप से संचालित होता रहा- पूरे प्रशासनिक ढांचे पर गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या कारण था कि कार्रवाई नहीं हुई? क्या यह ढिलाई जानबूझकर बरती गई? या स्थानीय प्रभाव, राजनीतिक संरक्षण और व्यावसायिक हितों के चलते नियमों को हवा में उड़ा दिया गया? कोई भी उत्तर हो- जिम्मेदारी शासन तंत्र पर ही आती है। क्लब का पणजी से 25 किलोमीटर दूर होना शायद क्लब प्रबंधन को यह गलत भरोसा दे गया कि निरीक्षण टीमें इतनी दूर तक बार-बार नहीं आएंगी। यह मानसिकता कि नियमों की पकड़ कमजोर है, भारत में ऐसी दुर्घटनाओं की जड़ है। बैकवॉटर किनारे स्थित इस क्लब में संकरे एंट्री-एग्ज़िट गेट और बेसमेंट में बिना वेंटिलेशन के निर्माण की अनुमति कैसे मिली? दमघोंटू धुएं के कारण हुई मौतें साफ बताती हैं कि भवन निर्माण और आंतरिक सज्जा के मानकों को बर्बर ढंग से नजरअंदाज किया गया था। कई प्रतिष्ठान संगीत, नृत्य, शराब परोसने और बड़े आयोजन चलाने के लिए आवश्यक लाइसेंस लिए बिना ही 'छद्म' व्यापार चलाते हैं। सरकार का यह कहना कि अब सभी क्लबों का सुरक्षा ऑडिट किया जाएगा- एक त्रासदी के बाद जागने जैसा हास्यास्पद और अस्वीकार्य है।

सामान्यतः सुरक्षित माना जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक पटाखों को भीड़भाड़, संकरी जगहें और ज्वलनशील सजावट जोखिमपूर्ण बना सकती है, ऐसे में विवाह समारोहों और बंद हॉल में इनके इस्तेमाल पर गंभीर पुनर्विचार होना चाहिए। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि इस घटना का प्रभाव गोवा की साख पर कितना पड़ेगा? यदि सुरक्षा को लेकर राज्य की यह उदासीनता बनी रही, तो पर्यटकों की संख्या और गिरना अवश्यंभावी है, जिसका व्यापक आर्थिक असर पड़ेगा। सुरक्षा बैरियर, निरीक्षण प्रणाली, लाइसेंस सत्यापन और आपातकालीन प्रतिक्रिया- इन सबका कड़ाई से पालन ही जीवन बचाता है। यह घटना कड़ी चेतावनी है कि किसी भी राज्य को यह भूल नहीं करनी चाहिए कि मनोरंजन या राजस्व कभी भी मानव जीवन से बड़ा नहीं हो सकता। उम्मीद है, सरकारें इस पर ध्यान देंगी।

प्रसंगवश

सामूहिक बुद्धिमत्ता का मानचित्र

भारत का भू-सांस्कृतिक मानचित्र केवल एक नक्शा नहीं, बल्कि मिट्टी, जल, खेती, परंपराओं, समुदायों और सांस्कृतिक व्यवहारों की सामूहिक बुद्धिमत्ता का मानचित्र है। यह उस भारत का प्रतिरूप है, जिसकी बनावट केवल भौगोलिक सीमाओं से नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से विकसित एक जीवंत सांस्कृतिक पारिस्थितिकी से होती है। जिस समय दुनिया जलवायु संकट, जैव विविधता के क्षरण और असंतुलित शहरीकरण की मार झेल रही है, उस समय भारत का यह भू–सांस्कृतिक दृष्टिकोण विकास की नई दिशा का आधार बन सकता है।

कुमार सिद्धार्थ

वरिष्ठ पत्रकार

आधुनिक विकास मॉडल ने प्रकृति और संस्कृति के बीच जन्मे उस संतुलन को लगातार पीछे धकेला, जो भारतीय जीवन पद्धति की आत्मा था। बीते दो शताब्दियों में आर्थिक वृद्धि के नाम पर वह दृष्टि हावी हुई, जिसने जल, भूमि और समुदायों को संसाधन भर मान लिया। परिणाम यह हुआ कि भारत की अर्थव्यवस्था में कभी 32 प्रतिशत तक योगदान देने वाला प्रकृति संस्कृति का साझा योग घटकर मात्र चार प्रतिशत तक पहुंच गया है। इस पृष्ठभूमि में भू-सांस्कृतिक मानचित्रण का विचार न केवल वैज्ञानिक महत्त्व रखता है, बल्कि भारत के भविष्य की दिशा तय करने वाला सांस्कृतिक दस्तावेज भी बन सकता है।

भू-सांस्कृतिक मानचित्र की अवधारणा यह स्वीकार करती है कि भारत को सिर्फ 15 एग्रो–क्लाइमेटिक ज़ोन में बांटकर नहीं समझा जा सकता। देश की मिट्टी, नमी, स्थलरूप, ऋतु–चक्र, कृषि–पद्धति, बोली–भाषाएं, लोक–ज्ञान और सामुदायिक ढांचे इतनी विविधता लिए हुए हैं कि वास्तविकता में यहां 86 से अधिक भू-सांस्कृतिक क्षेत्र मौजूद हैं। इन क्षेत्रों की पहचान सात प्रमुख मानकों के आधार पर की जाती है। मिट्टी का प्रकार, जल–उपलब्धता, खेती, प्राकृतिक वनस्पतियां, पारंपरिक पेशे, सांस्कृतिक व्यवहार और सामुदायिक जल–प्रबंधन। इन सभी तत्वों के संगम से बनने वाले प्रत्येक क्षेत्र का चरित्र विशिष्ट होता है और वही इसे भू–सांस्कृतिक इकाई बनाता है।

इस अवधारणा की चर्चा हाल ही में नई दिल्ली स्थित इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी में आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में हुई, जहां देशभर के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, अर्थशास्त्रियों, डिज़ाइन विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसे भारत के भविष्य की दिशा के रूप में रेखांकित किया। विकास बनाम पुनर्जनन के संदर्भ में नये नजरिए को विकसित करने के लिए जल चेतना वाहक एवं जानकार डॉ. राजेंद्र सिंह ने भू–सांस्कृतिक मानचित्र की संकल्पनना का एक खाका सामने रखा, जो विकास की पुरानी दृष्टि से बाहर आकर प्रकृति और संस्कृति के पुनर्जनन को केंद्र में होने की पैरवी करता है। ये आत्मनिर्भर भारत का मूल मार्ग होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर मधुलिका बैनर्जी बताती हैं कि शिक्षा व्यवस्था ने लोक ज्ञान को उपेक्षित किया है, जबकि भारतीय समाज प्रकृति और संस्कृति के सह अस्तित्व पर टिका है। एनसीईआरटी के विशेषज्ञों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि स्थानीय भू-सांस्कृतिक अध्ययन को पाठ्यक्रम में शामिल किए बिना शिक्षा को वास्तविक जीवन से नहीं जोड़ा जा सकता। पर्यावरणीय अर्थशास्त्री विजय परांजपे का मानना है कि भारत के कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां संस्कृति और पारिस्थितिकी के पारंपरिक तालमेल को फिर से समझने की आवश्यकता है। हमें भू-सांस्कृतिक दृष्टि के आर्थिक पक्ष को भी देखने की जरूरत होगी। भारत के कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां संस्कृति और पारिस्थितिकी के पारंपरिक तालमेल को फिर से समझने की आवश्यकता है।

इंडिगो का संकट और 'गुडाकेश' सिंड्रोम

अनिल यादव

वरिष्ठ पत्रकार

महाभारत में असाधारण वीरता की कथाओं की भूमिका में अर्जुन को 'गुडाकेश' कहकर संबोधित किया गया है, जिसका अर्थ है निद्रा पर विजय प्राप्त करने वाला। योगबल से अर्जुन ने यह शक्ति अर्जित की थी, जब उनके शत्रु नींद से भ्रमित, विक्षिप्त, स्मृति-शिथिल होने लगते थे, विजय सामने आ खड़ी होती थी। ऐसा लगता है कि भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो भी इस 'गुडाकेश' सिंड्रोम की शिकार हो गई है, जो हालिया संकट के प्रमुख कारक के रूप में सामने आया है, जिसके कारण हवाई सेवाएं ठप हुईं, एयरपोर्टों पर अराजकता और अफरातफरी का आलम हुआ, तीन लाख से अधिक यात्रियों को परेशानियां उठानी पड़ीं। किसी एयरपोर्ट पर एक पत्नी अपने पति का शव लेकर कई दिन इंतजार करती दिखी, कहीं इंडिगों संकट में दूल्हे के फंस जाने के कारण मुहूर्त बीत गया और शादी टालनी पड़ी।

महानायक अर्जुन पर देवताओं की जैसी कृपा थी और उन्होंने जो सफलताएं अर्जित कीं, उनकी तुलना इंडिगो की चमत्कारिक उपलब्धियों से की जा सकती है, क्योंकि यह लंबे समय से निवेशकों को मुनाफा देने वाली प्रिय कंपनी बनी हुई है। उड्डयन को संसार के काफी मुश्किल सेक्टर्स में गिना जाता है, जहां बिरले ही कोई कंपनी लगातार मुनाफे में बनी रह पाती है। आए दिन दुनिया की बड़ी-बड़ी एयरलाइन कंपनियों के संकट में होने की खबरें सामने आती रहती हैं। इस परिस्थिति में भी आर्थिक विशेषज्ञ दावे करते रहते हैं कि इंडिगो जिस हिसाब से इस कदर स्पर्धा वाले बाजार में भी साल दर साल मुनाफा बना रही है, वह आने वाले समय में विश्व की सबसे बड़ी एयरलाइंस कंपनी बन सकती है।

> ऐसा लगता है कि भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो 'गुडाकेश' सिंड्रोम की शिकार हो गई है, जिसके कारण हवाई सेवाएं ठप हुईं। तीन लाख से अधिक यात्रियों को परेशानियां उठानी पड़ीं।

इंडिगो के मुनाफे का राज उसके अति सख्त और हठी-प्रबंधन में छिपा है। एक ही एयरक्राफ्ट को दिल्ली-मुंबई जैसे व्यस्त रूट पर अधिकतम चक्कर लगवाना, कुशल ईंधन प्रबंधन, पायलट और क्रू मेंबर्स से बहुत अधिक काम लेना और हर मामले में अधिकतम बचत का सिद्धांत लागू करना। अब हवाई यात्रा में पहले की तरह बिना मांगे पानी नहीं मिलता और उर्जा की बचत के लिए ठंडा खाना बेचा जाता है। यह कोई नया प्रबंधन नहीं है, पुरानी साहूकारी शैली में भी ज्यादा चतुर और कंजूस प्रबंधक यही तरीका अपनाते थे, चूंकि इससे निवेशकों को फायदा मिल रहा है, इसलिए मैनेजमेंट गुरु कामयाबी के गुण गा रहे हैं। कल कोई इससे अधिक कामयाब कंपनी आएगी उसकी जय होगी।

अभी तो जब से सरकार की मुक्त आकाश नीति के तहत उड्डयन का निजीकरण शुरू हुआ, कई कंपनियां अपनी किस्मत आजमाने आईं, लेकिन बंद हो गईं। वहीं इंडिगो का व्यापार बढ़ता गया और भारत जैसे विशाल देश के एविएशन सेक्टर में वो मोनोपॉली स्थापित करने में कामयाब रही। यहां याद रखने लायक है कि इंडिगो का यह विस्तार मुक्त अर्थव्यवस्था के उस बुनियादी सिद्धांत के विपरीत था, जिसमें यह कहा गया था कि कंपटीशन इतना होगा कि ग्राहक को अधिकतम लाभ पहुंचेगा और हवाई चप्पल पहनने वाले गरीब लोग भी हवाई यात्रा कर सकेंगे। सरकार ने जानबूझकर एविएशन सेक्टर में एकाधिकार को बनने दिया। ऐसा क्यों हुआ, कोई छिपी बात नहीं है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद एयर इंडिया की साख पर जो बट्टा लगा, उसने बाजार में इंडिगो की स्थिति को बहुत मजबूत किया, लेकिन यह भी तथ्य है कि इस हादसे के बाद फ्लाइट सुरक्षा को लेकर चिंताएं गहरी होती गईं। इसी का ध्यान रखते हुए सरकार ने पायलटों के साप्ताहिक आराम की सीमा को बढ़ाकर 36 घंटे से 48 घंटे कर दिया। यह एक जरूरी काम था। जिस तरह दूसरे वाहनों के चालकों को नींद परेशान करती है, पायलटों की भी क्षमताओं पर असर डालती है, तब मानवीय चूक की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इस मामले में हुआ यह है कि सरकार ने यह फैसला करने से पहले यह जानने की कोशिश नहीं की कि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन के पास कितने पायलट हैं और काम के घंटे अचानक घटाए जाने से एयर ट्रैफिक संकटग्रस्त तो नहीं हो जाएगा?

ज़ाहिर है, सरकार को इंडिगो की वास्तविक स्थिति का अंदाज़ा नहीं था और उसने एयरलाइन को तैयारी का मौका दिए बिना अचानक फैसले का एलान कर दिया। इन दिनों विमानन का जो हाल है लोग जानते हैं, लेकिन इस संकट से लोगों का ध्यान एक बार फिर इस ओर गया कि पैंसेजर ट्रेन और रोडवेज की बसों में ठूंसकर इस देश के आम नागरिक अपने गंतव्य तक कैसे पहुंचते हैं और मुनाफे की होड़ में उड्डयन के बुनियादी सिस्टम की उपेक्षा कितनी भारी पड़ सकती है। इस मामले में अंतिम नतीजा निराशाजनक रहा कि सरकार को पायलटों के काम के घंटों से संबंधित फैसला वापस लेना पड़ा है, लेकिन उसने यात्रियों को नुकसान से बचाने के लिए कंपनी पर जुर्माना लगाया है।

इस राष्ट्रीय संकट जैसी स्थिति में किसी सकारात्मक और हल निकालने वाली सोच का परिचय देने के बजाय विमानन कंपनियों का जोर लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर तिगुने-चौगुने महंगे टिकट बेचकर माल बटोरने वाला रहा। मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर का जमकर फायदा उठाया गया, जिसे कारपोरेट की भाषा में आपदा में अवसर भी कहा जाता है, लेकिन मुख्य प्रश्न वही है, इंडिगो जैसी विमानन कंपनियां पायलटों और अन्य स्टॉफ से उतना काम ले रही हैं, जिससे अधिक ले पाना जैविक रूप से संभव नहीं और उन सभी को अर्जुन की तरह गुडाकेश भी नहीं बनाया जा सकता। ऐसे में कोई व्यावहारिक रास्ता खोजना पड़ेगा।

आमने सामने

गहलोत जी आप हर बार की तरह पचपदरा रिफाइनरी पर राजनीति तो खूब कर रहे हैं, लेकिन सच यह है कि देरी और अव्यवस्था की असली नींव आपकी ही सरकार ने रखी थी। भाजपा सरकार ने प्रोजेक्ट को फिर से गति दी, तब आपको यह विकास दिखाई नहीं दे रहा।

-राजेंद्र राठौड़

भाजपा नेता, राजस्थान

राठौड़ जी 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' वाली कहावत आप पर बिल्कुल सटीक बैठती है। रिफाइनरी पर बोलने से पहले आपको अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। चार साल तक 'रिव्यू' के नाम पर आपने राजस्थान के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है।

-टीकाराम जूली

नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान

राष्ट्रमंडल खेल, विश्व ओलंपिक का अवसर

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक

2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत के लिए केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि 2036 के विश्व-ओलंपिक प्रस्ताव का निर्णायक 'अग्रदूत' हैं। यह आयोजन भारत की सांस्कृतिक-शक्ति (सॉफ्ट पॉवर) को नई ऊंचाई दे सकता है, परंतु किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कमी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को आघात पहुंचा सकती है। विशाल खेल आयोजन किसी भी राष्ट्र के लिए मात्र खेल-प्रतियोगिताएं नहीं होते, बल्कि वे उस देश की राजनीतिक इच्छा-शक्ति, आर्थिक सामर्थ्य, सांस्कृतिक पहचान और प्रशासनिक परिपक्वता का सार्वजनिक प्रदर्शन भी होते हैं। आधुनिक समय में खेल कूटनीति एक प्रकार की सांस्कृतिक-शक्ति बन चुकी है, ऐसी शक्ति जो बिना किसी सैन्य बल के, विश्व समुदाय को अपने अनुकूल प्रभावित कर सकती है। भारत लंबे समय से विश्व-स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा के विविध आयामों को सुदृढ़ करने का प्रयास करता आया है और 2036 के विश्व-ओलंपिक आयोजन की महत्वाकांक्षा इसी दिशा का अगला स्वाभाविक चरण है।

ओलंपिक जैसे विराट आयोजन से पहले 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी को भारत एक प्रकार के 'पूर्वाभ्यास', 'पूर्व-ओलंपिक नमूने' और 'वैश्विक विश्वास की परीक्षा' के रूप में देख रहा है। यह रणनीति जितनी आकर्षक संभावनाएं प्रदान करती है, उतनी ही गंभीर आर्थिक, प्रशासनिक और सामाजिक चुनौतियां भी प्रस्तुत करती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में इस प्रकार के आयोजनों की तैयारी केवल खेल मंत्रालय का नहीं, बल्कि केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, नगर निकायों, सुरक्षा संस्थाओं, निजी क्षेत्र, तकनीकी विशेषज्ञों, खेल संघों और व्यापक समाज—सभी का संयुक्त प्रयास मांगती है। यदि भारत 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों को सफलतापूर्वक आयोजित कर लेता है, तो विश्व में यह संदेश जाएगा कि देश 2036 के विश्व-ओलंपिक जैसे महाकाय आयोजन को संभालने में सक्षम है। यही कारण है कि यह आयोजन भारत की विश्वसनीयता के लिए एक निर्णायक पड़ाव साबित हो सकता है।

भारत की सबसे बड़ी प्रेरणा सांस्कृतिक-शक्ति को सुदृढ़ करना है। आज वैश्विक राजनीति में खेल आयोजन एक सांस्कृतिक उत्सव से आगे बढ़कर राष्ट्र की क्षमताओं की खुली परीक्षा बन चुके हैं। राष्ट्र अपनी तकनीकी दक्षता, शहर-प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, सामाजिक समावेशन, पर्यावरण-जागरूकता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का विश्व मंच पर प्रदर्शन करते हैं। भारत यदि 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों को उच्च स्तर पर संपन्न करता है, तो यह निःसंदेह भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

> 2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत के लिए केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि 2036 के विश्व–ओलंपिक प्रस्ताव का निर्णायक 'अग्रदूत' हैं।

इस प्रतिष्ठा की कीमत क्या होगी? यह वह कठिन प्रश्न है, जिसे अनदेखा करना भारत के लिए नुकसानदेह हो सकता है। विशाल खेल आयोजनों का सबसे विवादास्पद पहलू उनकी भारी आर्थिक लागत है। 2010 के राष्ट्रमंडल खेल अभी तक भारत की प्रशासनिक छवि पर एक दाग की तरह मौजूद हैं। अत्यधिक खर्च, भ्रष्टाचार, समय पर कार्य न होना और आयोजन स्थल की कमजोर गुणवत्ता ने भारत की छवि को काफी प्रभावित किया था। यदि वर्ष 2030 में फिर ऐसी ही कोई कमी सामने आती है, तो 2036 विश्व-ओलंपिक का सपना लगभग असंभव हो सकता है, इसलिए आर्थिक अनुशासन, पारदर्शिता, बहु-स्तरीय जांच और जवाबदेह व्यवस्था को आज से ही प्राथमिकता देनी होगी।

इस सबके साथ-साथ 2030 का आयोजन भारत के लिए एक प्रयोगशाला भी सिद्ध हो सकता है। यह अवसर होगा- शहरी अधोसंरचना, यातायात प्रबंधन, आपदा-प्रतिक्रिया, हरित ऊर्जा, जल-निकास प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाओं, सार्वजनिक सुरक्षा, और खेल विज्ञान को अंतर्राष्ट्रीय मानक पर परखने का। इस स्तर के आयोजनों में क्षण भर की चूक भी बड़े संकट उत्पन्न कर सकती है, इसलिए वर्ष 2030 का आयोजन भारत के लिए पूर्ण स्तर वाला अभ्यास सिद्ध हो सकता है, जिसमें न केवल खेल प्रबंधन बल्कि संपूर्ण शासन प्रणाली की परीक्षा होगी।

इसके अतिरिक्त, शहरी प्रशासन को सबसे कठिन परीक्षा से गुजरना होगा। कोई भी विशाल खेल आयोजन केवल खेल-स्थल और खिलाड़ियों के निवास-स्थल तक सीमित नहीं रहता। यह पूरे नगर के परिवहन, मार्ग-संरचना, हवाई अड्डों की क्षमता, स्वच्छता प्रणाली, जल प्रबंधन, रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था, अस्पतालों की तैयारी, भीड़ नियंत्रण, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग का तनाव परीक्षण बन जाता है।

यह तैयारी अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए कि इससे नगरों का बुनियादी ढांचा विश्व-स्तर पर पहुंच सकता है। चुनौती इसलिए कि कहीं ऐसा न हो कि यह निवेश केवल 'दिखावे की अधोसंरचना' में बदल जाए, जो आयोजन–उपरांत उपयोगहीन रह जाए। दुनिया में अनेक उदाहरण हैं, जहां खेल आयोजनों में बनाए गए स्टेडियम और भवन बाद में 'मरे हुए ढांचे' बन गए। भारत में भी यह समस्या पहले देखी जा चुकी है, इसलिए यह अनिवार्य है कि जो भी अवसंरचना बनाई जाए, वह आयोजन के बाद भी जनसाधारण, खेल प्रशिक्षण संस्थानों और नगर-विकास के लिए उपयोगी बनी रहे।

सोशल फोरम

अपने बच्चे की सुंदरता पर मोहित मां बन गई खूनी

हरियाणा के पानीपत और सोनीपत जिलों से जुड़ी घटना है। एक शादी समारोह में छह साल की बच्ची विधि की मौत को दुर्घटना समझा जा रहा था। विधि अपने परिवार के साथ नौल्था गांव में एक विवाह समारोह में आई थी। देर रात जब बारात निकलने की तैयारी हो रही थी, तब बच्ची के लापता होने की सूचना मिली। परिवार के लोग उसे ढूंढते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। तड़के जब उसकी दादी ऊपर की मंजिल पर पहुंचीं, तो एक स्टोर रूम का दरवाजा बाहर से बंद मिला। दरवाजा खोलने पर बच्ची का शव एक प्लास्टिक के टब में औंधे मुंह पड़ा मिला, जिसमें सिर्फ उसका सिर पानी में डूबा था। शुरुआत में परिवार इसे हादसा मान रहा था, लेकिन पुलिस को स्थिति संदिग्ध लगी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हत्या की आशंका जाहिर हुई, जिसके बाद मामले ने गंभीर मोड़ ले लिया।

मनोज अभिज्ञान

ब्लॉगर

जांच के दौरान पुलिस की नजर बच्ची की मौसी पूनम पर गई, जिसकी बातों में विरोधाभास थे। पूछताछ में जो सच सामने आया, उसने सबको सन्न कर दिया। 34 वर्षीय पूनम ने स्वीकार किया कि वह सिर्फ विधि ही नहीं, बल्कि कुल चार बच्चों की हत्याएं कर चुकी है, जिनमें उसका अपना ढाई-तीन साल का बेटा भी शामिल था। पुलिस के अनुसार पूनम को अपने बच्चे से ज्यादा सुंदर दिखने वाले बच्चों को मारने की इच्छा होती थी। उसने जनवरी 2023 में अपनी सगी भाभी की नौ साल की बेटी को पानी की टंकी में डुबोकर मार डाला। इसके बाद उसने अपने बेटे की भी हत्या कर दी, क्योंकि उसे डर था कि बच्चा सच्चाई बता सकता है।

अगस्त 2024 में उसने अपनी मौसेरी बहन की छह साल की बेटी की हत्या की, जिसे भी परिवार ने दुर्घटना मान लिया। हर बार मौत का तरीका एक ही था, पानी में डुबोना। सालों तक इन हत्याओं को संयोग और हादसा समझा जाता रहा, जब तक कि विधि की हत्या ने पूरी परतें नहीं खोल दीं। यह घटना हमें अचानक झकझोर कर यह पूछने पर मजबूर करती है कि क्या हम अपराध को केवल कानून की भाषा में समझकर संतुष्ट हो सकते हैं, या हमें उसके भीतर छिपे उस अंधेरे को भी देखना होगा जो धीरे-धीरे मनुष्य को मनुष्य से काट देता है। चार-चार बच्चों की हत्या कोई क्षणिक उन्माद नहीं होती। वह लंबी मानसिक यात्रा का परिणाम होती है, जिसमें समाज, परिवार और व्यक्ति तीनों की चुप्पियां शामिल होती हैं।

सामयिकी

घर की चुप्पी में दम तोड़ती आधी आबादी

देश में घरेलू महिला हिंसा की ताज़ा तस्वीर बेहद चिंताजनक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट बताती है कि भारत में लगभग हर तीसरी महिला अपने जीवन के किसी न किसी पड़ाव पर अपने ही जीवनसाथी द्वारा की गई हिंसा का सामना करती है। यह आंकड़ा केवल एक सांख्यिक संकेत नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संवेदना पर एक गहरा प्रश्न है। एक ऐसा दस्तावेज़, जो घर की चारदीवारी में दबा दिया जाता है और बाहर की मुस्कान के पीछे छुपा रहता है।

यह तस्वीर हमारे सामाजिक ढांचे में मौजूद उस दरार को भी उजागर करती है, जहां रिश्तों के नाम पर सहनशीलता को संस्कार बताया जाता है और संरक्षण के नाम पर स्त्री के हिस्से में मौन का बंधन आता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत की 15 से 49 वर्ष आयु-वर्ग की लगभग बीस प्रतिशत महिलाओं ने केवल वर्ष 2023 में ही अपने अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा का अनुभव किया। अपने ही घर में, अपने ही विश्वस्त साथी द्वारा की गई हिंसा किसी भी सभ्य समाज की असफलता का सबसे स्पष्ट प्रमाण है। यह हमारे उन नैतिक और पारिवारिक मूल्यों पर भी प्रश्न खड़ा करती है, जिन्हें हम गर्व से 'भारतीय संस्कार' कहते हैं।

संध्या राजपुरोहित

शिक्षिका

घरेलू हिंसा को आमतौर पर शारीरिक उत्पीड़न की संकीर्ण परिभाषा में बांध दिया जाता है, जबकि सच्चाई इससे कहीं आगे जाती है। अपमान, उपेक्षा, अविश्वास ये मानसिक हिंसा हैं। आवाज़ दबा देने वाली तिरस्कारपूर्ण चुप्पी, आत्मसम्मान को चोट पहुंचाने वाले ताने ये भावनात्मक हिंसा हैं। आर्थिक निर्भरता को हथियार बनाना यह वित्तीय हिंसा है और सहमति को महत्व न देना यौनिक हिंसा है। कई बार यह हिंसा सामाजिक रूप ले लेती है, जब महिला को अपनों से अलग कर दिया जाता है या उसे परिवार के बीच ही अपमानित किया जाता है। यह धीमी, भीतर से तोड़ने वाली प्रक्रिया स्त्री के भीतर ऐसी दरारें पैदा कर देती है।

ऐसी परिस्थितियों को देखते हुए वर्ष 2005 में लागू हुआ घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम एक महत्वपूर्ण मोड़ था। इस कानून ने पहली बार स्पष्ट किया कि घरेलू हिंसा केवल मारपीट नहीं, बल्कि मानसिक, आर्थिक, भावनात्मक और यौन हिंसा भी है। इसने पीड़िता को संरक्षण आदेश, निवास के अधिकार, भरण-पोषण, मेडिकल सहायता, काउंसलिंग और आवश्यक होने पर सुरक्षा कर्मी उपलब्ध कराने की व्यवस्था दी। कई राज्यों में प्रोटेक्शन ऑफिसर, वन-स्टॉप सेंटर और हेल्पलाइन सेवाओं ने हजारों महिलाओं तक पहुंच बनाई है। अनेक मामलों में यह कानून उनके लिए जीवन और मृत्यु के बीच निर्णायक सहारा साबित हुआ है।

कानून अपनी जगह है और समाज अपनी जगह। घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम ने जो ढांचा पेश किया, वह जितना आश्वासक है, उसका क्रियान्वयन उतना ही सीमित। प्रोटेक्शन ऑफिसरों की कमी, पुलिस और न्यायिक तंत्र की सुस्ती और पितृसत्तात्मक रवैये ने इस कानून की प्रभावशीलता को बाधित किया है। कई महिलाएं शिकायत तक दर्ज नहीं कर पातीं और जो करती हैं, उन्हें कानूनी प्रक्रिया की जटिलता और सामाजिक आलोचना का सामना करना पड़ता है, इसलिए कानून ने रास्ता तो खोला है, पर उस रास्ते पर चलने के लिए अभी भी साहस से अधिक व्यवस्था की आवश्यकता है। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक कोई भी कानून पूरी तरह कारगर नहीं हो सकता। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्वभर में लगभग 84 करोड़ महिलाएं अपने जीवन में कभी न कभी शारीरिक या यौन हिंसा का शिकार हो चुकी हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

विनम्रता का जीवंत प्रतीक

सूपा देउराली मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि श्रद्धा, भक्ति और विनम्रता का जीवंत प्रतीक है। यह स्थान हमें यह सिखाता है कि विश्वास और नम्रता में ही शक्ति निहित है। अर्घाखांची की यह पवित्र धरा आज भी भक्तों के लिए आस्था का दीप प्रज्ज्वलित किए हुए है, जहां हर कदम पर भक्ति की सुगंध और देवी की कृपा की अनुभूति होती है।

ऐसे पहुंचे मंदिर

सुपा देउराली मंदिर श्रद्धा, विश्वास और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम है। समुद्र तल से लगभग 1,500 मीटर की ऊंचाई पर पहाड़ी की चोटी पर स्थित है । यहां तक पहुंचने के लिए नेपाल के अंदर अर्घाखांची वाया बुटवल आना होता है, जबकि भारतीय सीमा के बढ़नी, खुनुवा, ककरहवा आदि से होकर आना होता है। बढ़नी, खुनुवा से इसकी दूरी 75 से 100 किमी की है, जबकि ककरहवा से यह दूरी थोड़ी बढ़ जाती है। साधन की जहां तक बात है, तो यदि अपने साधन से हैं, तो प्रतिदिन के हिसाब से भारतीय मुद्रा में 350 रुपये खर्चा आता है और यदि आप नेपाली साधन से जाना चाहें तो दांग, नेपालगंज से अर्घाखांची जाने नेपाली बस या बिंगर हमेशा उपलब्ध है।

सूपा देउराली नेपाल के सुदूर पहाड़ी पर स्थित देवी भगवती के एक रूप का मंदिर है, जहां नेपाल के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। भारत के यूपी, बिहार, भूटान से भी हजारों श्रद्धालु जाते रहते हैं। सूपा देउराली की ख्याति नेपाल के प्रमुख धार्मिक स्थल के रूप में तो है ही, साथ ही इसकी पहचान प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में भी है। सूपा देउराली देवी स्थल से करीब तीन किलोमीटर दूर नरपानी नामक एक पहाड़ी स्थल जहां के रिसोर्ट लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां भारतीय टूरिस्टों की भीड़ सदैव रहती है। यह स्थल नेपाल के लुम्बिनी प्रदेश के अर्घाखांची जिले के संधिखर्क नगरपालिका में स्थित है।

सूपा देउराली मंदिर

आस्था, चमत्कार और सौंदर्य का संगम

उत्पत्ति और पौराणिकता

कहा जाता है कि प्राचीन समय में यह इलाका केवल जंगल और पहाड़ियों से घिरा एक निर्जन स्थान था। एक दिन एक ग्वाला अपनी गायें चराते हुए यहां आया और देखा कि अपने आप एक पत्थर से दूध बह रहा है। वह हैरान होकर गांव लौट गया और सबको इस बात की जानकारी दी। ग्रामीण लोग ने वहां पहुंचकर पूजा-अर्चना आरंभ कर दी। धीरे-धीरे वहीं से देवी का दिव्य स्वरूप प्रकट हुआ और उस स्थान को सूपा देउराली नाम से जाना जाने लगा। स्थानीय भाषा में 'सूपा' का अर्थ 'उच्च' या 'शानदार' और 'देउराली' का अर्थ 'पहाड़ी दर्रा' या 'विश्राम स्थल' होता है। यानी 'ऊंचे पहाड़ी पर विराजमान देवी का मंदिर।' इस मंदिर पर आकर पूजा-अर्चना करने से यूं तो तमाम प्रकार की मन्नतें पूरी होती हैं, लेकिन कहते हैं कि कुमारी लड़कियां सुंदर व खुशहाल वर के लिए यहां आकर पूजा अर्चना करती हैं।

यशोदा श्रीवास्तव
लेखक

प्राकृतिक सौंदर्य

मंदिर के चारों ओर हरियाली, पर्वत श्रृंखलाएं और दूर-दूर तक फैले हिमालय के दृश्य इस स्थल को अद्भुत बनाते हैं। सुबह के समय धुंध से घिरी पहाड़ियों के बीच से उगता सूरज और मंदिर की घंटियों की गूंज वातावरण को आध्यात्मिक बना देती है।

विनम्रता का संदेश

स्थानीय लोककथाओं में एक चमत्कारिक घटना आज भी प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि कई वर्ष पहले एक नेपाली जवान, जो ब्रिटिश सेना में सेवा कर चुका था, छुट्टी लेकर अपने गांव लौट रहा था। गर्व से भरा हुआ वह जब सूपा देउराली के पास पहुंचा, तो गांव वालों ने उसे देवी के दर्शन करने की सलाह दी, लेकिन घमंडी सेना का जवान हंसकर बोला, "मैं सैनिक हूं, मेरा कोई देवी-देवता क्या कर सकते हैं?" फिर वह मंदिर के पास जाकर उपहास पूर्वक एक पत्थर पर पैर रखकर कुछ व्यंग्य भरे शब्द बोला। तभी अचानक उसका शरीर उसी पत्थर से चिपक गया। गांव वाले भयभीत हो उठे और पुजारी को बुलाया गया। पुजारी ने देवी से क्षमायाचना करते हुए पूजा की और घंटों की प्रार्थना के बाद ही वह जवान पत्थर से अलग हो सका। वह रोते हुए देवी के चरणों में गिर पड़ा और क्षमा मांगते हुए अपनी भूल का पश्चाताप किया। आज भी उस स्थान को "सैनिक टासेको ढुंगा" यानी "जहां सैनिक चिपक गया था" कहा जाता है। वहां भी आने वाले श्रद्धालु फूल, धूप और दीप अर्पित कर देवी से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

बोधकथा

पिंकी का स्वाभिमान

पिंकी एक छोटे से कस्बे के साधारण परिवार की लड़की थी। उसके पिता सिलाई का काम करते थे और माता एक निजी स्कूल में सहायिका थीं। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद सामान्य थी, किंतु पिंकी आत्मसम्मान की भावना से पूर्णतया समृद्ध थी। उसे अपने परिवार की ईमानदारी पर गर्व था और अपनी मेहनत की बदौलत आगे बढ़ने का विश्वास भी। पिंकी पढ़ाई में होशियार थी और उसकी आवाज़ में आत्मविश्वास झलकता था। स्कूल की प्रतियोगिताओं में वह अक्सर भाग लिया करती थी, चाहे संसाधन कम हों या सुविधाएं। कई बार उसके सहपाठी उसकी साधारण वेशभूषा का मज़ाक भी उड़ाते थे। वे कहते, "देखो, पिंकी फिर वही पुरानी फ्रॉक पहनकर आ गई। इसको तो स्कूल की गतिविधियों में हिस्सा ही नहीं लेना चाहिए।" पिंकी इन बातों को मन में रखती जरूर थी, पर टूटती नहीं थी। उसे मालूम था कि मनुष्य का मूल्य चमकते कपड़ों से नहीं, बल्कि उज्ज्वल विचारों से तय होता है।

एक दिन स्कूल में वाद-विवाद प्रतियोगिता की घोषणा हुई। विषय था-"स्वाभिमान ही वास्तविक संपत्ति है।" पिंकी के मन में तो जैसे कोई दीपक जल उठा। उसने निश्चय कर लिया कि चाहे कुछ भी हो जाए, वह इस प्रतियोगिता में अवश्य भाग लेगी, लेकिन समस्याएं यहीं से शुरू हो गईं। प्रतियोगिता के दिन उसके पिता को काम पर जाना था और माता स्कूल से देर से लौटती थीं। पिंकी को स्वयं तैयारी करनी थी। उसके पास नया पहनने को कुछ नहीं था, जबकि बाकी छात्र-छात्राएं मंच पर जाने के लिए नए कपड़े सिलवा रहे थे। जब वह फ़ॉर्म भरकर कक्षा में लौटी, तो कुछ लड़कियों ने व्यंग्य से कहा, "पिंकी, मंच पर जाने के लिए नए कपड़े नहीं होंगे तो सब मज़ाक समझेंगे! छोड़ दे, तुझे क्या ज़रूरत है?"

पिंकी के भीतर उस क्षण हल्की-सी टीस उठी, लेकिन उसने दृढ़ता से उत्तर दिया, "मंच पर कपड़े नहीं, आत्मविश्वास चमकता है। मैं भाग लूंगी।" शाम को जब पिंकी घर पहुंची, तो उसने पिता को बताया कि वह प्रतियोगिता में भाग लेने वाली है। पिता ने मुस्कराते हुए कहा, "बिटिया, नए कपड़े तो इस बार नहीं दिला पाए, परंतु हमारा आशीर्वाद तेरे साथ है।" पिंकी ने सिर हिलाया और कहा, "मुझे बस इसी की आवश्यकता है, पिताजी।"

अगले दो दिन वह पूरी लगन से अपने भाषण की तैयारी करती रही। भाषण की हर पंक्ति में उसने अपने जीवन के अनुभवों को गूंथ दिया। कैसे स्वाभिमान किसी भी कठिनाई में मनुष्य का सहारा बनता है, कैसे आत्मसम्मान के बल पर मनुष्य विपरीत परिस्थितियों में भी टिककर खड़ा रहता है, यह सब कुछ उसके भाषण में झलक रहा था।

प्रतियोगिता का दिन आया। स्कूल पहुंचते ही पिंकी की अभिन्न मित्र रेखा ने अपनी महंगी पोशाक उसे देते हुए कहा,"पिंकी, आज तुम इसे पहनकर मंच पर जाओगी। मैं नहीं चाहती कि कोई तुम्हारा ज़रा भी मज़ाक बनाए।" लेकिन पिंकी के स्वाभिमान ने उसे ऐसा नहीं करने दिया। पिंकी बोली,"रेखा, मैं तेरी भावनाएं समझती हूं, लेकिन अगर आज मैंने तुम्हारी बात मान ली, तो मेरे भीतर से मेरी स्वाभिमान की दौलत खत्म हो जाएगी।" पिंकी ने अपनी साफ-सुथरी मगर पुरानी फ्रॉक ही पहनी और बालों को साधारण तरीके से बांध लिया। उसके कुछ सहपाठियों ने हंसकर कहा, "इस रूप में भी कोई मंच पर जाता है?" लेकिन पिंकी बिना कोई प्रतिक्रिया दिए आगे बढ़ गई। उसके कदम भले हल्के थे, पर मन भीतर से दृढ़ था। जब मंच पर उसका नाम पुकारा गया, तो सभागार शांत हो गया। पिंकी ने माइक पकड़ा और बोलना शुरू किया, "स्वाभिमान वह शक्ति है, जो किसी भी व्यक्ति को झुकने नहीं देती।गरीबी हो या कठिनाई, यदि मन में आत्मसम्मान है तो मनुष्य हर बाधा पर विजय पा सकता है" उसके शब्दों ने मानो पूरे सभागार पर जादू कर दिया हो। पिंकी के शब्दों में सच्चाई थी, अनुभव था और संघर्ष की चमक भी। उसके भाषण ने यह संदेश दे दिया था कि इंसान की असली सजावट उसके मूल्यों में होती है, न कि महंगे वस्त्रों में। भाषण समाप्त होते ही पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

वह पल पिंकी कभी नहीं भूल पाई, जबकि अनगिनत लोग सिर्फ उसकी बातों के लिए, उसके साहस के लिए और उसके स्वाभिमान के लिए ताली बजा रहे थे। जब परिणाम घोषित हुए, तो पिंकी प्रथम स्थान पर रही। प्रिंसिपल ने ट्रॉफी देते हुए कहा, "पिंकी, आज तुमने सिद्ध कर दिया कि सफलता दिखावे की नहीं, विश्वास की मोहताज होती है।" मंच से उतरते हुए पिंकी के वही सहपाठी, जो उसके कपड़ों पर हंसते थे, आज सर नीचा किए खड़े थे। घर लौटकर पिंकी ने ट्रॉफी पिता की गोद में रख दी और कहा, "पिताजी, आज मैंने जो जीता है, वह आपसे मिली हुई सीख की वजह से। उसके पिता की आंखें भर आईं। उन्होंने पिंकी को हृदय से लगा लिया।

प्रेरणा अवस्थी, लखीमपुर खीरी

पौराणिक कथा

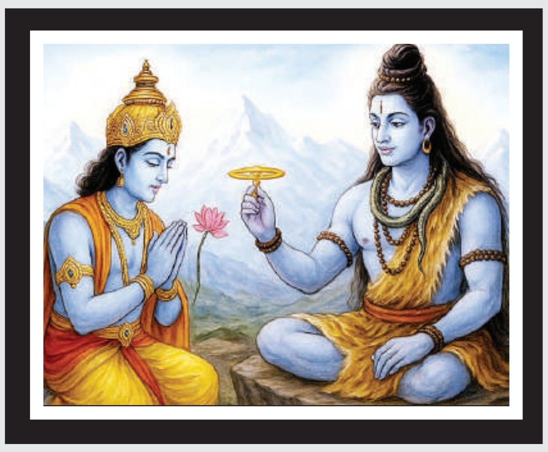

सुदर्शन चक्र की उत्पत्ति

एक समय ऐसा आया जब धरती पर राक्षसों का अत्याचार अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया। उनके आतंक से न केवल मनुष्य त्रस्त थे, बल्कि देवताओं के लिए भी धार्मिक कार्य करना कठिन हो गया था। राक्षसों का उद्देश्य केवल पृथ्वी को ही नहीं, बल्कि स्वर्गलोक को भी अपने अधीन करना था। देवराज इंद्र चिंतित थे, राक्षसों की शक्ति प्रतिदिन बढ़ रही थी और देवताओं का सामर्थ्य उनके सामने क्षीण पड़ रहा था। अंततः स्वर्ग के सभी देवगण इंद्र के नेतृत्व में भगवान विष्णु की शरण में पहुंचे और व्याकुल स्वर में बोले- "हे नारायण, राक्षसों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। कृपा कर हमें इस संकट से मुक्ति दें।" भगवान विष्णु देवताओं की व्यथा सुनकर गंभीर हुए। वे जानते थे कि इस विनाशकारी स्थिति का समाधान स्वयं वे नहीं, बल्कि भगवान शिव कर सकते हैं। विष्णुजी शिवजी को अपना आराध्य मानते थे और शिवजी विष्णुजी को अपना इष्ट। इसलिए देवताओं की रक्षा के लिए भगवान विष्णु ने हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं पर जाकर भगवान शिव की तपस्या करने का निश्चय किया।

विष्णुजी ने शिव के सहस्त्र नामों का जाप आरंभ किया। उनका संकल्प था कि प्रत्येक नाम के साथ एक कमल का फूल अर्पित करेंगे। तप की अग्नि में लीन होकर वे निरंतर एक-एक नाम का उच्चारण करते और कमल अर्पित करते गए। इस अद्भुत भक्ति को देखकर भगवान शिव ने मन ही मन सोचा-"क्यों न आज मैं अपने आराध्य की भक्ति की परीक्षा लूं?" यही सोचकर शिव ने अपनी दिव्य शक्ति से एक कमल का फूल अदृश्य कर दिया।

तप में लीन भगवान विष्णु को इसका आभास तक न हुआ। जब सहस्त्र नामों के अंतिम नाम का उच्चारण करने का समय आया, तब उन्होंने देखा कि कमल एक कम है। यदि कमल चढ़ाया नहीं गया, तो उनका संकल्प भी अधूरा रह जाएगा और तपस्या भंग हो जाएगी। परंतु भगवान विष्णु का मन तनिक भी विचलित न हुआ। विष्णुजी कमल नयन कहलाते हैं, इसलिए उन्होंने निश्चय किया कि कमल के स्थान पर वे अपनी आंख अर्पित करेंगे। बिना किसी संकोच के अपनी एक आंख भगवान शिव को समर्पित कर दी।

विष्णुजी की इस निष्ठा और त्याग को देखकर भगवान शिव अत्यंत प्रसन्न हुए और तुरंत प्रकट होकर बोले- "हे विष्णु, तुम्हारी भक्ति से मैं अत्यंत प्रसन्न हूं। मांगो, क्या वर चाहते हो?" विष्णुजी ने विनम्र होकर कहा- "प्रभो, राक्षसों के अत्याचार से देवता और मनुष्य सभी कष्ट में हैं। उनका अंत करने हेतु आप ही अजेय शस्त्र दे सकते हैं। वही वर प्रदान कीजिए।" भगवान शिव ने मुस्कुराते हुए अपने परम दिव्य और अजेय शस्त्र सुदर्शन चक्र विष्णुजी को अर्पित किया। इस चक्र की शक्ति से भगवान विष्णु ने समस्त राक्षसों का संहार कर संसार को पुनः धर्म और शांति के मार्ग पर स्थापित किया। **–फीचर डेस्क**

किचन का गलत वास्तु बढ़ा सकता है मेडिकल बिल!

किचन में अगर आग, पानी और दिशाओं का संतुलन बिगड़ा हो तो सबसे ज्यादा असर पाचन शक्ति, ब्लड प्रेशर, तनाव, हार्मोनल और स्त्री-रोगों पर देखा जाता है। आसान उपायों से बिना तोड़-फोड़ के भी किचन के वास्तु को काफी हद तक संतुलित किया जा सकता है। जिससे आप और आपका परिवार खुशहाल जीवन बिता सकता है।

कौन सी बीमारियां संभव हैं

- अगर किचन उत्तर-पूर्व (ईशान) दिशा में हो तो गैस, एसिडिटी, कब्ज, पाचन गड़बड़ी, मानसिक तनाव और चिंता जैसे रोग बढ़ सकते हैं, क्योंकि यहां जल तत्त्व पर अग्नि हावी हो जाती है।
- दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य) में किचन होने पर घर के पुरुषों को ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, दुर्घटना, क्रॉनिक स्ट्रेस और डिप्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ने की संभावना मानी जाती है।
- दक्षिण-पश्चिम किचन या आग तत्त्व की गड़बड़ी से घर की महिलाओं को पैरों में दर्द, कमजोरी और स्त्री-रोग, हार्मोनल इंबैलेंस की दिक्कतें भी बताई गई हैं।
- किचन में रंग और ऊर्जा गलत हों (जैसे बहुत गहरा लाल या नीला/जल तत्त्व वाले रंग) तो सिरदर्द, माइग्रेन और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है।

क्या है आदर्श वास्तु

- किचन की सबसे शुभ दिशा दक्षिण-पूर्व (अग्नि कोन) मानी जाती है, इसके बाद उत्तर-पश्चिम दिशा ठीक रहती है।

आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
वास्तु विशेषज्ञ

- गैस-चूल्हा या कुकटॉप दक्षिण-पूर्व कोने में हो और खाना बनाते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर हो तो स्वास्थ्य और ऊर्जा दोनों के लिए अच्छा रहता है।
- सिंक, वॉश-बेसिन, ड्रेनेज आदि उत्तर या उत्तर-पूर्व साइड में रखें, ताकि पानी और आग तत्त्व आपस में टकराएं नहीं।

आसान घरेलू उपाय

- जहां पर भी चूल्हा लगा है, उस ज़ोन को साफ-सुथरा रखें, रोज़ दीया या छोटी लौ जलाकर 2-3 मिनट मंत्र/प्रार्थना करें, इससे अग्नि तत्त्व संतुलित होता है और नकारात्मक ऊर्जा कम होती है।
- अगर किचन उत्तर-पूर्व में है, तो वहां हमेशा सफाई रखें, हल्के पीले/क्रीम रंग का पेंट या स्टिकर लगाएं, आग के ठीक आसपास लाल रंग कम से कम रखें, और उस कोने में ज्यादा भारी सामान न रखें।
- दक्षिण-पश्चिम किचन होने पर उस कोने में भारी स्टोरेज (अनाज, डिब्बे) रखें, खूब अर्थी टोन (ब्राउन, बेज) के रंग प्रयोग करें और रोज़ मोटा सेंधा नमक छोटे कटोरे में रखकर बदलते रहें, इससे तनाव और विवाद की ऊर्जा कम होती मानी जाती है।
- किचन में पीला, हल्का नारंगी, ब्राउन जैसे गर्म लेकिन सॉफ्ट रंग दीवारों/टाइल्स/कर्टेन में रखें, नीला/डार्क ब्लू और काला रंग कम से कम रखें, खासकर गैस के पीछे या आसपास।

स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त टिप्स

- किचन हमेशा साफ, सूखा और हवादार रखें, एग्ज़ॉस्ट या चिमनी से धुआं और गर्मी बाहर निकलने दें, इससे सांस और सिरदर्द से जुड़ी दिक्कतें भी घटती हैं।
- अनाज, दाल, तेल आदि के भारी डिब्बे दक्षिण या पश्चिम साइड रखें, उत्तर-पूर्व में भारी स्टोरेज से बचें, इससे स्वास्थ्य और समृद्धि दोनों बेहतर मानी जाती हैं।
- रात को सोने से पहले किचन साफ करके गैस-स्टोव पोंछें, गंदे बर्तन न छोड़ें और एक छोटी कटोरी में थोड़ा पानी और या तो कपूर/लौंग/इलायची जला कर सुगंध फैलाएं, इससे मानसिक शांति और सकारात्मकता बढ़ती है।

- अगर किचन में कोई कोना डेड या बहुत बंद है, वहां हल्का क्वाट्र्ज/मेटल पिरामिड या छोटा फव्वारा/पौधा रखने से रुकी हुई ऊर्जा को चलायमान करने में मदद मिलती है (कॉमर्शियल पिरामिड भी बहुत लोग इसी उद्देश्य से लगाते हैं)।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,102.69	25,960.55
गिरावट	609.68	225.90
प्रतिशत में	0.71	0.86

सोना 1,32,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,85,000 प्रति किलो

अमृत विचार
लखनऊ, मंगलवार, 9 दिसंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एलएनजी को टोरेंट व जेईआरए में समझौता

नई दिल्ली। टोरेंट पावर ने जापानी कंपनी जेईआरए से 10 वर्षों के लिए सालाना 2.7 लाख टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की खरीद का समझौता किया है। गैस आपूर्ति की शुरुआत 2027 से होगी। बिजली क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने सोमवार को कहा कि समझौते के तहत जेईआरए से मिलने वाली एलएनजी का रणनीतिक उपयोग टोरेंट पावर लिमिटेड (टीपीएल) के 2,730 मेगावाट क्षमता वाले गैस-आधारित बिजली संयंत्रों (जीबीपीपी) को चलाने में किया जाएगा। इसका उद्देश्य देश में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करना, व्यस्त समय में समर्थन देना और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के संतुलन में मदद करना है।

वारी सोलर की मिला सौर पैनल का ठेका

नई दिल्ली। वारी एनर्जीज की अमेरिकी इकाई वारी सोलर अमेरिकाज इंक को अमेरिका की प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी सबांसी रिन्यूएबल्स से 288 मेगावाट के सौर पैनल का ठेका मिला है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि वह शेयर बाजार को यह ठेका मिलने की जानकारी पांच दिसंबर को पहले ही दे चुका है। इसमें कहा गया कि यह ठेका टेक्सास में दो बड़ी सौर ऊर्जा परियोजनाओं, वाको स्थित पेपर सौर परियोजना और ब्रैशियर स्थित लकी-7 सौर परियोजना में बांटा गया है।

अडाणी ने टीएनएफडी ढांचे को अपनाया

नई दिल्ली। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने प्रकृति संबंधी वित्तीय प्रकटीकरण (टीएनएफडी) पर कार्यबल के मार्गदर्शन को मुख्य स्थिरता रणनीति में शामिल कर लिया है। इससे प्रकृति-सकारात्मक नवीकरणीय ऊर्जा विकास की दिशा में उसके बदलाव को बल मिलेगा। कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। टीएनएफडी ढांचा एक वैश्विक, विज्ञान-आधारित पहल है। इसकी शुरुआत संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम वित्त पहल, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम, विश्व वन्यजीव कोष और ग्लोबल कैनोपी द्वारा की गई। यह संगठनों को प्रकृति-संबंधी जोखिमों एवं अवसरों की पहचान, आकलन, प्रबंधन तथा प्रकटीकरण के लिए एक संरचित ढांचा प्रदान करता है।

मुनाफावसूली से सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का

दो सत्रों की बढ़त के बाद घरेलू शेयर बाजार में आई तेज गिरावट, निफ्टी भी 26 हजार के नीचे पहुंची

- विदेशी निवेशकों की बिकवाली से बाजार पर बढ़ा दबाव
- फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले निवेशकों ने अपनाया सतर्क रुख

मुंबई, एजेंसी

लगातार दो सत्रों की बढ़त के बाद सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में तेज गिरावट हुई और सेंसेक्स 610 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 26,000 के स्तर से नीचे आ गया। ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से बाजार पर दबाव बढ़ गया। इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। इससे बाजार धारणा और कमजोर हुई।

बीएसई का सेंसेक्स 609.68 अंक गिरकर 85,102.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 836.78 अंक टूटकर 84,875.59 पर आ गया था। एनएसई का निफ्टी भी 225.90 अंक गिरकर 25,960.55 अंक पर आ गया। एक समय यह 294.2 अंक टूटा था। सेंसेक्स की कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, इटर्नल, ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, पावरग्रिड, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाइटन, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टूब्रो और भारती एयरटेल में गिरावट हुई। वहीं, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 438.90 करोड़ के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,189.17 करोड़ के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.61 प्रतिशत गिरकर 63.37 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

दर कटौती के बावजूद छोटी अवधि की धारणा दबाव में

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि चौतरफा गिरावट देखने को मिली और निफ्टी 26,000 के स्तर के नीचे आ गया। निवेशक फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले सतर्क हो गए। मजबूत घरेलू वृद्धि आंकड़ों और आरबीआई की हालिया ब्याज दर कटौती के बावजूद छोटी अवधि की धारणा दबाव में है। ऐसा वैश्विक मौद्रिक नीति को लेकर चिंताओं, एफआईआई की लगातार बिकवाली और मुद्रा के कमजोर होने के चलते है। जापानी बॉण्ड प्रतिफल के उच्च स्तर तक उछल जाने से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ा, जिससे येन कैरी ट्रेड के वापस होने की आशंकाएं बढ़ीं।

मिड व स्मॉलकैप सहित सभी सेक्टरों में गिरावट

मझोली कंपनियों के बीएसई मिडकैप सूचकांक में 1.73 और छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप सूचकांक में 2.20 प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,348 शेयरों में गिरावट रही जबकि 950 शेयरों में तेजी रही और 187 अपरिवर्तित रहे। क्षेत्रवार सूचकांकों में सेवा खंड में 3.70, रियल्टी में 3.50, पूंजीगत वस्तुओं में 2.83, दूरसंचार में 2.53, औद्योगिकी वस्तुओं में 2.21, उपयोगिताओं में 2.10, धातु में 1.96 और बिजली में 1.84 प्रतिशत की गिरावट रही।

निवेशकों के 7.12 लाख करोड़ रुपये डूबे

दो कारोबारी सत्रों की तेजी के बाद सोमवार को मुनाफावसूली होने से शेयर बाजारों में भारी गिरावट आने से निवेशकों की संपत्ति 7.12 लाख करोड़ रुपये कम हो गई। इस गिरावट के बीच बीएसई की कंपनियों का बाजार पूंजी 7,12,514.68 करोड़ से घटकर 4,64,19,108.91 करोड़ रुपये यानी 5.15 लाख करोड़ डॉलर रह गई।

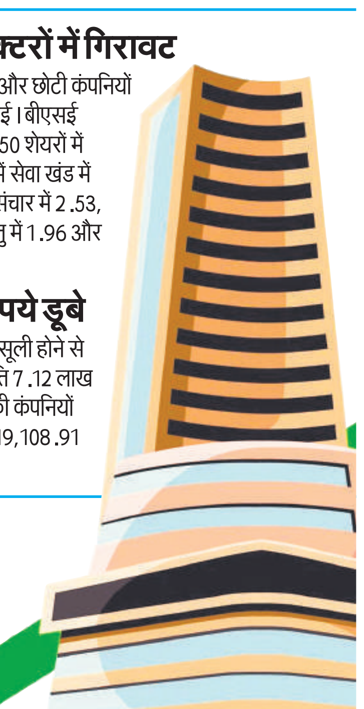

भारत अपने स्रोतों से तेल खरीदने को आजाद : रूस

मॉस्को, एजेंसी

- रूस ने भरोसा जताया कि भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने की नीति पर रहेगा कायम

रूस ने सोमवार को कहा कि भारत एक संप्रभु राष्ट्र है और वह उन स्रोतों से तेल खरीदने के लिए आजाद है, जिन्हें वह लाभकारी मानता है। इसके साथ ही रूस सरकार ने पूरा भरोसा जताया कि भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने की नीति पर कायम रहेगा।

अमेरिका ने रूस से तेल एवं पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद जारी रखने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है। अगस्त के अंत में भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के आयात पर कुल अमेरिकी शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। रूसी शासन मुख्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि भारत, एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में विदेशी व्यापार करता है और ऊर्जा संसाधन वहीं से खरीदेगा है, जहां से उसे लाभ मिलेगा। वह पिछले शुक्रवार को नयी दिल्ली में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई शिखर वार्ता के संदर्भ में संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

ऐसी रिपोर्ट हैं कि भारत पश्चिमी दबाव के चलते अपने तेल आयात में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी धीरे-धीरे घटा रहा है। क्रेमलिन के आर्थिक सहयोगी मक्सिम ओरेश्किन ने कहा कि प्रतिबंधों को दरकिनार करने का रूस के पास लंबा अनुभव है। यदि भारत तैयार है, तो हम कच्चे तेल की आपूर्ति जारी रखने का रास्ता खोज लेंगे।

आरएसआई: एक महत्वपूर्ण तकनीकी इंडिकेटर

आरएसआई यानी रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स एक महत्वपूर्ण तकनीकी इंडिकेटर है, जिसका उपयोग शेयर, क्रिप्टो या किसी भी वित्तीय संपत्ति के ट्रेंड और मोमेंटम को समझने के लिए किया जाता है। यह 0 से 100 के पैमाने पर काम करता है और बताता है कि कोई शेयर ओवरबॉट (अधिक खरीदा गया) है या ओवरसोल्ड (अधिक बेचा गया)। यदि आरएसआई 70 के ऊपर जाता है तो यह संकेत देता है कि कीमतें अधिक बढ़ चुकी हैं और गिरावट की संभावना बढ़ सकती है, वहीं आरएसआई 30 के नीचे आने पर तेजी की उम्मीद बढ़ती है। यह इंडिकेटर ट्रेडर्स को एंट्री और एग्जिट का सही समय समझने में मदद करता है।

क्या है आरएसआई : आरएसआई एक मोमेंटम ऑस्सिलेटर है, जो पिछले मूल्य परिवर्तनों की गति और दिशा को मापता है। इसे 1978 में वाइल्डर ने विकसित किया था और आज लगभग हर ट्रेडर इसे चार्ट विश्लेषण का प्रमुख आधार मानता है। यह 14-दिन की औसत कीमतों पर आधारित होता है और इसके जरिए यह पता चलता है कि बाजार में खरीदारी अधिक हो रही है या बिकवाली हावी है।

कैसे करता है काम : आरएसआई की गणना शेयर के औसत लाभ और औसत नुकसान के आधार पर की जाती है। इसके बाद एक फॉर्मूले के जरिए स्कोर 0–100 के बीच निकलता है।

ट्रेंड, रिवर्सल और सिग्नल : आरएसआई शेयर बाजार में मोमेंटम समझने का एक शक्तिशाली संकेतक है, जो निवेशकों और ट्रेडर्स को ट्रेंड, रिवर्सल और सिग्नल की शुरुआती झलक देता है। हालांकि इसे अकेले इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, लेकिन सही विश्लेषण के साथ यह ट्रेडिंग निर्णयों को अधिक सटीक बनाता है।

इसकी सीमाएं

बहुत तेज़ ट्रेंड में आरएसआई कई बार गलत संकेत दे देता है। केवल आरएसआई देखकर निर्णय लेना जोखिमपूर्ण है, इसलिए इसे एमएसीडी, मूविंग एवरेज आदि के साथ उपयोग करना बेहतर है। ओवरबॉट ज़ोन में कीमतें लम्बे समय तक बनी रह सकती हैं, जिससे सिग्नल देर से मिलता है।

- **70 से ऊपर :** संकेत कि कीमतें ऊंचे स्तर पर हैं, मुनाफावसूली की संभावना।
- **30 से नीचे :** संकेत कि कीमतें कमजोर हैं, रिवर्सल यानी तेजी आने का मौका।
- **50 के आसपास :** बाजार संतुलित है, न खरीदारी, न बिकवाली।

इसके फायदे

- ट्रेंड कमजोर या मजबूत है, यह जल्दी पहचान लेता है।
- एंट्री और एग्जिट का समय तय करने में मदद करता है।
- डाइवर्जेन्स से ट्रेंड रिवर्सल का अंदाजा लगाया जा सकता है।
- नई और पुरानी दोनों रणनीतियों में आसानी से शामिल किया जा सकता है।

भारत, ईयू ने की व्यापार समझौते पर बात

- दोनों पक्षों में इस्पात, कार्बन कर, वाहन और गैर-शुल्क बाधाओं नहीं बन पाई है सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय संघ (ईयू) के व्यापार आयुक्त मैरोस सेफ्कोविच ने सोमवार को प्रस्तावित व्यापार समझौते से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

सेफ्कोविच व्यापार वार्ता के लिए भारत आए यूरोपीय संघ (ईयू) अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे हैं। यह बैठक इस लिहाज से अहम है कि दोनों पक्ष व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देना चाहते हैं। सेफ्कोविच ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हमारी व्यापार और निवेश बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए पीयूष गोयल के साथ दो दिन की मैराथन बैठकों के लिए भारत में हूं।

यूरोपीय संघ की टीम में व्यापार महानिदेशालय सेबाइन वेयंड, भारत में ईयू के राजदूत हर्वे डेल्फिन, ईयू के मुख्य वार्ताकार क्रिस्टोफ कीनर और भारत में ईयू प्रतिनिधिमंडल के व्यापार खंड के प्रमुख पेट्रोस सोरमेलिस शामिल हैं। दोनों पक्षों के बीच अभी तक इस्पात, कार्बन कर, वाहन और गैर-शुल्क बाधाओं जैसे कुछ क्षेत्रों में अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। भारत और 27 देशों के समूह ईयू ने आठ साल से ज़्यादा के अंतराल के बाद जून 2022 में व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए फिर से बातचीत शुरू की थी। बाजार खोलने के स्तर पर मतभेदों के कारण वर्ष 2013 में यह रुक गया था।

भारत, अमेरिका 10-11 दिसंबर को करेंगे वार्ता

अमेरिका के उप अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) रिक स्विट्जर की अगुवाई वाला प्रतिनिधिमंडल प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए इस सप्ताह भारत का दौरा करेगा। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेगा। इस समझौते के लिए अमेरिका के मुख्य वार्ताकार (दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि) ब्रेंडन लिंच भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में संयुक्त सचिव दर्पण जैन के साथ चर्चा करेंगे। यूएसटीआर के कार्यालय से उप व्यापार प्रतिनिधि दूत रिक स्विट्जर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल 9–11 दिसंबर तक भारत का दौरा करेगा। यह बातचीत व्यापार से संबंधित सभी मुद्दों पर होगी। दोनों ही देश व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। अमेरिकी अधिकारी पिछली बार 16 सितंबर को भारत आए थे। ये बातचीत इसलिए अहम है, क्योंकि वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा था कि भारत अमेरिका के साथ एक मसौदा व्यापार समझौते पर पहुंचने को लेकर आशावादी है।

आरबीआई 16 को करेगा 5 अरब डॉलर के डॉलर-रुपया की अदला-बदली

मुंबई, एजेंसी

- वित्तीय प्रणाली में अतिरिक्त नकदी डालने के लिए बैंक डॉलर के बदले एक तय समय के लिए आरबीआई से लेंगे रुपया

भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को कहा कि वह 16 दिसंबर को पांच अरब डॉलर (45,000 करोड़ रुपये) की डॉलर-रुपया खरीद-बिक्री अदला-बदली के लिए नीलामी करेगा। वित्तीय प्रणाली में अतिरिक्त नकदी डालने को ऐसा किया जाएगा। इसके तहत बैंक आरबीआई को डॉलर बेचेंगे और बदले में आरबीआई बैंकों को रुपया देगा। इससे व्यवस्था में रुपये की मात्रा बढ़ती है।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि यह अदला-बदली रिजर्व बैंक की ओर से एक साधारण विदेशी मुद्रा खरीद/बिक्री अदला-बदली होगा। अदला-बदली अवधि खत्म होने पर बैंक उतनी ही मात्रा में डॉलर वापस खरीदने पर सहमत होते हैं। आरबीआई ने कहा कि रिजर्व बैंक 16 दिसंबर को 36 महीने की अवधि के लिए पांच अरब डॉलर का डॉलर-रुपया खरीद-बिक्री अदला-बदली नीलामी करेगा। इसके के तहत न्यूनतम बोली आकार एक करोड़ डॉलर होगा और उसके बाद 10 लाख डॉलर के गुणांक में बोली लगाई जा सकेगी। वहीं, आरबीआई 11 और 18 दिसंबर 2025 को दो चरणों में 50,000-50,000 करोड़ रुपये की कुल एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद नीलामी भी आयोजित करेगा। आरबीआई ने कहा कि वह बदलती नकदी स्थिति और बाजार हालात पर लगातार नजर रखेगा और नकदी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

चावल, चीनी और दालें मजबूत गेहूं नरम, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए। चावल के अलावा चीनी और दालों में भी तेजी रही जबकि गेहूं टूट गया। वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

- औसत दर्जे के चावल की कीमत 127 रुपये बढ़ी, गेहूं चार तो आटा 23 रुपये प्रति क्विंटल गिरा

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 127 रुपये बढ़कर 3,858.67 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं चार रुपये सस्ता हुआ और 2,858.82 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा 23 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। दाल-दलहनों में बढ़त रही। तुअर दाल 205 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गयी। मसूर दाल की कीमत 167 रुपये और चना दाल की 133 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मूंग दाल में 115 रुपये और उड़द दाल में 36 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल औसतन 76 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सोया तेल 71 और सूरजमुखी तेल 66 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट में रहा। वनस्पति 112 और मूंगफली तेल 70 रुपये महंगा हुआ। सरसों तेल 31 रुपये बढ़ी। मीठे के बाजार में गुड़ 107 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। चीनी 16 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

उड़ानें रद्द होना इंडिगो के लिए नेगेटिव, वित्तीय हानि भी

नई दिल्ली, एजेंसी

- मूडीज रेटिंग एजेंसी बोली- एक साल से तय नियमों का सही से नहीं कर सकी पालन

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की उड़ानों में व्यापक स्तर पर हुई अव्यवस्था राजस्व हानि के साथ ही उड़ानों के रद्द होने पर संभावित जुर्मानों की वजह से वित्तीय नुकसान का कारण बन सकती है। मूडीज रेटिंग्स ने सोमवार को यह बात कही।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि एयरलाइन एक साल से अधिक पहले विमानन उद्योग के लिए निर्धारित नियमों के लिए सही योजना नहीं बना पाई, जिसके चलते उसे इस विफलता का सामना करना पड़ा। मूडीज ने एक टिप्पणी में कहा कि ये अव्यवस्थाएं एयरलाइन की साख के लिए भी नकारात्मक हैं। इसमें कहा गया, अस्थायी राहत के बावजूद नए विमानन नियमों के लिए प्रभावी योजना न बना पाना एयरलाइन की साख के लिए नकारात्मक है। यह अव्यवस्था बेहद व्यस्त शीतकालीन उड़ान सत्र की वजह से और बिगड़ गई।

इस बार उड़ानें रद्द होने का सिलसिला दो दिसंबर से शुरू हुआ और एयरलाइन ने पांच दिसंबर को 1,600 से अधिक उड़ानों को रद्द किया। एयरलाइन अभी तक सामान्य स्थिति बहाल नहीं कर पाई है। सोमवार को भी 500 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं। मूडीज ने कहा कि ये व्यवधान साख के लिए नकारात्मक हैं, क्योंकि इंडिगो को राजस्व हानि, उड़ान रद्दीकरण, रिफंड और प्रभावित यात्रियों को अन्य क्षतिपूर्ति के साथ ही डीजीसीए द्वारा लगाए जा सकने वाले जुर्मानों के कारण महत्वपूर्ण वित्तीय नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

मूडीज ने योजना, निगरानी और संसाधन प्रबंधन में एयरलाइन की महत्वपूर्ण चूक को इसका प्रमुख कारण बताया क्योंकि ये नियम उद्योग को एक साल से अधिक पहले बताए गए थे।

बीएसई ने इंडिगो से मांगा स्पष्टीकरण, शेयर 8% लुढ़का

- एक्सचेंज ने विमान सेवा कंपनी को कारण बताओ नोटिस किया जारी

मुंबई। शेयर बाजार बीएसई ने विमानन नियामक डीजीसीए द्वारा विमान सेवा कंपनी इंडिगो को कारण बताओ नोटिस की खबरों के संबंध में एयरलाइंस से स्पष्टीकरण मांगा है। बीएसई ने सोमवार को बताया कि एक वेबसाइट की खबर का लिंक देते हुए कहा कि इसमें कहा गया है कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एलबर्स को कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए और समय दिया है तथा इसमें विफल रहने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। शेयर बाजार ने इस खबर पर एयरलाइंस से जवाब मांगा है। इस बीच, बीएसई में इंडिगो का शेयर आज 444.75 रुपये (8.28 प्रतिशत) गिरकर 4,926.55 रुपये रह गया। कंपनी के शेयर में इस महीने 16.54 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। नवंबर के अंतिम कारोबारी दिवस पर एयरलाइंस का शेयर 5902.70 रुपये पर बंद हुआ था। इस प्रकार, यह 976.15 रुपये टूट चुका है।

सौर योजनाओं को लागू करने में समन्वय जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- संसदीय समिति ने कहा- चार एजेंसियों ने बिजली खरीद समझौते पर नहीं किए हस्ताक्षर

संसदीय समिति ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तहत संचालित सौर योजनाओं की धीमी प्रगति से जुड़े मुद्दों की पहचान और समाधान के लिए राज्यों और विकासकर्ताओं के बीच करीबी समन्वय पर बल दिया है। संसदीय समिति ने सोमवार को संसद में पेश रिपोर्ट में कहा कि ऊर्जा क्षेत्र की चार कार्यान्वयन एजेंसियों (एसईसीआई, एनएचपीसी, एसजेवीएन और एनटीपीसी) से जारी बोलियों में 30 जून, 2025 तक 44 गीगावाट के लिए बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हुए हैं।

ऊर्जा पर गठित समिति की रिपोर्ट कहती है कि अधिकांश योजनाओं/कार्यक्रमों जैसे प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजी: एमबीवाई), पीएम-कुसुम और सोलर पार्कों के विकास से संबंधित योजना की प्रगति धीमी रही है। मुफ्त बिजली योजना का लक्ष्य 2026-27 तक एक करोड़ घरों में छतों पर सौर इकाई लगाना है। समिति ने मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई जानकारी के आधार पर बताया कि जून 2025 तक 16 लाख छतों पर सौर इकाई लगाए गए हैं। इस योजना के तहत 84 लाख घरों में छतों पर सौर इकाई लगाने का काम 2025-2027 के सिर्फ दो वर्षों में करना होगा। समिति ने जागरूकता की कमी को योजना के क्रियान्वयन में सुस्ती का मुख्य कारण बताया है।

निर्णय — बोर्ड ने कहा– वित्तीय स्थिरता, जोखिम प्रबंधन तथा व्यापार को आसान बनाने को नए नियम

सेबी ने मर्चेंट बैंकर से संबंधित नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी

- नकदी वाली संपत्ति की जरूरत व स्वीकृत गतिविधियों से न्यूनतम राजस्व को किया अनिवार्य

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मर्चेंट बैंकर के लिए पूंजी पर्याप्तता ढांचा लागू करते हुए नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत नकदी वाली शुद्ध संपत्ति की जरूरत होगी और स्वीकृत गतिविधियों से न्यूनतम राजस्व को अनिवार्य किया जाएगा।

नए नियमों का उद्देश्य वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना, जोखिम प्रबंधन में सुधार करना तथा व्यापार को आसान बनाना है। बाजार नियामक सेबी ने तीन दिसंबर को जारी एक अधिसूचना में मर्चेंट बैंकर को एक ही कंपनी के अंतर्गत अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर की गतिविधियां चलाने की अनुमति कुछ शर्तों के साथ दे दी है।

सेबी की अधिसूचना के मुताबिक, एक मर्चेंट बैंकर ऐसी गतिविधियां कर सकता है जो किसी अन्य वित्तीय क्षेत्र नियामक (एफएसआर) के दायरे में आती हैं। साथ ही सेबी या किसी अन्य वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) के दायरे में नहीं आने वाली गतिविधियां शुल्क आधारित, गैर-निधि आधारित होनी चाहिए और वित्तीय सेवा क्षेत्र से संबंधित होनी चाहिए। यह निर्णय सेबी के निदेशक मंडल की दिसंबर, 2024 में हुई बैठक में गैर-विनियमित गतिविधियों को एक अलग कानूनी इकाई में स्थानांतरित करने की मंजूरी देने के बाद आया है।

एआईएफ को बदलने की प्रक्रिया जारी

सेबी ने मौजूदा वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) योजनाओं को केवल मान्यता प्राप्त निवेशकों या बड़े मूल्य कोष में परिवर्तित करने की प्रक्रिया जारी की। सेबी के परिपत्र के अनुसार, इस परिवर्तन के लिए सभी निवेशकों की सकारात्मक सहमति और संबंधित शर्तों का पालन करना आवश्यक है। नवंबर में सेबी ने नियमों में संशोधन किया था, जिसके तहत केवल मान्यता प्राप्त निवेशकों के लिए अलग एआईएफ योजनाओं की अनुमति थी।

निवेशकों को शिक्षित करने में ताजा आंकड़ों का प्रयोग नहीं होगा : सेबी चेयरमैन

मुंबई। बाजार नियामक सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि बाजार नियामक जल्द ही निवेशकों को शिक्षित करने के लिए बाजार के ताजा आंकड़ों के उपयोग पर रोक के लिए संबंधित नियमों में बदलाव करेगा। सेबी प्रमुख का यह बयान वित्तीय मामलों पर ऑनलाइन सामग्री साझा करने वाले इनफ्लुएंसर अवधूत साठे पर जुर्माना लगाने और उनसे 546 करोड़ की वसूली का आदेश आने के कुछ दिनों बाद आया है। पांडेय ने कहा कि निवेशकों की शिक्षा से जुड़े नियमों में कोई कमी नहीं है लेकिन इस मामले में केवल समझ की कमी हो सकती है। उन्होंने एनएसई में आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही।

स्पेक्ट्रम शुल्क 5% करने का प्रस्ताव ट्राई ने नकारा

नई दिल्ली, एजेंसी

- शहरों में प्रति कनेक्शन 500 रुपये का शुल्क हटाने का प्रस्ताव भी दूरसंचार विभाग ने रखा

दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को दूरसंचार विभाग के उस प्रस्ताव को नकार दिया, जिसमें उपग्रह संचार (सैटकॉम) कंपनियों से चार की जगह पांच प्रतिशत वार्षिक स्पेक्ट्रम शुल्क वसूलने की बात कही गई थी। इसमें शहरी क्षेत्रों में प्रति कनेक्शन 500 रुपये का शुल्क हटाने का प्रस्ताव भी था।

दूरसंचार विभाग ने भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) की उन सिफारिशों में बदलाव की मांग की थी, जो एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक, भारती समूह समर्थित यूटेलसैट वनवेब और जियो एसईएस जैसी कंपनियों के लिए उपग्रह संचार स्पेक्ट्रम के आवंटन और शुल्क निर्धारण से जुड़ी हैं। ये सैटकॉम कंपनियां भारत में इंटरनेट सेवाएं शुरू करने की तैयारी में हैं। विभाग ने ट्राई से 4% वार्षिक स्पेक्ट्रम शुल्क पर पुनर्विचार कर 5% का सुझाव दिया था। यह सुझाव भी दिया था कि अगर कंपनी के एक वर्ष में 5% ग्राहक सीमावर्ती एवं पहाड़ी क्षेत्रों जैसे इलाकों से हों, तो 1% की छूट दी जाए, यदि लक्ष्य पूरा हो जाए तो प्रति ग्राहक 500 रुपये का शुल्क भी हटाया जाए।

ट्राई ने विभाग के प्रस्ताव पर कहा कि सरकार एफएसएस (फिक्स्ड सैटेलाइट सर्विसेज) का लाभ उठाने को अतिरिक्त योजना अपना सकती है, ताकि कठिन और दूरस्थ क्षेत्रों- जैसे पहाड़ी इलाकों, सीमाई क्षेत्रों और द्वीपों- में तेज और किफायती ब्रॉडबैंड सेवाओं का विस्तार किया जा सके।

वर्ल्ड ब्रीफ

जकार्ता में लुप्तप्राय जायंट पांडा के शावक ने लिया जन्म

जकार्ता। इंडोनेशिया के जावा प्रांत के वन्य जीव संरक्षण केंद्र तमन सफारी इंडोनेशिया (टीएसआई) में एक विशाल पांडा शावक ने जन्म लिया है। यह घटना देश के लुप्तप्राय प्रजातियों को बचाने के प्रयासों में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। टीएसआई के सोमवार के बयान के अनुसार, इस शावक को 27 नवंबर को मादा पांडा हचुन ने जन्म दिया। हचुन उन दो विशाल पांडाओं में से एक है जिन्हें चीन के साथ 10 साल के संरक्षण सहयोग कार्यक्रम के तहत 2017 में इंडोनेशिया भेजा गया था। टीएसआई ने कहा कि यह जन्म उसकी वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित प्रजनन कार्यक्रम की प्रभावशीलता को दर्शाता है। इसमें चीन के विशेषज्ञों का भी सहयोग मिला है। शावक की हालत स्थिर है और उसे लगातार निगरानी में रखा जा रहा है।

पैरिस के लूव्र म्यूजियम की लाइब्रेरी में घुसा पानी 400 किताबें भीगीं

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस स्थित सुप्रसिद्ध लूव्र म्यूजियम में पानी भर जाने मिस्र विद्या या मिस्रविज्ञान (इजिप्टोलॉजी) लाइब्रेरी की सैकड़ों किताबें खराब हो गई हैं। फ्रांसीसी मीडिया ने रविवार को संग्रहालय के उप प्रबंधक फ्रांसिस स्टेनबॉक के हवाले से बताया कि 26 नवंबर को हुई इस घटना से 300 से 400 किताबें प्रभावित हुईं। इनमें मिस्र की पढ़ाई से संबंधित पत्रिकाएं और वैज्ञानिक प्रलेखन शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल शोधकर्ता नियमित रूप से करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी ऐतिहासिक कलाकृति या चीज को नुकसान नहीं हुआ है और कोई भी ऐसा नुकसान नहीं हुआ है जिसे ठीक न किया जा सके।

म्यामांर में 1178 चीनी साइबर अपराधियों को वापस भेजा गया

बीजिंग। चीन के जन सुरक्षा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि इस महीने की शुरुआत से म्यांमार के म्यावाडी में टेलीकॉम धोखाधड़ी के मामलों में शामिल कुल 1,178 चीनी नागरिकों को वापस लाया गया है। मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा कि एक दिसंबर से संदिग्धों को चीनी पुलिस की निगरानी में थाईलैंड के रास्ते समूहों में सौंपा गया है। यह हस्तांतरण 14 नवंबर को चीन, कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड, वियतनाम के बीच मंत्री स्तरीय बैठक के बाद हुआ। बैठक में शामिल देशों ने आपसी सहयोग से सीमा पार टेलीकॉम धोखाधड़ी पर कार्रवाई शुरू करने पर सहमति जताई।

प्रवासियों को आईसीई के आदेशों का पालन न करने का अधिकार

न्यूयार्क, एजेंसी

न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर प्रवासियों से कहा कि उन्हें अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के एजेंट से बात करने या उनकी बात मानने से इन्कार करने का अधिकार है। यह वीडियो संघीय एजेंट की ओर से मैनहट्टन में की गई छापेमारी के कुछ ही दिनों बाद साझा किया गया है।

ममदानी ने शहर के 30 लाख प्रवासियों की सुरक्षा का संकल्प लेते हुए कहा, यदि आप अपने अधिकारों को जानते हैं तो हम सब मिलकर आईसीई का सामना कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोग संघीय एजेंट के बात नहीं करने का विकल्प चुन सकते हैं, उनके वीडियो बना सकते हैं और यदि एजेंट के पास न्यायाधीश द्वारा हस्ताक्षरित न्यायिक वारंट नहीं है तो निजी स्थान में प्रवेश के उनका अनुरोध अस्वीकार कर सकते हैं। मेयर का यह बयान न्यूयॉर्क के चाइनाटाउन के पास कैनाल स्ट्रीट पर आईसीई द्वारा लोगों को हिरासत में लेने की कोशिश किए जाने एक सप्ताह बाद आया, जहां प्रदर्शनकारियों ने विरोध जताया था।

आजादी के गीत पर राजनीतिक संग्राम

बंकिम चंद्र चटर्जी लिखित गीत वंदेमातरम जो कभी आजादी की लड़ाई का प्रमुख हथियार बना था, आजाद भारत में अब उसी गीत पर राजनीतिक संग्राम छिड़ गया है। यह विवाद इसलिए शुरू हुआ है क्योंकि इस गीत के 150 साल पूरे होने पर संसद में विशेष चर्चा आयोजित की गई है और सत्ता पक्ष और विपक्ष ने 1937 में गीत के कुछ महत्वपूर्ण अंशों को हटाने के ऐतिहासिक फैसले पर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं। इस सियासी विवाद की गहराई का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लोकसभा में इस पर चर्चा की शुरुआत खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। विपक्ष भी इस पर कम आक्रामक नहीं है। वह उन ऐतिहासिक विशेषज्ञों का हवाला दे रहा है जिनके अनुसार 1937 में वंदे मातरम के कुछ छंदों को हटाने का निर्णय राष्ट्रीय आंदोलन में समावेशिता बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया था।

वंदे मातरम पर विवाद

सत्तापक्ष के आरोप

- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस ने 1937 में मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के महत्वपूर्ण छंदों को हटा दिया, जिससे गीत की मूल भावना कमजोर हुई।
- प्रधानमंत्री ने दावा किया कि छंदों को हटाने का यह निर्णय तुष्टीकरण की राजनीति का हिस्सा था और इसी मानसिकता ने 1947 में देश के विभाजन के बीज बोए।
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ब्रिटिशों की फूट डालो और राज करो की नीति सांप्रदायिक आपत्ति के पीछे थी, जिसे तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बढ़ावा दिया।

विपक्ष का जवाब

- कांग्रेस ने कहा, यह निर्णय रवींद्रनाथ टैगोर सहित स्वतंत्रता संग्राम के शीर्ष नेताओं की सलाह पर लिया गया था, ताकि इसे एक साझा राष्ट्रीय गीत बनाया जा सके।
- प्रियंका गांधी वाड्रा ने सरकार पर वास्तविक मुद्दों जैसे बेरोजगारी और असमानता से ध्यान भटकाने के लिए इस बहस को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया।
- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा, भाजपा-आरएसएस ने अपने कार्यक्रमों में कभी वंदे मातरम या राष्ट्रगान नहीं गाया है, कांग्रेस ही हमेशा से इसकी ध्वजवाहक रही है।

मद्रास हाईकोर्ट का आदेश

- मद्रास हाईकोर्ट ने जुलाई 2017 में एक महत्वपूर्ण फैसले में तमिलनाडु के सभी स्कूलों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य कर दिया था।
- अदालत का आदेश था सभी सरकारी-निजी स्कूलों में सप्ताह में कम से कम एक बार वंदे मातरम गाया जाना अनिवार्य होना चाहिए।
- अदालत ने छात्रों को विवेक की स्वतंत्रता दी। कहा, यदि कोई गीत गाने में सहज महसूस नहीं करता है तो उसे बाध्य नहीं किया जाए।
- बाद में सुप्रीम कोर्ट ने वंदेमातरम को अनिवार्य करने के आदेश पर रोक लगा दी और कहा- किसी को बाध्य नहीं किया जा सकता है।

क्या कहता है इतिहास

- मूल गीत के बाद के छंदों में हिंदू देवी-देवताओं के संदर्भ थे। मुस्लिम लीग ने इन्हें इस्लाम के एकेश्वरवाद के खिलाफ बताकर आपत्ति की थी।
- गांधी, नेहरू, पटेल, मौलाना आजाद, सुभाष चंद्र बोस चाहते थे कि स्वतंत्रता का आंदोलन समावेशी और धर्मनिरपेक्ष चरित्र बनाए रखे।
- टैगोर ने सुझाव दिया कि आपत्तिजनक संदर्भ से पहले दो छंद राष्ट्रीय समारोहों में गाने चाहिए जिनमें जिनमें मातृभूमि की सुंदरता का वर्णन है।
- कांग्रेस कार्यसमिति ने 29 अक्टूबर, 1937 को खुला निर्णय लिया कि पहले दो छंदों को ही राष्ट्रीय गीत के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।
- यह भी संज्ञान लिया गया था कि वंदेमातरम के पहले दो छंद ही सबसे अधिक लोकप्रिय थे बाकी छंद आम तौर पर कम उपयोग किए जाते थे।

संविधान सभा की घोषणा

- संविधान सभा ने 24 जनवरी, 1950 को वंदे मातरम को भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में औपचारिक रूप से अपनाया।
- डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि वंदे मातरम को राष्ट्रीय आंदोलन में ऐतिहासिक महत्व के कारण राष्ट्रीय गान के समान दर्जा मिले।

भारत की अपने नागरिकों से अपील चीन यात्रा में समझदारी से काम लें

अरुणाचल की महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने के बाद परामर्श जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने सोमवार को अपने नागरिकों के लिए परामर्श जारी किया कि वे चीन की यात्रा करते समय या किसी दूसरे गंतव्य पर जाने के लिए चीन से गुजरते समय पर्याप्त सावधानी बरतें। और समझदारी से काम लें। नई दिल्ली ने अपने नागरिकों के लिए यह परामर्श अरुणाचल प्रदेश की एक महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने जाने के दो सप्ताह बाद दिया है। चीन के अधिकारियों ने पारगमन के दौरान इस महिला के भारतीय पासपोर्ट को वैध मानने से इन्कार कर दिया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि चीन के अधिकारी यह आश्वासन देंगे कि चीनी हवाई अड्डों से पारगमन के दौरान भारतीय नागरिकों को चुनिंदा रूप से निशाना नहीं बनाया जाएगा, उन्हें मनमाने ढंग से हिरासत में नहीं लिया जाएगा या उन्हें परेशान नहीं किया जाएगा तथा अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा संबंधी नियमों का चीनी पक्ष सम्मान करेगा। जायसवाल ने 21 नवंबर को अरुणाचल प्रदेश की महिला से जुड़ी घटना के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह बात कही। जायसवाल ने कहा, विदेश मंत्रालय भारतीय नागरिकों को सलाह देता है कि वे चीन की यात्रा करते समय पर्याप्त सावधानी बरतें।

- उम्मीद जताई भारतीय नागरिकों को परेशान नहीं करेगा चीन

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान दोहराया, अरुणाचल प्रदेश भारत का एक अटूट हिस्सा है और हमेशा रहेगा। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि शंघाई हवाई अड्डे पर हाल ही में हुई घटना के बाद उभरी चिंताओं से हम पूरी तरह सहमत हैं। हम उम्मीद करते हैं कि चीन के अधिकारी यह भरोसा देंगे कि चीन के एयरपोर्ट से गुजरने वाले भारतीय नागरिकों को खास तौर पर निशाना नहीं बनाया जाएगा, उन्हें मनमाने ढंग से हिरासत में नहीं लिया जाएगा या परेशान नहीं किया जाएगा और अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्रा को नियंत्रित करने वाले नियमों का चीन सम्मान करेगा।

18 घंटे हिरासत में रखा था पेम वांग थोंगडोक को

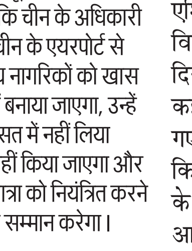

पिछले महीने अरुणाचल प्रदेश की एक महिला यात्री पेम वांग थोंगडोक को चीन से गुजरने के दौरान शंघाई हवाई अड्डे पर करीब 18 घंटों तक हिरासत में रखा गया था। उन्हें तब तक वहीं रखा गया जब तक भारतीय अधिकारी मामले को सुलझाने और उसकी यात्रा को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए वहां नहीं पहुंच गए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच बनी सहमति के बाद चीन के साथ भारत के संबंध सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

पुतिन की भारत यात्रा के बाद चीन का त्रिपक्षीय सहयोग पर जोर

- कहा- तीनों देशों रिश्ते साझा हितों के अनुरूप

बीजिंग। चीन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया भारत यात्रा पर सोमवार को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उसने तीनों देशों को 'ग्लोबल साउथ' का अहम हिस्सा करार देते हुए कहा कि मजबूत त्रिपक्षीय संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं स्थिरता के साथ उनके अपने राष्ट्रीय हितों के लिए भी फायदेमंद हैं।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बीजिंग में संवाददाताओं से कहा, चीन, रूस और भारत न सिर्फ उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं, बल्कि 'ग्लोबल साउथ' का अहम हिस्सा भी हैं। यह पिछले हफ्ते पुतिन की भारत यात्रा और प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत पर चीन की ओर से पहली प्रतिक्रिया है। गुओ ने कहा कि तीनों देशों के बीच मजबूत रिश्ते न केवल उनके अपने हितों के अनुरूप हैं, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, सुरक्षा, स्थिरता एवं समृद्धि के लिए भी फायदेमंद हैं। रूस के साथ चीन के मजबूत संबंधों के मद्देनजर बीजिंग की पुतिन की भारत यात्रा पर करीबी नजर थी। भारत यात्रा से पहले पुतिन की ओर से नई दिल्ली और बीजिंग के बारे में की गई टिप्पणियों से जुड़े सवाल पर गुओ ने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए रूस और भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। रूसी राष्ट्रपति ने अपनी भारत यात्रा से पहले एक भारतीय समाचार चैनल के साथ साक्षात्कार में कहा था, भारत और चीन हमारे सबसे करीबी मित्र हैं। हम इस रिश्ते को बहुत महत्व देते हैं।

तनाव बढ़ा, थाईलैंड ने कंबोडिया सीमा पर शुरू किए हवाई हमले

बैंकॉक, एजेंसी

थाईलैंड ने सोमवार को कंबोडिया से लगती विवादित सीमा पर हवाई हमले शुरू किए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर उस संघर्ष विराम समझौते को तोड़ने का आरोप लगाया, जिसके कारण पहले हुई लड़ाई रुक गई थी। यह संघर्ष विराम समझौता अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से अक्टूबर में कराया गया था लेकिन इसके बाद भी दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।

इससे पहले दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच क्षेत्रीय विवाद के कारण जुलाई में पांच दिनों तक संघर्ष हुआ था, जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए थे। थाई रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 50,000 से अधिक लोग सीमा के निकटवर्ती क्षेत्रों को छोड़कर आश्रय स्थलों में चले गए हैं तथा

- दांव पर लगा ट्रंप की मध्यस्थता में हुआ संघर्ष विराम, सीमाई इलाकों से 50,000 लोग विस्थापित

माना जा रहा है कि और भी लोग अपने रिश्तेदारों के यहां अन्यत्रचले गए हैं। वहीं, कंबोडिया के सूचना मंत्री नेथ फेकट्रा ने कहा कि सीमा के निकट के कई गांवों के निवासियों को वहां से निकाल लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि ताजा झड़पों में एक थाई सैनिक और चार कंबोडियाई नागरिक मारे गए हैं। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने टेलीविजन पर एक भाषण में कहा कि देश की रक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए आवश्यकतानुसार सैन्य अभियान चलाए जाएंगे।

रविवार को सीमा पर एक और झड़प हुई, जिसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे पर पहले गोली चलाने का आरोप लगाया। थाई सेना ने कहा कि कंबोडियाई गोलीबारी में उसके दो सैनिक घायल हुए और उसके जवाब में थाई सैनिकों ने पलटवार किया। दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी का यह सिलसिला लगभग 20 मिनट तक चला। कंबोडिया ने कहा कि पहले गोलीबारी थाई पक्ष ने की और उसके सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई नहीं की। सोमवार को थाई सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विनथाई सुवरी ने कहा कि कंबोडियाई सैनिकों ने थाईलैंड के कई इलाकों में पहले गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि एक थाई सैनिक मारा गया और चार अन्य घायल हुए तथा प्रभावित क्षेत्रों से नागरिकों को निकाला जा रहा है।

नाइजीरिया की मदद से नाकाम हुई बेनिन में तख्तापलट की कोशिश

अबुजा। पश्चिम अफ्रीकी देश बेनिन में नाइजीरियाई सेना ने वहां के सुरक्षा बलों की सहायता करते हुए तख्तापलट की कोशिश को नाकाम किया है। बेनिन के राष्ट्रपति कार्यालय ने रविवार को एक बयान में बताया कि बेनिन ने नाइजीरिया से तुरंत हवाई सहायता देने और नाइजीरियाई सैनिकों को भेजने की मदद मांगी थी, ताकि देश के संविधान और संस्थाओं की रक्षा की जा सके।

इजराइली सेना ने दक्षिणी गाजा में फिलिस्तीनी लड़की की हत्या की

गाजा। दक्षिणी गाजा के राफा के मवासी इलाके में रविवार को इजरायली सेना ने गोलीबारी कर एक फिलिस्तीनी लड़की की हत्या करदी। एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि लड़की को मवासी में इजराइली सेना के तैनाती क्षेत्रों के बाहर गोली लगी। इजराइली रक्षा बलों ने कहा कि दक्षिणी गाजा में सैनिकों ने एक आतंकवादी की पहचान की, जो पीली रेखा पार कर सैनिकों के पास आया था और तत्काल खतरा पैदा कर रहा था और उन्होंने आतंकवादी को मार गिराया। इस बीच, गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि दवाओं और चिकित्सा आपूर्ति का भंडार विनाशकारी शून्य स्तर पर बना हुआ है।

अमेरिकी रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ संबंधों को व्यापक बनाने पर जोर

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती चुनौतियों का दिया गया हवाला

अमेरिका के वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ विशेषकर 'क्वाड' के माध्यम से सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया है ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त एवं खुला बनाए रखने के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाया जा सके और चीन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सके।

रविवार को संसदीय नेताओं द्वारा जारी वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार अधिनियम (एनडीएए) में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों पर अमेरिकी संसद की राय को रेखांकित किया गया है। विधेयक में कहा गया है कि रक्षा मंत्री को चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका की तुलनात्मक बढ़त को बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा सहयोगियों और साझेदारियों को मजबूत करने के प्रयास जारी रखने चाहिए। इन प्रयासों में भारत के साथ अमेरिकी संबंधों को व्यापक बनाना, जिसमें चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों तथा सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, रक्षा व्यापार का विस्तार तथा मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया पर सहयोग के माध्यम से एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाना शामिल है।

सौर विकिरण ने इस वर्ष दो दशकों का रिकॉर्ड तोड़ा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: जलवायु के लिहाज से पृथ्वी अनेक संकटों से जूझ रही है तो अंतरिक्ष मौसम भी इस वर्ष ऐतिहासिक रहा, जिसने सौर विकिरण की बारिश कर वातावरण को दूषित करने में दो दशकों का रिकॉर्ड तोड़ डाला है। साथ ही, इस सदी में सूर्य ने एक्स क्लास की 20 ज्वाला का रिकॉर्ड बनाया है।

अंतरिक्ष के मौसम को कमतर नहीं आंका जा सकता है। पृथ्वी का अपना मौसम समुद्री जलधाराओं से प्रभावित होता है तो अंतरिक्ष मौसम सूर्य की ज्वालाओं से प्रभावित होता है जिसमें सर्वाधिक खतरनाक सौर तूफानों को

- एक्स क्लास की भयानक 20 सौर ज्वालाओं ने भी रचा इतिहास

माना जाता है। ये इतने शक्तिशाली होते हैं कि हमारे सैटेलाइट के संचालन को ठप कर सकते हैं तो पृथ्वी पर मौजूद इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिकल ग्रिड को ध्वस्त करने की ताकत रखते हैं। इसके अलावा हवाई उड़ानों में बाधा पहुंचा सकते हैं। सौर विस्फोट से निकलने वाले उच्च ऊर्जावान कणों के साथ विकिरण भी हमारे उच्च आसमानी क्षेत्र में फैल जाता है। जिस कारण 12 हजार मीटर की ऊंचाई पर यात्रा करने वाली गर्भवती महिला के भ्रूण को नुकसान पहुंचा सकती है।

इस वर्ष नवंबर माह विकिरण को लेकर सर्वाधिक असरकारक रहा। सौर वैज्ञानिकों का कहना है कि सूर्य में उत्पन्न 11 नवंबर की ज्वाला सर्वाधिक खतरनाक रही। इस ज्वाला से उठे सौर तूफान से विमान बोइंग 320 को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। साथ ही, यह तूफान भारी मात्रा में आसमान में करीब 12 हजार मीटर की ऊंचाई में विकिरण फैला गया, जो सामान्य स्तर से दस गुना अधिक था। इस विकिरण का प्रभाव 15 घंटे तक बना रहा, जबकि सामान्यतौर पर छः घंटे से अधिक विकिरण का प्रभाव नहीं रहता है। यह 25वा सौर चक्र है, जो पिछले कई सौर चक्रों की तुलना सर्वाधिक प्रभावशाली रहा है। सौर तूफानों के उठने से कई देशों में रेडियो ब्लैक आउट करना पड़ा और हवाई उड़ानों के सिग्नल्स को भी प्रभावित किया। सूर्य अभी भी सक्रियता के दौर से गुजर रहा है। लिहाजा आने वाले दिनों में भी सूर्य की सतह पर विस्फोट जारी रहेंगे, उनसे उच्च स्तरीय सौर तूफान उठेंगे और इनसे नुकसान की आशंका बनी रहेगी।

ऐतिहासिक रहा यह वर्ष : डॉ. वहाबुद्दीन

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के पूर्व निदेशक डॉ. वहाबउद्दीन के अनुसार, यह वर्ष अब तक की सबसे तीव्र सौर ज्वाला उत्पन्न करने के अलावा, एक्स-श्रेणी की सर्वाधिक ज्वालाओं का वर्ष रहा, जो पृथ्वी की ओर उच्च गति वाले प्रोटॉन और अन्य ऊर्जावान कणों की एक धारा भी फैला गया। पूर्व में इस तरह की सौर गतिविधि बहुत कम ही देखी गईं। आने वाले दिनों में भी सौर सक्रियता जारी रहने वाली है, लिहाजा अंतरिक्ष मौसम का खतरा बने रहने की संभावना है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 02.28 तक तत्पश्चात षष्ठी।

मेष – आज दांपत्य संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। अपनी जीवनशैली में सुधार कर सकते हैं। माता की सलाह आपके लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। आदर्शवादी विचारों से आपको बचना चाहिए। सुख के साधनों में वृद्धि होगी। बच्चों की सफलता पर गर्व का अनुभव करेंगे।

वृष – आज आपका पूरा ध्यान करियर में रहेगा। आपके कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में नये सहयोगी जुड़ने के योग बन रहे हैं। बॉस आपको कुछ उपहार दे सकते हैं। व्यापारियों को बड़ा धन लाभ मिलेगा।

मिथुन – आज व्यापार में विस्तार के लिए लोन ले सकते हैं। जिसमें आपको सफलता भी मिलेगी। आपके मुख-मंडल पर प्रसन्नता के भाव रहेंगे। उच्च अधिकारियों के साथ संबंध मधुर होंगे। आपको तनाव से दूर रहने के लिए योग और ध्यान की आवश्यकता है।

कर्क – आज जीवनसाथी के प्रति निष्ठा और प्रेम भाव में वृद्धि होगी। कारोबारी यात्रा सफल रहेगी। गूढ़ विद्याओं की ओर आपका रूझान बढ़ेगा। लोग आपसे प्रेरणा लेंगे। गलत खबरों को फैलाने से बचें। गृहस्थ जीवन में शांति रहेगी।

सिंह – आज दांपत्य सुख में कमी आयेगी। नया कार्य आरंभ करने के लिए दिन शुभ नहीं है। अपने व्यवहार में शालीनता बनाए रखें। धन संबंधी चिंता आपको परेशान कर सकती है। व्यापार में कुछ नुकसान उठाना पड़ सकता है। पुरानी कड़वी यादें आपका मन खराब करेंगी।

कन्या – आज कार्यक्षेत्र में आपको बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। मित्रों से आपको काफी सहायता मिलेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। परिवार के लोगों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

तुला – आज घर में खुशियों का माहौल रहेगा। कमीशन संबंधी कारोबार में बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। परिवार और काम के बीच संतुलन बनाने में सफल रहेंगे। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाकर रखें। मार्केटिंग संबंधी कार्यों में बड़ी सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक – आज पुराने निवेश से आपको धन लाभ मिलेगा। संपत्ति विवादों का निपटारा होगा। गृहस्थ जीवन में शांति का वातावरण रहेगा। कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ा मंच मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु – आज आपके संबंध प्रभावित हो सकते हैं। शत्रु आपके ऊपर हावी होने का प्रयास करेंगे। रिश्तों को लेकर आप थोड़े भावुक रहेंगे। यात्रा आपको बुरी तरह थका सकती है। ऑनलाइन कारोबारियों को पेमेंट आदि को लेकर थोड़ा सावधान रहना चाहिए।

मकर – आज प्रेमी जन अपने परिवार से विवाह को लेकर सहमति लेना चाहते हैं तो आज दिन शुभ है। आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। आपको बहुमूल्य उपहार मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन में सुखद अनुभव होंगे।

कुंभ – आज निजी रिश्तों को लेकर समस्याओं का समाधान होगा। नया कारोबार शुरू करने में सफलता मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोग कठिन निर्णय ले सकते हैं। रोगियों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होगा। जिस कार्य से परिणाम न मिल रहे हों उन्हें फिलहाल छोड़ना ही उचित है।

मीन – आज महत्वपूर्ण लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लेंगे। उच्च अधिकारी आपसे अत्यन्त प्रसन्न रहने वाले हैं। प्रेमी जन से झूठ न बोलें। आपकी दिनचर्या काफी अनुकूल रहने वाली है। अपनी गलतियों पर पर्दा न डालें। बुजुर्ग जातकों को सन्तान के करियर की चिन्ता हो सकती है।

आज का पंचांग

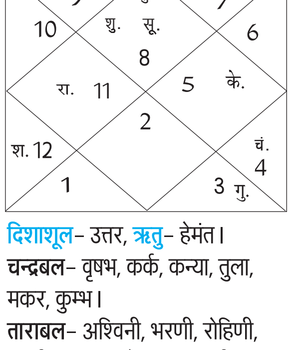

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अश्लेशा 10 दिसंबर 02.22 तक तत्पश्चात मघा।

सुडोकू -185

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1		2					
4								
			7	1				
	5							
				8				
		8						
								5
		3					2	

सुडोकू - 184 का हल

1	8	2	3	4	5	6	9	7
5	3	6	9	7	8	1	4	2
4	9	7	1	6	2	3	8	5
3	5	8	6	9	4	7	2	1
2	4	1	7	8	3	9	5	6
6	7	9	5	2	1	8	3	4
8	1	3	4	5	6	2	7	9
7	6	4	2	3	9	5	1	8
9	2	5	8	1	7	4	6	3

लियोन को लेकर कुछ भी व्यक्तिगत शिकायत नहीं है। वह पिछले कई वर्षों से हमारे मुख्य स्पिनर रहे हैं, लेकिन बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए यह फैसला किया गया। जिस तरह से हमारे पुछल्ले बल्लेबाज लगभग 50 ओवर तक टिके रहे, उससे हमें वह संतुलन मिला।

–स्टीव स्मिथ

स्टेडियम

लखनऊ, मंगलवार, 9 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

दूसरे वनडे में धीमे ओवर-रेट के लिए भारत पर जुर्माना

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत पर रायपुर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में धीमी ओवर-रेट के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अमीरात आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने यह कार्रवाई की, जब केएल राहुल की टीम समय में छूट के बाद भी दो ओवर पीछे रह गई थी। आईसीसी खिलाड़ियों और खिलाड़ी सपोर्ट स्टाफ के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर हर उस ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है जो उनकी टीम निर्धारित समय में नहीं फेंक पाती है।

अभिषेक मैच विजेता खिलाड़ी : मार्करम

कटक। दक्षिण अफ्रीका टी20 टीम के कप्तान एडेन मार्करम ने अभिषेक शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि यह भारतीय सलामी बल्लेबाज बेख़ौफ और उस अति-आक्रामक खेल शैली का प्रतीक है जिसने इस प्रारूप को नयी पहचान दी है। सनराइजर्स हैदराबाद में अभिषेक के साथ खेलने वाले मार्करम ने इस 25 वर्षीय वामहस्त बल्लेबाज के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया। बाराबती स्टेडियम में होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के पहले मैच की पूर्व संध्या पर मारक्रम ने कहा मैं सनराइजर्स में पहले भी अभिषेक के साथ खेल चुका हूं, वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं, इसलिए इसमें कोई शक नहीं कि यह हमारे लिए एक बड़ा विकेट है।

रोहित ने मुझे खुलकर खेलने दिया : शारदुल

मुंबई। आईपीएल 2026 से पहले लखनऊ सुपर जाइंट्स से मुंबई इंडियंस में दो करोड़ रुपये में ट्रेड किए गए भारतीय तेज गेंदबाज शारदुल शार्दुल ठाकुर का कहना है कि पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें खुलकर खेलने की स्वीकृति दी थी। इसी साल इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले 34 साल के तेज गेंदबाज शारदुल मुंबई इंडियन्स में पुराने अच्छे दिनों को फिर से जीने की उम्मीद कर रहे हैं। रोहित के साथ फिर जुड़ने वाले शारदुल ने कहा अभी और पता चलेगा जब साथ में बैठेंगे तो। काफी मस्ती होगी। उन्होंने कहा उन्होंने मुझे सहज महसूस कराया। उन्होंने मुझे उनके साथ खुलकर रहने दिया। उन्होंने मुझे खुलकर खेलने दिया। हम एक-दूसरे के साथ सहज हो गए और इसमें उनका बड़ा हाथ था।

लियोन से कोई शिकायत नहीं: स्मिथ

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ ब्रिस्बेन में खेले गए दूसरे एशेज टेस्ट में नाथन लियोन को अंतिम एकादश से बाहर रखने पर उठे विवाद को शांत करने की कोशिश करते हुए कहा कि यह फैसला बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करने के लिए लिया गया था और स्पिन गेंदबाजी के इस दिग्गज के खिलाफ कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं थी। यह पिछले 13 साल में पहला अवसर था जबकि लियोन को घरेलू टेस्ट मैच से बाहर किया गया। इस स्पिनर ने इसके बाद कहा था कि उनका मूड बेहद खराब है।

साई में 1191 पद खाली : खेल मंत्री

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को स्वीकार किया कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में वर्तमान में 1,000 से अधिक पद रिक्त पड़े हैं। खेल मंत्री ने लोकसभा में केरल के अट्टिंगल के कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश के सवाल का जवाब देते हुए यह खुलासा किया। संसद की स्थायी समिति की हाल की रिपोर्ट में इस पर चिंता व्यक्त की गई थी। इस रिपोर्ट में साइ को गंभीर रूप से कम वित्तपोषित और कम कर्मचारियों वाला बताया गया था।

टी-20 सीरीज में जीत से आगाज करना चाहेगा भारत

गिल और हार्दिक की वापसी, विश्व कप की तैयारी की शुरुआत करेंगे मेजबान

शुभमन गिल।

कटक, एजेंसी

शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की वापसी से मजबूती हासिल करने वाली मौजूदा टी20 विश्व चैंपियन भारतीय टीम मंगलवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच के साथ अगले साल स्वदेश में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली यह श्रृंखला फरवरी में होने वाले विश्व कप के लिए भारत की औपचारिक तैयारी का आगाज है। विश्व कप से पहले भारतीय टीम 10 टी20 मैच खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका के बाद वह न्यूजीलैंड के खिलाफ भी पांच मैच की श्रृंखला खेलेगी। विश्व कप में भारत अपना पहला मैच सात फरवरी को वानखेड़े में अमेरिका के खिलाफ खेलेगा। भारतीय टीम इन दोनों श्रृंखला में स्पष्ट नजरिये के साथ उतरेगी जिसमें इसका मुख्य लक्ष्य विश्व कप से पहले खिलाड़ियों की भूमिका तय करना और उपयुक्त संयोजन तैयार करना होगा। पिछले वर्ष विश्व कप जीतने के बाद से भारत ने टी20 में दमदार प्रदर्शन किया है। विश्व कप में उसने लगातार आठ मैच जीतकर खिताब जीता था। तब से भारत ने अपनी जीत का आंकड़ा 26 मैच तक पहुंचा दिया है जिसमें एशिया कप में लगातार सात मैच जीतना भी शामिल है। इस बीच भारतीय टीम को केवल चार मैच में हार मिली। इस अवधि में भारतीय टीम ने कोई टी20 श्रृंखला नहीं हारी है और अब उसका लक्ष्य उस टीम के खिलाफ अपनी धार को और अधिक मजबूत करना होगा जिसे उसने टी20 विश्व कप फाइनल में हराया था।

समय शाम 7:00 बजे से

अभ्यास सत्र के दौरान टीम के साथ कप्तान सूर्यकुमार यादव (दाएं से दूसरे)। एजेंसी

शुभमन गिल ने जमकर बहाया पसीना

कटक। शुभमन गिल ने दो घंटे तक कड़े अभ्यास के साथ वापसी की जबकि फिट हो चुके हार्दिक पंड्या ने यहां बाराबती स्टेडियम में टी20 सीरीज के पहले मैच से पूर्व सोमवार को ट्रेनिंग सत्र से बाहर रहने का फैसला किया। भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान गिल गर्दन में ऐंठन और 24 दिन के रिहैबिलिटेशन के बाद वापस आए हैं और वह पूरी तरह से फिट दिखे। उन्होंने नेट पर बल्लेबाजी से पहले क्षेत्ररक्षण और कैचिंग ड्रिल से शुरुआत की। बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने तेज गेंदबाजी और स्पिन दोनों का सामना किया जिसमें जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और यहां तक कि अभिषेक शर्मा भी उन्हें गेंदबाजी की। अभिषेक ने हालांकि बल्लेबाजी का अभ्यास नहीं करने का फैसला किया। मुख्य विकेट के पास मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लंबी बातचीत के बाद गिल ने बल्लेबाजी का अभ्यास किया और उनके शानदार शॉट बार-बार गैलरी में गए। लोगों को बिना किसी भुगतान के अभ्यास सत्र देखने की इजाजत थी और जब गिल बल्लेबाजी का अभ्यास कर रहे थे तो लगभग पांच हजार प्रशंसक उनकी हौसलाअफजाई कर रहे थे। उन्होंने कुछ मौकों पर शिवम दुबे से भी लंबे शॉट खेले।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, डोनोवन फेरेरिया, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यान्सेन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, ट्रिस्टन स्टब्स।

हार्दिक की वापसी से टीम को मिला संतुलन : सूर्यकुमार

कटक। भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि हरफनमौला हार्दिक पंड्या की वापसी से टीम एशिया कप में सफलता दिलाने वाली वाली रणनीति और संतुलन को फिर से हासिल कर सकेगी।

भारतीय टीम मंगलवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में हिस्सा लेगी। तेज गेंदबाजी के साथ शानदार बल्लेबाजी करने वाले हार्दिक बायें पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण एशिया कप फाइनल में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने चोट से उबरने के बाद हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वापसी की और शानदार लय में हैं। अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले उनकी समय पर वापसी ने टीम में विकल्प को बढावा दिया है और इससे टीम का संतुलन अच्छा होगा।

नई गेंद से गेंदबाजी करने का उनका कौशल भारत को तीन या चार स्पिनरों के साथ मैदान पर उतरने की सुविधा देते हैं। सूर्यकुमार ने पांच मैचों की सीरीज के शुरुआती टी20 मैच से पहले कहा मुझे लगता है कि आपने एशिया कप में भी देखा होगा जब वह नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे तो उन्होंने हमारे लिए अंतिम एकादश के लिहाज से कई विकल्प और कई संयोजन आजमाने के मौके दिए। वह टीम को अधिक विकल्प देने के साथ मजबूती प्रदान करते हैं। बड़े मैचों और आईसीसी प्रतियोगिताओं में उनका प्रदर्शन और भी शानदार रहता है। भारतीय टी20 टीम के कप्तान ने कहा मुझे लगता है कि यह अनुभव बहुत मायने रखेगा। उनकी मौजूदगी निश्चित रूप से टीम को एक अच्छा संतुलन प्रदान करेगी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : बिहार ने उप्र के खिलाफ किया उलटफेर

कोलकाता, एजेंसी

भारत के टी20 विशेषज्ञ रिंकू सिंह बल्ले से कुछ खास नहीं कर सके जिससे बिहार ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां उत्तर प्रदेश को छह विकेट से हरा दिया।

सलामी बल्लेबाज पीयूष सिंह की 54 गेंदों में 57 रनों की पारी के दम पर बिहार ने 145 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार गेंद शेष रहते जीत हासिल कर ली। इससे पहले मंगल महरौर ने चार ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट चटकाए जिससे उत्तर प्रदेश छह विकेट पर 144 रन ही बना सका। मध्यम गति की गेंदबाजी करने वाले महरौर को कप्तान सकीबुल गनी (20 रन पर एक विकेट) और साकिब हुसैन (31 रन पर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला। इन दोनों ने अपने-अपने चार ओवरों में एक-एक विकेट लिया।

चंडीगढ़ ने एक गेंद शेष रहते रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद को चार विकेट से मात दी

हैदराबाद के अमन राव का विकेट लेने के बाद जश्न मनाती चंडीगढ़ की टीम।

कोलकाता : चंडीगढ़ ने रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद को चार विकेट से एक गेंद शेष रहते हरा दिया। चंडीगढ़ के बल्लेबाज अर्जुन आजाद (63) और शिवम भांबरी (42) की शानदार बल्लेबाजी से जीत के लिए मिले 147 रन का लक्ष्य 19.5 ओवर में छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। वहीं, जम्मू कश्मीर ने नौ विकेट पर 150 रन बनाने के बाद मध्यप्रदेश की पारी को 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर 137 रन पर समेट कर 13 रन से जीत दर्ज की। ग्रुप के एक अन्य मैच में महाराष्ट्र ने राहुल त्रिपाठी के 83 रन की शानदार पारी के बाद जलज सक्सेना, तनय सांघवी और विक्की ओस्तवाल के तीन-तीन विकेटों से गोवा को 15 रन से हराया। महाराष्ट्र ने 161 रन बनाने के बाद गोवा को 19.3 ओवर में 146 रन पर आउट कर दिया।

निशानेबाजी विश्व कप फाइनल में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

दोहा : निशानेबाज जोरावर सिंह संधू पुरुषों के ट्रैप फाइनल में शुरुआती 10 शॉट में सात हिट के साथ सातवें स्थान पर रहे जबकि भारत ने सोमवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में दो स्वर्ण सहित छह पदक के साथ अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ अभियान का अंत किया।

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता जोरावर लुसैल निशानेबाजी परिसर में शॉटगन प्रतियोगिताओं के आखिरी दिन अकेले भारतीय प्रतिस्पर्धी थे। जोरावर ने क्वालीफाइंग में 125 में से 119 अंक के साथ छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया जिसमें अब नए आईएसएसएफ नियमों के अनुसार पहले के छह के बजाय आठ निशानेबाजों ने जगह बनाई। तीस शॉट के फाइनल में जोरावर लय में नहीं दिखे और इटली के जियोवानी पेलिएलो के साथ बाहर होने वाले शुरुआती दो निशानेबाजों में शामिल रहे।

रियल मैड्रिड की घरेलू मैदान पर पहली हार

मैड्रिड, एजेंसी

रियल मैड्रिड को नौ खिलाड़ियों के साथ खेलने की भारी कीमत चुकानी पड़ी और वह स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में रविवार को सेल्टा विगो के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-2 से हार गया। रियाल मैड्रिड की अपने घरेलू मैदान सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में इस सत्र में सभी प्रतियोगिताओं में यह पहली पराजय है। इससे वह बार्सिलोना से खिताब की दौड़ में भी पिछड़ गया है।

रियाल मैड्रिड ने दूसरे हाफ में जल्दी ही गोल खा लिया। इसके बाद उसके दो खिलाड़ियों फ्रान गार्सिया और अल्वारो कैरेरास को रेड कार्ड दिखाए गए जिसके कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। मैड्रिड के बेंच पर बैठे खिलाड़ी एंड्रिक को भी शिकायत करने पर रेड कार्ड दिखाया गया। विलियट ने 54वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट के पास से फ्लिक से सेल्टा विगो के लिए पहला गोल किया। मैड्रिड ने 64वें मिनट में गार्सिया को और स्टॉपेज टाइम में कैरेरास को खो दिया।

खिलाड़ियों का बिगाड़ा प्लान

चेन्नई : जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में हिस्सा ले रहे खिलाड़ी, अपने परिवार के सदस्यों के साथ आए हैं। चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में उन्होंने यादगार पलों को संजोने के लिए फोटो सेशन कराया। इंडिगो एयरलाइंस के ऑपरेशनल संकट की वजह से कई खिलाड़ियों, परिवारों और फैंस के ट्रैवल प्लान बिगड़ गए हैं। ● एजेंसी

भारत ने क्लासिफिकेशन मैच में वेल्स को 3-1 से हराया

हॉकी जू. महिला विश्व कप

सैंटियागो (चिली), एजेंसी

क्वार्टर फाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके भारत ने एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप हॉकी प्रतियोगिता के नौवें से 16वें स्थान के क्लासिफिकेशन मैच में वेल्स पर 3-1 की शानदार जीत के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। भारत की तरफ से हिना बानो (14वें मिनट), सुनलिता टोप्पो (24वें) और इशिका (31वें) ने गोल किए, जबकि एलोइस मोट (52वें) ने वेल्स के लिए एकमात्र गोल किया।

भारत ने मैच पर शुरू से ही दबदबा बनाए रखा। उसे पहले 30 सेकंड में ही पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। भारतीय खिलाड़ियों ने कई मौके बनाए लेकिन शुरुआत में गोल नहीं कर सके। वेल्स को भी इस बीच पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए बढ़त बनाने का मौका मिला, लेकिन निधि ने उसे रोक दिया और स्कोर बराबर बनाए रखा। भारत पहले क्वार्टर के आखिरी क्षणों में गोल करने में सफल रहा। हिना ने साक्षी राणा के पास पर यह गोल किया। अपनी बढ़त को दोगुना करने की कोशिश में भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके दबाव बनाए रखा। भारतीय टीम ने लगातार मौके बनाए जिसका उन्हें फायदा भी मिला जब राणा का शॉट सुनलिता के पास गया, जिन्होंने उस पर गोल करने में कोई गलती नहीं की। इस तरह से भारत ने मध्यांतर तक 2-0 की बढ़त बना ली थी।

हॉकी जूनियर विश्व कप

भारतीय टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

अब भी पदक जीतने का एक मौका है : श्रीजेश

चेन्नई, एजेंसी

सात बार की चैंपियन जर्मनी के हाथों सेमीफाइनल में 1-5 से करारी हार के बाद नौ साल बाद जूनियर विश्व कप जीतने का सपना टूटने के बावजूद भारतीय टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने कहा कि अभी भी टीम के पास पदक जीतने का एक मौका है और इसे गंवाना नहीं है। भारतीय टीम अब दस दिसंबर को कांस्य पदक के मुकाबले में अर्जेंटीना से खेलेगी जबकि फाइनल में स्पेन की टक्कर जर्मनी से होगी।

सेमीफाइनल हारने के बाद श्रीजेश ने भाषा से खास बातचीत में कहा यह दिन खराब नहीं था लेकिन टीम अच्छा नहीं खेल सकी। हमारी जो अपेक्षायें थी, हम उस स्तर पर खेल नहीं पाये। जब आप जूनियर विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट का सेमीफाइनल खेल रहे हैं तो आसान मौके नहीं दे सकते। उन्होंने कहा

हमें काफी मौके मिले लेकिन हम भुना नहीं सके। पेनल्टी कॉर्नर भी एक ही मिला जिस पर गोल तो हुआ लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कई बार विरोधी टीम बहुत अच्छा खेलती है तो आप बेसिक चीजें करना भूल जाते हैं।

यह पूछने पर कि मौजूदा चैम्पियन टीम के सामने होने के कारण क्या कोई मानसिक दबाव था, श्रीजेश ने कहा कि माहौल की वजह से कई बार दबाव बन जाता है। उन्होंने कहा कोई मानसिक कारण नहीं था लेकिन कई बार माहौल की वजह से दबाव बन जाता है। इतने बड़े टूर्नामेंट में दबाव रहता ही है चूंकि इन खिलाड़ियों के पास उतना अनुभव अभी नहीं है। आपको उनकी टक्कर का मैच खेलना था क्योंकि एक बार दबाव में आने के बाद वापसी करना मुश्किल होता है। इसके लिए मानसिक दृढ़ता की जरूरत होती है।

दो बार ओलंपिक कांस्य पदक का मुकाबला जीत चुके श्रीजेश ने कहा टीम के लिए जरूरी है कि अगले मैच का महत्व समझे क्योंकि अभी भी हमारे पास एक पदक जीतने का मौका है। यह खिलाड़ियों के लिए अहम है कि इस हार को भुलाकर अगले मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। हमें बड़ी टीमों के खिलाफ मैचों में मौकों को भुनाना और मौके नहीं गंवाना सीखना होगा। यह पूछने पर कि क्या इस टीम में ऐसी प्रतिभाएं दिखती हैं जो आगे जाकर सीनियर स्तर पर भारत के लिए खेल सकती हैं, श्रीजेश ने कहा कि उन्हें इस टीम से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा इस टीम में छह सात खिलाड़ी ऐसे हैं जो सीनियर टीम में जाने के हकदार हैं। उन्हें हालांकि अभी और अनुभव की जरूरत है लेकिन विश्व कप और हॉकी इंडिया लीग के बाद मुझे पूरा यकीन है कि वे सीनियर कोर ग्रुप में होंगे। अगले साल विश्व कप, अजलन शाह कप, प्रो लीग, एशियाई खेल जैसे बड़े टूर्नामेंट खेलने हैं तो यह अनुभव उनके काम आयेगा। उन्होंने आगे कहा ये खिलाड़ी विश्व कप पदक जीतने के हकदार हैं क्योंकि पिछले एक साल में इन्होंने काफी मेहनत की है। अब मैदान पर जाकर इन्हें वह पदक जीतकर लौटना है।

हमें जर्मनी से सीखना चाहिए

मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने कहा कि खिलाड़ियों को जर्मनी की तरह खेल पर नियंत्रण बनाना सीखना होगा। उन्होंने कहा हमें खेल पर नियंत्रण रखना चाहिये था जिसमें हम नाकाम रहे। हमारी छोटी छोटी गलतियों का जर्मनी ने पूरा फायदा उठाया और गोल किए। उन्होंने बहुत अच्छा खेला और वन टच यूरोपीय हॉकी खेलकर मैच पर नियंत्रण बनाए रखा जो हमें सीखना और समझना होगा।

- **09** साल बाद जूनियर विश्व कप जीतने का टूटा सपना
- **10** दिसंबर को कांस्य पदक के लिए अर्जेंटीना से होगा मुकाबला
- फाइनल में स्पेन और जर्मनी टकराएंगे